

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 23, 1980 (फाल्गुन 4, 1901)  
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 23, 1980 (PHALGUNA 4, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० एन० 9 आर० सी० टी० 21—केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अधिसूचना दिनांक 15-10-1979 को निरस्त करते हुए, केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद्वारा श्री एस० पाल, स्थायी सहायक को स्थानापन्न रूप से नीचे दिये गये अवधियों में अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

26-9-77 से 24-12-77  
26-12-77 से 25-3-78  
27-3-78 से 24-6-78  
28-6-78 से 23-9-78  
25-9-78 से 23-12-78  
26-12-78 से 25-3-79  
27-3-79 से 24-6-79  
26-6-79 से 23-9-79  
25-5-79 से 23-12-79  
26-12-79 से 24-3-80

कृष्ण लाल मल्होत्रा  
अवर सचिव  
हुते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मन्त्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० ए०-31015/1/75 प्रशा० I—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अपील), नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुनिस महानिरीक्षक, विशेष पुनिस स्थापना, एतद्वारा, निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 7-10-78 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला नियुक्त करते हैं :—

नाम	जन्म तिथि
सर्वश्री	
1. जी० डी० गुप्ता	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी 2-6-42
2. के० के० अरोरा	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी 11-2-41
3. एन० के० प्रसाद	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी 29-2-40

1	2	3	4
4. के० एस० छाबरा	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	10-5-43	
5. एस० सी० मिश्र	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	28-11-45	
6. एस० के० मुखोपाध्याय	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	4-7-43	
7. एच० आर० अग्रवाल	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	24-5-47	
8. डी० एस० चौकोया	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	2-7-45	
9. आर० एम० कोटा-गला	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	5-9-46	
10. वी० डी० ब्रह्मचारी	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	12-6-48	
11. रूप सिंह	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	12-4-41	

दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० ए० 35018/15/79-प्रशा०—पुलिस उपमहानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री मनी लाल राय चौधरी, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की कलकत्ता (सामान्य अपराध स्कन्ध) शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति, पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० श्रोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० 11/73/79प्रशा०-1-3416—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सीमान्त सेवा के अधिकारी और इस समय नागालैण्ड सरकार के शिक्षा विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत श्री डेनियल कैन्ट को तारोख 4 जनवरी, 1980 के अपराह्न से अगले आदेशों तक नागालैण्ड में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कैन्ट का मुख्यालय कोहिमा में होगा।

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1980

सं० जे० (7)/प्रशासन-II—निवर्तन को आयु प्राप्त करने पर, श्री के० सी० जोहन, सहायक प्रबंधक (तकनीकी), भारत सरकार मुद्रणालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली मुद्रण निदेशालय 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न की सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

अजेंद्र नाथ मुखर्जी  
संयुक्त निदेशक, (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० 7(46)/10882—श्री ए० पी० निमाडे को दिनांक 26-12-1979 के पूर्वाह्न से आर्टिस्ट इनग्रेवर के पद पर वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 में नियुक्त किया जाता है। वे 2 वर्ष तक परीवीक्षाधीन रहेंगे।

श० रा० पाठक

महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय, पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक फरवरी 1980

सं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/पी० सी०/6896—श्री म० वा० पटवर्धन, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 31-1-1980 के अपराह्न से निवर्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सु० प० भोबे  
लेखा परीक्षा अधिकारी (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आर्डेनेन्स फैक्टरी बोर्ड

भारतीय आर्डेनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० 65/जी०/80—वार्षिक सेवा निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए :—

क्रम सं०	नाम एवं पद	सेवा-निवृत्ति तारीख
1.	श्री पी० एम० अथवाला, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक)	31-8-79 (अपराह्न)
2.	श्री वी० जी० विडवन्स स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक)	30-9-79 (अपराह्न)
3.	श्री आर० एम० मिसे, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरमैन)	30-9-79 (अपराह्न)
4.	श्री एल० जोन्स, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक स्टोर-होल्डर)।	31-8-79 (अपराह्न)

1	2	3
5.	श्री के० एम० विश्वनाथन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरमैन)	30-9-79 (अपराह्न)
6.	श्री बी० आर० आतुर्कर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरमैन)	31-10-79 (अपराह्न)
7.	श्री बी० कृष्णमूर्ति स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फौरमैन)	31-10-79 (अपराह्न)
8.	श्री के० एन० श्रीवास्तवा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टाफ असिस्टेंट)	31-10-79 (अपराह्न)

दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 1/80/जी०—राष्ट्रपति श्री बी० आर० चौधरी, स्थानापन्न पी० एम० श्रो० (तदर्थ आधार पर) को उसी ग्रेड में नियमित आधार पर, दिनांक 14 सितम्बर, 1979 से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता  
सहायक महानिदेशक, आर्बनेस फैक्ट्रियों

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1980

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 1/2/79-प्रशासन (राज०) 586—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी श्री जे० एम० सहोटा को उसी सेवा के वर्ग-1 में 5-11-79 से 21 दिसम्बर, 1979 तक की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री जे० एम० सहोटा की उपर्युक्त अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सी० एस० आर्य  
उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात  
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ए०-19018(136)/74-प्रशा० (राज०)—राष्ट्र-पतिजी, लघु उद्योग शाखा संस्थान, अगरतला के सहायक

निदेशक, ग्रेड-2, श्री बी० बी० चटर्जी जो दिनांक 24 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त  
उप निदेशक (प्रशासन)

दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० ए-19018(444)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण व सांख्यिकी) श्री श्रीगिरि रेड्डी ई० रेड्डी को दिनांक 19 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए०-19018(449)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण व सांख्यिकी) श्री मुनीस्वामी जयरामन को दिनांक 19 सितम्बर 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1980

सं० 12(7)/61-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपतिजी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक (चर्म-पादुका), श्री एस० पी० सिंगाराम को दिनांक 7 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(459)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के श्री बी० सी० मालिक, स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी) को दिनांक 16 अक्तूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान गोहाटी में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण/डाटा बैंक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त  
उपनिदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1 फरवरी 1980

आवेश

सं० 18(1)/80-सी०एल०बी०—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खण्ड 12

में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्तु आयुक्त के मुख्यालय या प्रादेशिक कार्यालयों के सभी अधिकारियों को, जो सहायक निदेशक या सहायक प्रवर्तन अधिकारी की श्रेणी से नीचे के न हों, उक्त आदेश के उप-खण्ड (3) में मुझे प्रदत्त शक्तियों का मेरी ओर से उपयोग करने का अधिकार देता हूँ।

एम० सी० मुवर्ण  
वस्तु आयुक्त

### पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी, 1980

सं० प्र० 6/247/(400)/62-II—राष्ट्रपति जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन भिलाई में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री डी० रामानुजम को दिनांक 3-12-79 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, के ग्रेड-III धातुकर्मशाला) में तदर्थ आधार पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री रामानुजम ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया और 3-12-79 (पूर्वाह्न) से जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन भिलाई में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

कृष्ण किशोर  
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० स्था-1-5594/724-एफ० ओ० एस०—श्री के० रामास्वामी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) के अस्थाई पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतन मान में दिनांक 17 जनवरी 1980 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला  
मेजर जनरल,  
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० ए०-35018/2/78 सी० डब्ल्यू०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक

इंजीनियर, श्री गुरब्रह्म सिंह को सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, नई दिल्ली में दिनांक 1-1-80 पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए सहायक निर्माण सर्वेक्षण (सिविल) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 401200/- के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुरब्रह्म सिंह का वेतन और भत्ते समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञापन सं० 10/24/ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 के अनुसार नियमित किए जायेंगे

सं० ए०-35018/2/78-सी० डब्ल्यू०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर, श्री आर० पी० माथुर को सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, कलकत्ता में दिनांक 10-12-1979 पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए सहायक निर्माण सर्वेक्षण (सिविल) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० पी० माथुर का वेतन और भत्ते समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञापन सं० 10/24/ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 के अनुसार नियमित किए जाएंगे।

एस० रामास्वामी  
अपर मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी  
हुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए०-31014/1/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, निम्नलिखित अधिकारियों को 21 जनवरी, 1980 से इस निदेशालय में वरिष्ठ आर्टिस्ट के पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री उमेश वर्मा
2. श्री ए० के० मुखर्जी
3. श्री एस० वी० घोरपाड़े
4. श्री रामकिशोर यादव
5. श्री समर दत्तागुप्त
6. श्री सुब्रत दास
7. श्री एच० एन० भट्टाचार्य
8. श्री एन० बी० पनिकर

दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० ए०-12025/1/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री हरदीप सिंह को सीनियर आर्टिस्ट के



पर अस्थायी रूप से 28 जनवरी, 1980 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19012/12/79-स्टोर-1—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर (सहायक डिपो मैनेजर) श्री एन० एल० शाली ने 29 नवम्बर, 1979 अपराह्न को (30 तारीख को छुट्टी का दिन होने के कारण) सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, बम्बई से सेवा निवृत्त हो गये।

दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/4/79-भण्डार-1—इस निदेशालय की दिनांक 21 जुलाई, 1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32014/4/79-भण्डार-1 में उल्लिखित आदेशों के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, कलकत्ता के आफिस सुपरिन्टेन्डेंट श्री के० डी० लाहिरी को 19 दिसम्बर, 1979 अपराह्न से आगे और छः महीने की अवधि के लिये अथवा जबतक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो उसी डिपो में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० ए० 19019/39/77-के० स्वा० से०-I—डा० आर० के० मिश्रा ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप 22 जून, 1979 अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ के अधीन होम्योपैथिक फिजिशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 23 जून, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर के अधीन होम्योपैथिक फिजिशियन के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ए० 12023/1/79-के० स० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अनुभाग अधिकारी श्री पी० के० घई ने 27 दिसम्बर, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एन० घोष  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० ए० 22013/1/79-प्रशासन-I (भाग-2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री ए० डी० शर्मा सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1979 अपराह्न को सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन (सं० एवं प०)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय,

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० 5-65/79-स्थापना-I—सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) के पद पर श्री एन० शिवारामा कृष्णन् की तदर्थ नियुक्ति 1 मार्च, 1979 से आगे 29 फरवरी, 1980 तक बनी रही।

बद्रीनाथ चड्ढा  
निदेशक प्रशासन

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

(बाद्य विभाग)

कानपुर, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० प्रशा० 19(6)—श्री एस० के० गुप्ता, ज्येष्ठ तकनीकी सहायक की कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी (एस० टी०) के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 25-1-80 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न नियुक्ति की जाती है।

एन० ए० रामय्या  
निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 29 जनवरी 1980

क्र० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(166)/80-एस०/1096—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना, के मुख्य परियोजना अभियंता, केन्द्रीय समूह, विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के स्थायी सहायक फोरमैन तथा राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री के० सी० तनेजा को नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 4 जनवरी,

1980 के पूर्वार्द्ध से अग्रिम आदेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं।

सुभाष चन्द्र जैन  
सहायक कार्मिक अधिकारी

जिनका अंतरण परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई के प्रधान लेखा कार्यालय को कर दिया गया है।

के० पी० जोसफ  
प्रशासन अधिकारी

#### क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 4 जनवरी 1980

सं० डी० पी० एम०/2/1(25)/77-प्रशा०/137—  
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, परमाणु ऊर्जा विभाग के अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री पी० एस० राव को 30 नवम्बर, 1979 से अगले आदेश तक के लिये क्रय और भंडार निदेशालय के कोटा क्षेत्रीय लेखा यूनिट में रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न लेखा अधिकारी II नियुक्त करने हैं। यह नियुक्ति श्री सी० के० राघवन, लेखा अधिकारी-II के स्थान पर की गई है

#### राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० रापविप/04627/1(468)/प्रशा०/स्थ०/6802—

विद्युत् परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के एक स्थायी सहायक फोरमैन तथा इस परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री के० सी० तनेजा ने नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना डाक०—नरौरा जिला बुलन्दशहर (उ० प्र०) में स्थानान्तरित होने के परिणामस्वरूप 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्न से इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

#### अंतरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-560058, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 020/3(061)/पी०/80—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के भामने दिये गए पदों पर और तारीखों के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में पदोन्नति करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	पद और ग्रेड जिससे पदोन्नति	पद और ग्रेड जिसमें पदोन्नति	तारीख
सर्वश्री				
1.	ए० शिवलिंगैया	वैज्ञानिक सहायक सी०	अभियंता एम० बी०	1-10-1979
2.	एस० बी० के० शर्मा	"	"	"
3.	आर० सी० महाजन	"	"	"
4.	एम० एस० नागराज	"	"	"
5.	वी० सी० मारीमुत्त	"	"	"

एस० सुब्रह्मण्यम  
प्रशासन अधिकारी II

#### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० 32014/2/79-ई० ए०—श्री एच० वी० राय, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, कलकत्ता एयरपोर्ट, बमबम, को दिनांक प्रथम जनवरी, 1980 से विमान क्षेत्र सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

विश्व विनोद जौहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

10/79-ई०-1 के क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के स्थाई लेखाकार, श्री एस० आर० भाटिया की नागर विमानन विभाग में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 20-10-79 से 14 दिन के लिए श्री पी० आर० लोरोइया के स्थान पर और दिनांक 3-11-79 से 17-12-79 तक 45 दिन की अवधि के लिये श्री एस० सी० भाटिया के स्थान पर जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

चित्तरंजन कुमार वर्मा  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० ए० 32013/10/79-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 19-9-1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/

#### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमा शुल्क समाहर्तालय

मदुरई-625 002, दिनांक 28 जनवरी 1980

सं० 1/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक

रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से अधीक्षक ग्रुप 'बी' के पद पर उनकी नियुक्ति की गई। अधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किए गये स्थान तथा तारीख उनके नाम के सामने दिखाए गए अनुसार:—

क्र०सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
1.	ओ० कृपा राव	सीमा-शुल्क (निवारक) चिदंबरम, कडलूर प्रभाग	12-10-79
2.	सी० बालकृष्णन्	प्रभागीय कार्यालय रामनाथपुरम	30-10-79
3.	ई० पी० रोलन्ड	मुख्यालय, मदुरई	15-12-79
4.	के० कृष्ण मुरारी	नगर-एम० ओ० आर०, मदुरई-प्रभाग	22-12-79
5.	एस० गुरुसामी	वेंकटाचलपुरम-एम० ओ० आर०-सातूर, शिव-काशी प्रभाग	28-12-79
6.	वी० के० शेखरन	सीमा-शुल्क सर्किल रामेश्वरम्	28-12-79
7.	एस० गुरुवय्या	विरुधुनगर एम० ओ० आर०, शिव-काशी, प्रभाग।	31-12-79

1	2	3	4
8.	एम० एम० वेलु	आरुमुगनेरी एम० ओ० आर० तिरु-नेलवेली प्रभाग	31-12-79
9.	ए० विश्वनाथन	मुख्यालय, मदुरई	2-1-80
10.	आर० गणेशन	सीमा-शुल्क (निवारक) टूटीकोरीन	7-1-80
11.	एन० आनवार	सातूर-एम० ओ० आर०-1 शिवकाशी प्रभाग	9-1-80
12.	टी० मुत्तय्या	मुख्यालय, मदुरई	9-1-80
13.	ए० एन० धनसिंह	राजपालयम-एम० ओ० आर० शिव-काशी प्रभाग	12-1-80
14.	एम० पूसामी	सीमा-शुल्क सर्किल रामेश्वरम्	19-1-80

सं० 2/80—कुमारी डी० निल्ली, कार्यालय अधीक्षक, उपसमाहर्ता कार्यालय, कोयम्बतूर, मद्रास समाहर्तालय, को अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उनकी नियुक्ति की गई। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के तिरुत्तलवेली प्रभाग में ता० 26-11-1979 को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया।

आर० जयरामन  
समाहर्ता

मद्रास-600034, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० IV/16/384/78 सी० एम्स० एड्ज०-II—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (सातवां संशोधन) नियमावली, 1976 के नियम 232-क के उपनियम (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि दिनांक 21-2-1976 से प्रभावी है, यह घोषित किया जाता है कि उपनियम (2) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम, 1944 की धारा 9 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा दीयी ठहरी गयी व्यक्तियों और उन व्यक्तियों के नाम पते व अन्य विवरण जिन पर पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा 10,000.00 रुपये या उससे अधिक की शास्ति अधिरोपित की गई है नीचे दिये जाते हैं:—

क्र० सं	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के उल्लंघित उपबंध	अधिरोपित शास्ति की राशि
1	2	3	4	5
1	श्री जनार्दन और श्री वेलुसामी	डी० न० 115-बैस्ट वित्त्या-कर, कायल स्ट्रीट, कोयम्बतूर (उपयम्पालयम)	भारतीय दण्ड संहिता 1860 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क की धारा 259 और 260 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पादन	(1) (खख) (11) के

1	2	3	4	5
			शुल्क नियमावली 1944 के नियम, 65, 174 और 231	अंतर्गत प्रत्येक को दोषी ठहराया गया और 200 रु० जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई, ऐसा न करने पर 2 महीने का कठोर कारावास और प्रत्येक को प्रत्येक भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत 400 रु० जुर्माना अदा करने की सजा, ऐसा न करने पर 2 महीने का कठोर कारावास और न्यायालय का समय समाप्त हो जाने (ऐ० दि० आर० सी०) तक कारावास की सजा सुनायी गयी है।
2.	श्रीमती पप्पामल, और श्री एस० पी० तट-राजन, (लाइसेन्सी का पावर एजेंट)	एल० 5 सं० 38/77, गोबि-पलायम पोस्ट, गोब्री तालुक	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 144, 151-ग और 223 (1) और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 (1) (ख) और 9(1) (ख) 1	दोनों मुलजिमों को दोषी ठहराया गया और प्रत्येक को 200 रु० जुर्माना अदा करने या 2 महीने के कठोर कारावास की सजा सुनाई।
3.	श्री सी० वेंकटबालम	एल० 5 सं० 19/68, दासम्पलायम, पुलियमपट्टी, जिला पेरियार	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 151 (ग) और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और नमक अधिनियम 1944 की धारा 9(1) (ख) और 9(1) (ख ख)	छः महीने के कठोर कारावास की सजा।
4.	1. साधियामूर्थी 2. टी० परमेश्वरम (शिवम एण्ड कंपनी के भागीदार) 3. शिवम एण्ड कंपनी 4. ए० धन्नावेलु (एल० 2 सं० 125/74)	शिवम एण्ड कंपनी बीडी फैक्टरी 13, सुब्रामनिया-स्वामी, कोयल स्ट्रीट, वेलोर एल० 2 सं० 125/74 डी० सं० 25, आरुमुगामुडलियार स्ट्रीट, सलवानपेट्ट, वेलुर।	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 9 (2), "52 क (5), 226 और 40—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम, 1944 की धारा 9 (1) (ख 3) और 9(1) (खख)	चारों मुलजिमों को प्रत्येक अभियोग के लिये 100 रु० (अर्थात् प्रत्येक को 200 रु०) जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई।

पटना, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० II(7)2-स्था०/79/695—इस कार्यालय ने स्थापना आदेश सं० 358/78 दिनांक 28/12/78, 48/79 दिनांक 31-1-79, 76/79 दिनांक 17-2-79, 300/79 दिनांक 1-9-79 और 381/79 दिनांक 24-12-79 के अनुसार निम्नलिखित निरीक्षकों को रु० 650-30-740 35-810-द रु०-35-880-40-1000-द रु०-40-1200- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के मन्त्रित बेतनमान पर स्थानापन्न अधीक्षक, समूह 'बी' केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क के रूप में प्रोन्नत किया गया। उपर्युक्त आदेशों के अनुमरण में उनके नाम के सामने दिखाये गये स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

क्र० सं०	नाम	जहाँ पदस्थापित किये गये	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
----------	-----	-------------------------	-----------------------------

1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	कन्हैया सिंह	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद (निवारण) पटना।	26-2-79 (पूर्वाह्न)
2.	राम रत्न मिन्हा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद कल्याणपुर रेंज।	2-4-79 (पूर्वाह्न)
3.	धर्मनाथ प्रसाद	अधीक्षक, सीमा शुल्क, जयनगर	6-3-79 (पूर्वाह्न)
4.	बालदेव प्रसाद नं० 2	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, लालगज, रेंज।	27-2-79 (पूर्वाह्न)
5.	कै०पी० श्रीधरी	अधीक्षक (छट्टी रिजर्व), केन्द्रीय उत्पाद, जमशेदपुर	23-3-79 (पूर्वाह्न)
6.	ताराकान्त झा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद करनपुरा (एस० आर० पी०)	4-6-79 (पूर्वाह्न)
7.	दिनेश झा	अधीक्षक, सीमा शुल्क, निर्मली	8-3-79 (पूर्वाह्न)
8.	जार्ज विक्टर जे० एक्का	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, समस्तीपुर	9-3-79 (पूर्वाह्न)
9.	विक्टर केलीस्टिन टोपनो	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, हाजीपुर रेंज।	19-3-79 (पूर्वाह्न)
10.	चन्द्र नाथ भगत	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, ताजपुर रेंज।	30-3-79 (पूर्वाह्न)
11.	हारिका प्रसाद नं० 1	अधीक्षक, सीमा शुल्क, फारविसगज	25-9-79 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
12.	मी० एच० बाम्की	अधीक्षक, सीमा शुल्क, अररिया	26-9-79 (पूर्वाह्न)
13.	रामेश्वर प्रसाद	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, जमशेदपुर	17-10-79 (पूर्वाह्न)
14.	महादेव लाल	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, गया	17-9-79 (पूर्वाह्न)
15.	गम्भीर दाम	अधीक्षक, सीमा शुल्क, बीरपुर	31-12-79 (पूर्वाह्न)

एस० ए० गोबिन्दराज  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 30 जनवरी 1980

सं० 25-प्रशा०(2)/79—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री ए० कन्नन को तारीख 20-12-1979 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नौवहन महानिदेशालय, बम्बई में अस्थायी तौर पर नौवहन सहायक महानिदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० के० पवार  
नौवहन उप महानिदेशक

बम्बई-400 001, दिनांक 1 फरवरी 1980

सं० 56-एम० व्ही०(1)/79—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर नौवहन महानिदेशक एतद्वारा श्री पी० राधाकृष्णन, अधीक्षक, प्र० पो० "राजेन्द्र", को 13 दिसम्बर, 1979 से अस्थायी तौर पर क्षेत्रीय अधिकाणी (पाल) जामनगर के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० एम० ओचाणी  
नौवहन उप महानिदेशक

बम्बई-400 001, दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० 11-टी० आर० (4)/73—गरीब इंजीनियरिंग प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में कार्यशाला पर्यवेक्षक श्री के० राजमनी ने, उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप, अपने पद का कार्यभार तारीख 22 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से छोड़ दिया है।

सं० 11-टी० आर० (2)/78—मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में व्यवहारिक विज्ञान के प्राध्यापक, श्री जियाउद्दीन ने, उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के परिणाम स्वरूप, अपने पद का कार्यभार तारीख 30 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से छोड़ दिया है।

के० एस० सिधू,  
नौवहन उप महानिदेशक

## निर्माण महानिदेशालय

## केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 1980

सं० 23/2/77-ई० सी० II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी प्रत्येक के आगे लिखी तारीखों से बाध्यता की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

क्र० सं०	नाम और पद	सेवा निवृत्ति की तारीख	वर्तमान पदनाम
1.	श्री सी० डी० धर्माणी, अधीक्षक इंजीनियरिंग (सिविल)	30-11-79 दोपहर बाद	अधीक्षक इंजीनियर, दिल्ली केन्द्रीय परिमण्डल सं० 5, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
2.	श्री एन० एन० चोपड़ा, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	30-11-79 दोपहर बाद	दीन दयाल उपाध्याय हस्पताल प्रोजेक्ट (दिल्ली प्रशासन), नई दिल्ली
3.	श्री कुलवन्त सिंह, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	31-12-79 (दोपहर बाद)	संयुक्त निदेशक (अभिकल्पन) राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन, नई दिल्ली
4.	श्री राधे लाल, कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन)	31-12-79 दोपहर बाद	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) आयकर विभाग, नागपुर।
5.	श्री बी० के० किशनानी, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	31-12-79 दोपहर बाद	कार्यपालक इंजीनियर, मेन्टेनेन्स और नौमिस मण्डल के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।
6.	श्री ए० के० मजुमदार, कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन)	31-12-79	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) आयकर विभाग, कलकत्ता।
7.	श्री यू० सी० सुद, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	31-12-1979 दोपहर बाद	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) राम मनोहर लोहिया हस्पताल मण्डल के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली।

## 2. एफ० आर० 56 (जे०) के अन्तर्गत अनिवार्य सेवा निवृत्ति

श्री आर० आर० सिंह, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के० लो० नि० वि० संख्या 11 (दिल्ली प्रशासन), नई दिल्ली 30-11-1979 दोपहर बाद को आवास तथा निर्माण मंत्रालय के आदेश सं० सी० 13011/5/76-ए० बी० III दिनांक 22-11-1979 के अन्तर्गत अनिवार्य सेवा-निवृत्त किया गया है।

## 3. एफ० आर० 56 (के०) के अन्तर्गत अनिवार्य सेवा निवृत्ति

श्री जे० पी० जैन, कार्यपालक इंजीनियर, (सिविल) जो कि निर्माण सर्वेक्षक के रूप में कार्यपालक अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (खाद्य), के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली में काम कर रहे थे स्वेच्छा से एफ० आर० 56 (के०) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से 31-12-1979 (दोपहर बाद) निवृत्त हुए हैं।

एस० एस० पी० राव  
प्रशासन उप-निदेशक  
कले महानिदेशालय (निर्माण)

बिधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी बिधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कलममिया ग्राफोफोन  
कं० अब इण्डिया प्राइवेट लि० के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1980

सं० 14345/560(2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कलममिया ग्राफोफोन कं० अब इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
(पश्चिम बंगाल)

कम्पनी अधिनियम 1956 और "ए० के० वि० चिट  
फंड एंड फैनान्स प्राइवेट लि०" के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 1 फरवरी 1980

सं० 85/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर "ए० के० वि० चिट फंड एंड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायण  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स फेबरीट पैकेजिंग  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1980

सं० 560/2195—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स फेबरीट पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडल पंजीयक  
गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कार्यालय आयकर आयुक्त,  
(संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी)

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1980

आवेश

स्थाना—केन्द्रीय सेवायें—ग्रुप "बी"—राजपत्रित—  
आयकर अधिकारी—पदोन्नति—स्थानान्तरण एवं पद-  
स्थापन (पोस्टिंग)

सं० 72—निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों की स्थानापन्न आयकर अधिकारी "ग्रुप "बी" के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द रु०-880-40-1000-द रु०-40-1200 के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से और अग्रिम आदेशों तक नियुक्त किया जाता है। यदि यह पाया गया कि उनकी यह नियुक्तियाँ, विद्यमान रिक्तियों से अधिक हैं, तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे। पदोन्नति पर उनकी सेवायें उनके मामले उल्लिखित आयकर आयुक्त के अधीन रखी जाती हैं।

क्र० सं० कर्मचारी का नाम	आयकर आयुक्त जिसके अधीन सेवायें रखी गई हैं
1. श्री आर० पी० सक्सेना, मेरठ	मेरठ
2. श्री एस० एन० कपूर, आगरा	आगरा

31 जनवरी, 1980 को अवराह्म श्री टी० बी० बजाज, आयकर अधिकारी के सेवानिवृत्ति होने एवं श्री धर्म प्रकाश, आयकर अधिकारी के स्वेच्छा सेवानिवृत्ति होने के फलस्वरूप होने वाली रिक्तियों पर उक्त कर्मचारी 1 फरवरी, 1980 को या उसके बाद कार्यभार ग्रहण करेंगे।

बी० गुप्ता  
आयकर आयुक्त  
[(संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी),  
कानपुर]

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1980

क्र० सं० जूरि०-दिल्ली-2/78-79/42020—  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में

में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

अनुसूची

रैंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रैंज 2-ए, नई दिल्ली	कम्पनी सर्किल—5, 9 और 17, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रैंज 2-सी तथा सम्पदा शुल्क, नै० दि०	1. कम्पनी सर्किल—6, 8 और 11 नई दिल्ली 2. क. संपदा शुल्क तथा आयकर सर्किल नं० दि० ख. अतिरिक्त संपदा-शुल्क तथा आयकर सर्किल नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 1-2-1980 से लागू होगी।

के० आर० राधवन  
आयकर आयुक्त,  
दिल्ली-2, नई दिल्ली

बम्बई-400020, दिनांक 5 दिसम्बर 1979  
सं० 1122- नीचे लिखे अधिकारियों को एतद्वारा आयकर अधिकारी, श्रेणी-ख के मौलिक पदों पर 1-12-79 से लगाकर नियुक्त किया जाता है।

सर्वश्री

1. जी० बी० दासबानी
2. एन० ए० काजी
3. जे० आर० कर्णकर
4. पी० के० कल्याण (अ० जा०)
5. श्रीमती एम० बी० बोडबिकर
6. सी० जी० नायर

ह०/-

(कमल कृष्ण)  
आयकर आयुक्त,  
बम्बई नगर-7,  
बंबई।

ह०/-

(जी० ए० जेम्स)  
आयकर आयुक्त,  
बंबई नगर-10,  
बंबई।

ह०/-

(एन त्यागराजन)  
आयकर आयुक्त,  
बंबई नगर-4,  
बंबई।

ह०/-

(डी० एन० चौधरी)  
आयकर आयुक्त,  
बंबई नगर-9,  
बंबई।

ह०/-

(एस० बाई० गुप्ते)  
आयकर आयुक्त,  
बंबई नगर-11,  
बम्बई।



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I,

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/2-80/993--  
अतः मुझे जी० सी० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० बेसमेंट नं० 3 (बेसमेंट फ्लोर) है तथा  
जो कमर्शियल कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित  
है और इसमें उदाहरण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)।  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) 'अधीन' मई, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० बिल्डर्स 21-22 नरिन्द्रा  
पैनेस, पार्लिमेन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली (अन्तरक)
2. मै० वेंकटनन गूज, आंध्रा बैंक बिल्डिंग अजमन खां  
रोड करान बाग नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बेसमेंट नं० 3 (बेसमेंट फ्लोर) कमर्शियल कम्प्लेक्स,  
ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली एरिया 1649.11 वर्ग फुट।

जी० सी० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-2-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 2 फरवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/—I/2—80/992—

अतः मुझे जी० सी० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-II/58 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन मई 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लछमन दाम जी-II/58, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 (अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह 4/33 जंगपुरा एकपट्टेशन नई दिल्ली-14 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोऽनाधरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) के अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संज्ञान नं० जी-II/58 जो प्लॉट क्षेत्रफल 100 वर्ग गज पर बना है, लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है।

जी० सी० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली 110002

तारीख : 2-2-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निवेष्ट सं० एल० सी० 365/79-80—अनः मुझे  
के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और उकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो आलुवाई में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलुवाई में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमति सी० सी० साधिवी (अन्तरक)

2. श्री टी० पी० सहम्मद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

20 cents of land with buildings in sy No : 521/11/2 of  
Ahwaye Village.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेज, एरणाकुलम,

तारीख : 3-12-1979

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजुन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15 दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एल० सी० 368/79-80—अतः मुझे के०  
नारायणा सेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कोल्लम में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में,  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 18-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसा किन्हीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति जी० गोमती<sup>1</sup> (अन्तरक)

2. श्री शिवराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रथ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

21½ Cents of land with buildings as per schedule attached  
to doc. No. 1951.

के० नारायणा सेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजुन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक 6-12-1979

मोहर :

प्राकृतिक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 375/79-80—अतः मुझे के० नारायणा मेनीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो ट्रिचूर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
3-466GI/79

1. श्री मम्मूटी (अन्तरक)

2. श्री एन० सुरेंद्रनाथन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

104 Cents of land with building as per schedule attached to doc. No : 2766/79.

के० नारायणा मेनीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 6-12-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 376/79-80—अतः मुझे  
के० नारायणा सेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो आलप्पी में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजकुमार राव (अन्तरक)
2. मेसर्स वालिमार केमिकल वर्क्स (प्रा०) लिमिटेड  
(बाई मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अकृतिनाथ भट्टाचार्य)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देश्यकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

हरशेकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

25½ Cents of land with buildings as per schedule attached  
to doc. No : 1570/79.

के० नारायणा सेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 6-12-197

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एन०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

1. (1) अध्ययन कुट्टि (2) कालम्मा (3) मालति  
(4) राधाकृष्णन (5) सुधा (अन्तरक)2. (1) सी० जे० जोसफ (2) जोर्ज (3) तोमण  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति।---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यवहोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० एल० सी० 377/79-80—प्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

4.750 Cents of land with buildings as per schedule attached to doe. No: 1982/79.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा:-

तारीख : 11-12-1979  
मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 382/79—80—अतः मुझे  
के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अन्कमाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्कमाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निश्चित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन् या अन्य प्राप्तिवों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धरता :—

1. श्रीमति तंजमा तथा 3 अन्य (अन्तरक)
2. श्री के० ओ० ग्रीसेफ तथा 4 अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेष्टाकारी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and buildings as per schedule attached to doc. No : 2260/79.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 11-12-1979

मोहर :



प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 383/79-80—अबः, मुझे, के०

नारायणा मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तिरुवनंतपुरम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से, वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शास्त-  
मंगलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन 3-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में विभिन्न  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० के० मुरलीधरन तपि (अन्तरक)
2. श्रीमती पी० भार्गवी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land with buildings as per doc. No : 1596/79.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 11-12-1979

मोहर :

जय श्री० टी० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 12 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 384/79-80—अतः, मुझे,  
के० नारायणा मेनोन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में  
स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणा-  
कुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 2-5-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,  
और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
परिणाम में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, विधानों  
में सुविधा के लिए।अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रत्नाम्मा (अन्तरक)

2. श्री अब्दुल कादर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्वकारी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

24.649 Cents of land with building as per schedule attached  
to doc. No : 1601/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-12-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एस० नीलाकण्डा अध्यक्ष (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति एस० राजममल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एल० सी० 385/79-80—अतः मुझे

के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में  
अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो तिरुवनंतपुरम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यलय  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान  
प्रतिफल से ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

9 Cents of land with buildings as per schedule attached to  
doc. No. 1505/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 31-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एल० सी० 386/79—80—अतः मुक्त  
के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तिरुवनंतपुरम  
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चालाम  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० कल्याणरामैयर (अन्तरक)

2. श्रीमति एस० राजम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 Cents of land with building as per schedule attached to  
doc. No : 1506/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 31-12-1979 ।  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कौचीन-15 विनांक 3 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 387/79—80—अतः मुझे  
के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो आलुवाय में  
स्थित है और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलुवाय में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 11-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रावित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1--

4-466GI/79

1. श्री अहम्मद कुट्टी (अन्तरक)
2. मेसर्स आसोपियेटेड बिसिनेस कम्पईन्स (बाय श्रीमति  
मेसी पोल) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No :  
2367/5-11-79.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज एरणाकुलम

तारीख 3-1-1980

मोहर:

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, एरणाकुलम

कोचिन-5, दिनांक 5 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 392/79-80—अतः मुझे  
के० नारायणा मेनोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो इरियाला-  
कुंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अधिकारी के कार्यालय इरियालाकुंडा में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए भरारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, नमूनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नंदन के० पियारोडी (अन्तरक)

2. श्री के० नारायणन कुट्टी (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्तिबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No.  
828/79.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-1-1980

मोहर :

अध्या 1—टी० एन० एस०—

1. श्रीमति राजममा अम्मा (अन्तरक)

भौतिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री एस० एस० तंकितरूपति नाडार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 7 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 388/79-80—अतः मुझे के०  
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के बिना;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्ध धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, या उन प्रमाण में  
दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No :  
2029.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 7-1-1980

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 8 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 382/79—80—अतः मुझे  
के० नरायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 23-5-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम क दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तःण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष में कमो  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमति राजम्मा अम्मा (अन्तरक)

2. श्री पी० शंकरानारायन (अन्तरिती)

को यह सूचना जाये करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेय :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

परामर्शपूर्ण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रकरण 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही प्रथम भाग, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No :  
2030.

के० नरायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 8 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 390/79—80—अतः मुझे  
के० नारायणा मेनोन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० के अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोल्लम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति राजम्मा अम्मा। (अन्तरक)

2. श्री एस० एस० टी० आर० एम० तंकतिरुपति नाडार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No :  
2032.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

तारीख : 8-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 8 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 391/79-80—अतः मुझे के०  
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोल्लम में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है ।--

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धार की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में,  
म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमति राजम्मा अम्मा (अन्तरक)
2. श्रीमति सौदामिनि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पण्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No :  
2072.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-1-1980 ।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 394/79-80—अतः मुझे,  
के० नारायणा मेनोन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिचूर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिचूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
2-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कबित नहीं  
किया गया है :--

- (ग) अन्तरण में हुई किसी प्राय की वारंश, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में मृच्छा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः--

1. श्रीमति शान्ता श्रीराम और अन्य । (अन्तरक)
2. श्री टी० जी० राजगोपाल और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन को प्रवधि, जो भी प्रवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध या  
अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्तावेजों के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No :  
2638.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एल० सी० 395/79-80—अतः मुझे, के० नारायणा मेनोन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो त्रिचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिचूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति यशोवर्मा (श्री गोपालकृष्णा मेनोन द्वारा व अन्य। (अन्तरक)

2. श्री टी० जी० राजगोपाल व अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धांधला :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

Land and building as per schedule attached to doc. No : 3109.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 9 जनवरी 1980

निवेश सं० एल० सी० 393/79-80—अतः मुझे, के० नारायणा मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कन्याकुलंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्याकुलंगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

S-466G1/79

1. श्री एन० शिवशंकरा पिल्लै । (अन्तरक)
2. श्रीमति लक्ष्मीकुट्टी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Property as per doc, No : 943/dt. 26-5-79.

के० नारायणा मेनोन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1979

फा० सं० आई० ए० सी० अर्जन/103/79-80—

अतः मुझे, एस० के० बिलय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 54, मकान नं० 83, पुराना बार्ड  
नं० 6 है तथा जो अकोला में स्थित है (और इससे उपाबध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अकोला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-5-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति विजयागौरी अम्बालाल बक्षरीया, खेतन-  
गल्ली, अकोला।

2. (1) श्री मंगनलाल भीमजीभाई पटेल, (2) श्री अतुल  
मंगनलाल पटेल, दोनों रहने वाले भाजी बाजार, अकोला  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 54, मकान नं० 83, पुराना बार्ड नं० 6,  
शीट नं० 39-ए किराणा बाजार, अकोला।

एस० के० बिलय्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 15-11-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 16 नवम्बर 1979

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/104/79-80—

अतः मुझे, एस० के० बिलम्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसका एस० नं० 5-9-83/1, सिटी सर्वे नं०  
19189, शीट नं० 163 है तथा जो औरंगाबाद में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी इन या अन्य प्राप्तिर्षी  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० एल० गणी, 12/276, हाउसिंग बोर्ड  
कालोनी, वाकोडा ब्रिज, शांताक्रुज, ईस्ट बॉम्बे-55।

(अन्तरक)

2. श्री आर० डी० मथकरी, कार्यपालक अभियंता,  
एम० एस० ई० बी०, सर्कल आफिस, यवतमाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० नं० 5-9-83/1, सिटी सर्वे नं० 19189, शीट  
नं० 163, उमाजी कालोनी, पद्मपुरा, औरंगाबाद।

एस० के० बिलम्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 16-11-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1979

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/105/79-80—प्रतः  
मुझे, एस० के० बिलय्या,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसका प्लॉट नं० 34 एम० नं० 5-10/3, सि० सं०  
नं० 19316 है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाध्वन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कबिब नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाविल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सुशीलाबाई परनी सुगंधराव पाटील, पदमपुरा,  
औरंगाबाद । (अन्तरक)

2. श्री जुल्फेकीर हुसैन पुत्र अब्दुल हुसैन, औरंगाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 34, सर्वे नं० 9, एम० नं० 5-10-3, सिटी  
सर्वे नं० 164, राजनगर पदमपुरा, औरंगाबाद ।

एस० के० बिलय्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 17-11-1979

मोहर :



प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 नवम्बर 1979

फा० सं० आई० ए० सी०/अर्जन/106/79-80—  
अतः मुझे एस० के० बिलय्या.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 157-ए० तथा 157 बी है तथा जो इतवारी, नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अन्दागी पांडुरंग अनंतवार, (सक्षमीकांत, धनंजय तथा मुकुंदा सबके पिता अन्नाजी अनंतकर (अन्तरक)

2. पांडुरंग जयराम अनंतकर सभी रहने वाले, सर्कल नं० 9/14, नागपुर

3. श्री दलपतलाल मोहनलाल मेहता, सर्कल नं० 8/13, नागपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 157-ए तथा 157 बी, सर्कल नं० 9/14, तथा जो इतवारी, नागपुर में स्थित है।

एस० के० बिलय्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 26-11-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एएसआर/79—80/279—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा शास्त्री नगर अमृतसर है तथा जो एस० आर० अमृतसर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार यह, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगत राम पुत्र भजन लाल 93 ग्रीन एवेन्यू अमृतसर।

2. श्री जुगल किशोर पुत्र श्री जय किशन दास 46 कनेडी एवेन्यू अमृतसर।

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 252 4 मीटर गज तुंगवाला पीछे शास्त्रीनगर अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 430/1 दिनांक 15-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-12-79

मोहर :

परूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एएसआर० 79-80/280—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० एक जमीन का टुकड़ा शास्त्री नगर अमृतसर में है तथा जो एम आर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति समन्त्री देवी पत्नी भगत राम 93 ग्रीन एवेन्यू प्रभूतसर यू श्री ओम प्रकाश जनरल एथार्टी।

(अन्तरक)

2. श्री जुगल किशोर पुत्र जय किशन आर/ओ 46 कनेडी एवेन्यू अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के सम्बन्ध में तो भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 255.4 इस्क्वायर मीटर तुंग-वाला पीछे शास्त्री नगर अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्री-कृत नं० 428/1 दिनांक 15-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 29-12-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 दिसम्बर 1979

निवेश सं० एएसआर/79—80/281—अतः मुझे एम० एल० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं एक जमीन का टुकड़ा शास्त्री नगर अमृतसर है तथा जो एम० आर० अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मधु अरुणा पत्नी बनवारी लाल 340  
शास्त्री मार्केट अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जुगल किशोर पुत्र जय किशन दास 46 कनेडी  
एवेन्यू अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
तो

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 190.2 मीटर गज तुंगवाला  
पोठे शास्त्री नगर अमृतसर में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
नं० 429/1 दिनांक 15-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर  
शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 29-12-1979

मोहर :

प्रकाश ६० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एएमआर/79—80/282—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 44, कनैडी एवेन्यू अमृतसर में है तथा जो एम आर० अमृतसर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

66—GI/78

1. श्री सीमा तथा कपूर पुत्र पंमारी मन आर/श्री 44 कनैडी एवेन्यू अमृतसर (अन्तरक)

2. सुनीता देवी पति राज कुमार, शोभा मदन पति अशोक कुमार ब्रिज मोहन, शाम सुन्दर प्रेम कुमार पुत्र किशोर चन्द बाजार टाहली माहिब अमृतसर (अन्तरिती)  
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति हो)

3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किराएदार हो तो।

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें दिलवसी रखता है।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 44 कनैडी एवेन्यू (रकबा 370 वर्ग गज) जैसा कि मेड डीड नं० 509/I 3-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएमआर/79-80/283—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट वसेन्धा सिंह रोड अमृतसर है  
तथा जो एम० आर० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार जैन पुत्र शिव भगवान आर/श्री  
घर नं० 1521/2 राम गली कटरा आलूवाल (अन्तरक)

2. श्री मुख्तार आम महिन्द्र कुमार जैन कमल अरोड़ा  
पत्नि श्री बख्शी राम मकान नं० 550 कटरा करम सिंह  
अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना तारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायदाद्वारा करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, या जो अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लॉट 2406 वर्ग गज दसोधा मिड रोड पर जैसा  
कि सेन डीड नं० 553/I दिनांक 25-5-1979 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रकरण धार्ई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० एएसआर/79—80/284—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 55/1 गली जेल वाली हाल  
गेट अमृतसर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1979  
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पुनर्दृष्ट प्रतिकल से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अमृतसर में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलेती राम दरबारी लाल पुत्रगण मस्तराम और  
श्रीम प्रकाश श्री हरबन्स लाल, गनपतराय, त्रिलोक चन्द पुत्र-  
गण चनन लाल गांव वेनकी तं० अजनाला जि० अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश पुत्र मिलखी राम कटरा बगिचा  
अमृतसर।  
(अन्तरिणी)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो  
तो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 55/1 रकबा, 408 मीटर गज रजिस्ट्रीकृत  
नं० 465/1 दिनांक 18-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर  
शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एल० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/285—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उद्देश्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या एक प्लॉट रसोधा सिंह रोड पर है  
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अमृतसर में तारीख मई 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्का प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधि में शाश्वत रूप से प्रतिष्ठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोम नाथ पुत्र शामधन मल आर/ओ कोठी नं०  
95 वयानन्द नगर अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती धन्नी देई पतनी सीता राम आर/ओ दसोन्धा  
सिंह रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 218.85 सुकेयर मीटर्स दसोन्धा सिंह रोड  
पर जैसा कि सेल डीड नं० 616/31-5-79 जैसा कि  
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर०/79-80/286—अतः मुझे  
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक० कोठी कटरा खजाना में है तथा  
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हीरा लाल कपूर पुत्र वीरमल कपूर वासी नई सड़क  
कटरा खजाना अमृतसर राही रोशन लाल पुत्र हरनाम दास  
वासी टून्डा तालाब अमृतसर मुखतारआम। (अन्तरक)

2. श्रीमति प्रीतम देई बिधवा कस्तूरी लाल आर/ओ०  
23-बिवाला रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में और कोई किराएदार।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता हो  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंध के संबंध में कोई भी बात :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्लिंग नं० 68/9 कटरा खजाना में (1/3 हिस्सा)  
जैसा कि सेल डीज नं० 604/I दिनांक 31-5-1979 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/287—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग कटरा खजाना में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एनो कियो प्राय या कियो अत्र या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हीरा लाल पुत्र वीरू मलवासी नई सड़क कटरा खजाना अमृतसर, राही रोशन लाल पुत्र हरनाम दास वासी टूंडा तलाब अमृतसर (मुखतार आम) (अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन लाल सुरन्दि पाल पुत्र परस राम, रजिन्वर पाल हकूमत राए पुत्र सुदर्शन लाल निवासी खापर-खेरी तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में पर और कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 68/9 कटरा खजाना में (1/3 हिस्सा) जैसा कि सेल डीड नं० 584/I दिनांक 28-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० एसआर/79-80/288—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी कटरा खजाना में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हीरा लाल कपूर पुत्र वीरू मल वासी नई सड़क कटरा खजाना अमृतसर राही रोशन लाल पुत्र हरनाम दास वासी टूंडा तलाब अमृतसर (मुखार ग्राम) (अन्तरक)

2. श्रीमति माया देवी सुपुत्री घनी राम निवासी पुरानी लकड़ मंडी अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक कोठी नं० 68/9 कटरा खजाना अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 586 दिनांक 29-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रमाण पत्र टी० एन० एन०-----

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश नं० एसआर/79-80/287—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिमका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि नौशहरा ढाला है तथा जो तरन  
तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए पंन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती  
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण निम्नलिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग कर देने के पन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किताब या अन्य पदार्थों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गूजर सिंह, गजन सिंह पुत्र मेहर सिंह वासी  
बहुल तरन तारन (अन्तरक)

2. श्री मुखतार सिंह पुत्र सन्तोख सिंह वासी ठरुतहसील तारन  
तारन (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर है और कोई किराएदार।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त पंप्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 80 कनाल—2 मरला गांव नौशहरा ढाला तहसील  
अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 201/9-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी  
तरन तारन में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 15-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० ए एस आर/79-80/290—अतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि झबाल मैनन है तथा जो  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
झबाल कलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-465GI/79

1. श्री हीरा सिंह पुत्र लाभ सिंह और सुरजीत सिंह  
गुरमीत सिंह पुत्र उमराधो सिंह वासी झबाल मैनन  
(अन्तरक)

2. श्री मनपरीत सिंह पुत्र सलविन्द्र सिंह वासी झबाल  
मैनन (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रुची रखता है  
(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 40 कनाल 1 मरला गांव झबाल मैनन जैसा कि  
सेल डीड नं० 202 दिनांक 9-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी झबाल  
कलां में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक: 15-1-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेश सं० एसआर/79-80/291—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० गोडाउन तरन तारन तथा जो अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरनतारन  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख मई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन चन्द राम चन्द सपुल्ल श्री बिशन दास  
निवासी तरन तारन । (अन्तरक)

2. श्री हरीश कुमार पुत्र बिहारी लाल निवासी जोशी  
कालोनी, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर यदि कोई किराएदार  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रूची रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक गोडाउन नं० 289/636 और 269/569 तरन  
तारन में जैसा कि सेल डीड 1278 दिनांक 25-5-1979  
रजिस्ट्री अधिकारी तरनतारन में ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्रकट प्राई० डी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश नं० एसआर०/79-80/292—अतः मुझे एम०

एल० महाजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव जोनीके में है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रग्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तिओं को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री गुरुचरन सिंह पुत्र जगीर / सिंह निवासी गांव जोनीके तहसील तरन तारन । (अन्तरक)

2. श्री दरशन सिंह बगैरा पुत्रगन सुरजन सिंह निवासी गांव जोनीके (तरन तारन) । (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 है और कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति रूची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, ज भी अवधि बाव में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 39—8 मरला गांव जोनीके तहसील तरन तारन जैसा कि सेल डीड नं० 1379 दिनांक 28-5-1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन में ।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/293—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एक कोठी कटरा शेर सिंह अमृतसर  
है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(i) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेद प्रकाश पुत्र हंस राज कटरा शेर सिंह,  
अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री प्रीतम कौर पत्नी हरदेव सिंह 346 नीव जवाहर  
नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 से है यदि कोई किरायेदार हो ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो  
तो ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्विकीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक कोठी 1/3 भाग नं० 2089 से 2091 और 1501  
से 1505/12-11 पुराना नं० 2112, 2113/12 कटरा  
शेर सिंह अमृतसर में है जसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 8561  
दिनांक 16-6-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

सोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/179-80/294—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक सकान नं० 2089 से 2091, 1501 और 1505/ पुराना नं० 2112 और 2112, 2113 112 कटरा शेर सिंह है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उप पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी पाप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद व किस धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भाग मल पुत्र हंस राज कटरा शेर सिंह, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र हरदेव सिंह 346 नीव जवाहर नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करे। पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमीनदाखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान 1/3 भाग नं० 2089/ और 2091 और 1501/1505/12—11 पुराना 2112/2113 कटरा शेर सिंह में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 529 दिनांक 24-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एएसआर/79-80/293—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक बुकान 39/आई० हाल बाजार, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ) अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह और सुरिन्द्र सिंह पुत्र इन्द्र सिंह निवासी इन्द्र निवास माल रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. मैसर्स पंजाब कैमिकल बायोलोजिकल अर्जेंसी हास बाजार अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति जिन के बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बुकान नं० 39/आई० एमसीए, हाल बाजार है (रकबा 72 स्क० फीट) जैसा कि सेल डीड नं० 320/आई० दिनांक 4-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 11-1-1980  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/70-80/296—प्रतः मुझे एम०  
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० एक प्लॉट बसंत एवेन्यू, अमृतसर है तथा  
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकूल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कमी करने या उल्टे करने में सुविधा के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में,  
जो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रवी मोहन पुत्र मुख राज नयी सड़क निवासी  
मकबूल रोड राही श्री एम एल मिगला, मबजज अमृतसर  
(अन्तरक)

2. श्री दिवान सिंह, भुपिन्दर सिंह पुत्र जीवन सिंह  
निवासी कपूर रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में और कोई किराएदार  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट 1760 स्क्० फीट बसंत एवेन्यू अमृतसर जैसा  
कि सेल डीड नं० 401 दिनांक 14-5-1979 रजिस्ट्री अधि-  
कारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन  
मक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर)

दिनांक : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० ए०एम० आर०/79-80/297—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3मरा हिस्सा मकान नं० 2568/3 कटरा आलूवाला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुगृही में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फकीर चन्द्र पुत्र रामेश्वर दास निवासी मोगा मुखतार ग्राम श्री भगत राम पुत्र श्री रामेश्वर दास निवासी मोगा ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति ललिता पी० गोंदस्का पति श्री प्रशोत्तम लाल वासी माल रोड सामने निरमल स्वामी आश्रम, अमृतसर ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुची रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

1/3 हिस्सा दुकान नं० 2568/3 कटरा आलूवाला बाजार वीका नैरीयां जैसा कि सेन डीड नं० 486/आई 21-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर)

दिनांक : 11-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निवेदन सं० ए० एस० आर०/79—80/298—अतः मुझे

एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा दुकान नं० 2568 कटरा आलूवाला बाजार बोकानेरियां अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन तारीख मई 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, 7 से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

8—466GI/78

1. श्री बनवारी लाल पुत्र किशोर नाथ वासी मोगा राहों ब्रह्मनन्द पुत्र बनारसी राय वासी कटरा आलूवाला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमति ललिता पी० गोईन्का पुत्री प्रशोत्तम लाल कटरा आलूवाला हाल माल रोड, निरमल स्वामी आश्रम अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति ममें रुची रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

1/3 भाग दुकान नं० 2568 कटरा आलूवाला बाजार बोकानेरियां अमृतसर जैसा कि सेल डीज नं० 498/आई० दिनांक 22-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक: 11-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० ए०एस०आर/79-80/299—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 हिस्सा दुकान नं० 2568 फटरा आलूवाला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (आ० इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रजदत्त पुत्र जनार्मी दाम बामी फटरा आलूवाला अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्रीमति ललिता पी० गोईंका पति प्रशोतम लाल वासी माल रोड, निरमल स्वामी आश्रम अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैमा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रूची रखता है ।

(वह व्यक्ति इनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग दुकान नं० 2568 फटरा आलूवाला बाजार बीकानेरियाँ अमृतसर जैमा कि मेज़ डी नं० 499/1 दिनांक 22-5-1979 का रजिस्ट्री अधिनियम अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रंज अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर .

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/300—अतः मुझे एम०  
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक घर कोट भक्त सिंह है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाय अग्रसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया जा सकता है किन्तु बाजार उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति को भारत उक्त अधिनियम के प्रयोग पर देने के अन्तरण के बाधित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी प्राप्ति या किसी प्राप्ति या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरदीप सिंह पुत्र गुरबचन सिंह वासी कोट भक्त सिंह अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री अरगन्तन सिंह पुत्र पूरण सिंह घर नं० 2457 गली नं० 3, कोट भक्त सिंह अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति न अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक घर नं० 2457 कोट भक्त सिंह जैसा कि सेल डीड नं० 468/आई दिनांक 18-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख: 15-2-1980  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79—80/301—अतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक घर कोट भक्त सिंह में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति कृष्ण कौर पति गुरवचन सिंह वासी कोट भक्त सिंह, अमृतसरी । (अन्तरक)

2. अरगन्जन सिंह पुत्र पूरन सिंह वासी घर नं० 2457 गली नं० 3, कोट भक्त सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में अपनी रची रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति के हितबद्ध)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दि० की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक घर नं० 2457 कोट भक्त सिंह, अमृतसर जोकि सेल डीड नं० 972/आई० दिनांक 27-6-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/302—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमेश कुमार पुत्र केशव देव गनेरीवाला, बिल्डिंग रोड बानवरा रोडशान्ता कृज बाम्बे आल्लिता गोइंका पत्नी प्रसोत्तम कृष्ण गोइंका वासी राधा स्वामी रोड अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती रमेश कपूर पत्नी जगवीर चन्द कपूर ठाब कटिका अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यवि कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिधोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रूची रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 250 वर्ग गज राधा स्वामी रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 318 दिनांक 25-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-1-1980

मोहर:

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसआर/79-80/303—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि प्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्त में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति ललिता देवी गोइंका पत्नी परशोत्तम कृष्ण गोइंका, माल रोड अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रमेश कपूर पत्नी अगदीश चन्द्र कपूर डाब कटिका अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 250 वर्ग मीटर राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 319 आई दिनांक 5-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 9-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/304—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड  
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में लगी करने या उतने बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उमेश कुमार पुत्र केशव देव गनेरीवाला सरो  
बिल्डिंग रोड बिन्दीरोड शान्ता क्रूज बाम्बे थू श्रीमति ललीता  
गोइंका पत्नी परसोत्तम कृष्ण गोइंका मान रोड अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति सुनीता पत्नी प्रकाश कुमार, श्रीमति प्रोमिला  
पत्नी रमेश कुमार, छाव कटिका अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में संपत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी ज्ञानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्वये 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 208½ मीटर राधा स्वामी  
रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 369/आई० दिनांक  
9-5-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 9-1-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 जनवरी 1980

निवेश सं एएसआर/79-80/305—अतः मुझे एम० एल०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा राधा स्वामी रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाशिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात्—

1. श्रीमति ललिता गोहंका पत्नी परसोत्तम कृष्ण गोहंका माल रोड अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमति स्वर्ण कपूर पत्नी जगदीश चन्द, ढाब कटिका मार्फत मेहता स्कूल अमृतसर (अन्तरितों)

3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा 208½ स्क्वायर मीटर राधा स्वामी रोड अमृतसर में है। रजिस्ट्रीकृत नं० 368 दिनांक 4-5-1979 को रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-1-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/306—अतः मुझे एम०.

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी रेस कोर्स रोड पर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-466 GI/79

1. श्रीमती मान कौर बाबा बिडो मानक सिंह वासी दसोधा सिंह रोड अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री दीया सिंह, प्रबजीत सिंह पुत्रान धनिया सिंह वासी गांव ठठ गढ़ तरन तारन। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोटी नं० 2 रेस कोर्स रोड (एरिया 837 वर्ग गज) जैसा कि सेल डीड नं० 449/आई० दिनांक 2-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 11-1-1980

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० ए एस आर/79-80/207—अतः मुझे  
एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० एक गोडाउन तरन तारन पर है तथा जो  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये धस्तरे पर गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धस्तरकों) और धस्तरिती  
(धस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त धस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के धस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन चन्द, राम चन्द पुत्र स्वर्गीय विमल दास  
वासी तरन तारन। (अन्तरक)

2. श्रीमती नन्द रानी विधवा स्वर्गीय श्रीकार नाथ वासी  
कटड़ भाई सन्त सिंह अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है और कोई किराएदार हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस रूची सम्पत्ति में रखता हो तो  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक गोडाउन नं० 289/636 और 269/569 तरन  
तारन में जैसा कि सेल डीड नं० 1280 दिनांक/2/5/79 जैसा  
कि रजिस्ट्री अधिकारी तरन तारन में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980

मोहर :

प्रारूप धार्द० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/308—अतः मुझे एम० एल० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव रख चीता में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के सम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाहिर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्रीमति ईशर कौर विधवा बीर सिंह गांव बुन्डाला तह० अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री सुभा सिंह पुत्र गुजर सिंह जंडियाला गुरु अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और यदि कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रभन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के धार्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इस धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 229 कनाल 1/4 भाग 57 कनाल 5 मरला गांव रखचीता में है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 265 दिनांक 3-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी बाबा बकाला में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जनवरी 1980

निदेश सं० एसआर/79-80/309—अतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गोडाउन नं० 289/636 और 269/569 तरन तारन है तथा जो तरन तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्व श्री कृष्ण चन्द, राम चन्द, पुत्र बिशन दास तरन तारन। (अन्तरक)
  2. श्रीमति राज रानी पत्नि स्वर्गीय बिहारी लाल अमृतसर। (अन्तरिती)
  3. जैसा कि सं० 2 में है और यदि कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
  4. यदि और कोई व्यक्ति इस संपत्ति में रूची रखता हो।  
‡(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोडाउन नं० 289/636 और 269/569 तरन तारन में जैसा कि सेल बीड नं० 1279 दिनांक 25-5-79 जैसा कि रजिस्ट्री अधिकारी तरन तारन में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-1-1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 जनवरी 1980

निर्देश सं० बाबा बकाला 79-80/310—प्रतः मुझे एम०

एल० महाजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि रख चीते तसील अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब तहसील बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरचरन सिंह, गुरबक्श सिंह पुर धन्ना सिंह बासी अम्बे गली धन्ना सिंह मुखतार ग्राम बासी अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री बलकार सिंह पुत्र दरशन सिंह गांव ठठी तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई इसमें रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृषि भूमि 78 कनाल 8 सरला गांव रख भोते जैसा कि सेल डीड नं० 318 दिनांक 15-5-1979 रजिस्ट्री अधिकारी सब तहसील बाबा बकाला में दर्ज है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15-1-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

श्री ताराचन्द अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री सुरेन्द्र अग्रवाल

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

निर्देश सं० एस० 90एक्यू०आर०-IV/कल०/79-80—यतः,

मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० वार्ड नं० XVI है, तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, सिलिगुरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, पी० एस० सिलिगुरि, जिला वाजिलिंग में 0.85 एकर जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दखील सं० 2858 में और पूर्ण रूप वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता-16;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV; कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सि० 89/रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता, एस० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० XVI है, तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, सिलिगुरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा चन्द अग्रवाल

(अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्या 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड, पी० एस० सिलिगुरि, जिला दार्जिलिंग, में 0.85 एकर जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलील सं० 2947 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 19-11-1979

मोहर :

प्रारूप धारा ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सि० 92 रेंज-IV/कल०/1979-80—यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 47/बि० है, तथा जो के० एन० सि० रोड, बारासट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभेद अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देवव्रत साधुखां, स्वपन कुमार साधुखां एवं नब कुमार साधुखां

(अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार दास, एवं श्रीमती जे० दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

47/बि०, के० एन० सी० रोड, थाना—बारासट में 3 1/4 डेसी० जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे 1979 का बलिल सं० 3541 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 26-11-1979  
मोहर।

प्रकृष धार्ई० डी० एन० एस०—

1. श्री बलार्ई चन्द घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री अजित कुमार घटक

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निर्देश सं० सी० 46/आर-II कल०/79-80—यतः, मुझे,  
एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं० 153 है, तथा जो मौजा—ईस्ट  
कुलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1979  
को पूर्वागत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य न कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वगत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी  
करने या उससे बचने में बुद्धि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या कितो या या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—446GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

Land measuring 2-cottahs, 3-chittaks and 11-sq. ft. under  
Mouza East Kulia, Touji No. 2833, Holding No. 61 under  
Calcutta Corporation, 153, Beliaghata Main Road, Calcutta-  
10.

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
र्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 26-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 519/टी० आर०-22/एसी-22/कलकत्ता-1/  
79-80—यत्तः, मुझे, जे० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है, तथा जो नलिनी शॉट रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र कुमार शोभी

(अन्तरक)

2. श्री पुष्पराज सेधी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-206 में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

छ: मजिला मकान नं० 55 नलिनी सेठ रोड, कलकत्ता,  
उसके साथ 4कोट्टा 43 स्वेयर फीट भूमि का अविभक्त 1/4  
हिस्सा रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया  
है। डीड नं० 2561 तारीख 9-5-1979।

जे० वी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 30-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

1. श्रीमती कनिका सिन्हा राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती प्रमती बनर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

कलकत्ता-16, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० ए० सी०-50आर०-II कल० 79-80—यतः,  
मुझे, एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्धानुसारी के पान निम्न  
में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० पी-39 है, तथा जो राष्ट्र गुरु एवेन्यू, कलकत्ता,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार  
आफ एस्पेरेन्सेस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 14-5-1979

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पी-39, राष्ट्र गुरु एवेन्यू, कलकत्ता-28, होलिडिंग सं०  
3, साउथ दमदम म्युनिसिपलिटी, जमीन का परिमाण—  
6 कट्ठा 304 स्क्वेयर फीट।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

तारीख : 18-12-1979

मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री गोविन्द चन्द्र दत्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री तपन कुमार सिकवर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 19 दिसम्बर 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 520/टी आर-27/सी-27/कल०-1/79-80  
—यतः, मूझ, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 28 है तथा जो क्रीक लेन में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
18-5-1979 ;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केति  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

28, नं० क लेन, कलकत्ता में अवस्थित 2 कट्टा 2 छटाक  
24 वर्ग फिट, जमीन जो डीड नं० 1-2735 अनुसार 18-5-79  
तारीख में रजिस्ट्रार आफ ऐस्टीमेट्स के आफिस में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० दासगुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 19-12-1979

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री मोहम्मद अशरफ

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. श्री गुलाम रसूल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 522/टी० आर०-29/79-80--यतः, मुझे, आई० टी० एस० जुनेजा, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो सरीफ लेन, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्पन्न बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पत्राति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चार मंजिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके साथ 6 क० 3 छ 5स्के० फीट जमीन का दस पैसा हिस्सा रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डीड नं० 2810 तारीख 22-5-1979।

आई० टी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979

सहूर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 523/टी० आर०-30/79-80—यतः, मुझे,  
आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो सरीफ लेन, कलकत्ता-  
16 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे अर्जन में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य प्राप्ति को  
जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहम्मद अशरफ

(अन्तरक)

2. हुमायरा खातून

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके  
साथ 6 क० 3 छ० 5 स्क्वे० फीट जमीन का बीस पैसा हिस्सा रजि-  
स्ट्रार आफ एस्थोरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डीउ नं०  
2809 तारीख 22-5-1979।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

1. श्री मोहम्मद अशरफ

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

श्री अब्दुल कोयायुम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 524/टी० आर०-31/79-80—यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो शरीफ लेन, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पचासवर्षीय सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चारमंजिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके साथ 6 क० 3 ख० 5 फीट जमीन का दस पैसा हिस्सा रजिस्ट्रार ऑफ रेसपोरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डीड नं० 2808 तारीख 22-5-1979।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 31-12-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एन०-----

1. श्री मोहम्मद अशरफ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अली हुसन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 525/टी० आर०-32/79-80—यतः, मुझ,  
आई० वी० एन० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो शरीफ लेन, कलकत्ता-16  
में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे  
व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आर मंजिला मकान नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके  
साथ 6 क० 3 छा० 5 फीट जमीन का वसस्वेपैसा हिस्सा रजिस्ट्रार  
ऑफ़ ऐस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डीड नं०  
2807 तारीख 22-5-1979।

आई० वी० एन० जुनेजा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 526/टी० एम०-33/79-80—यतः, मुझे,  
आई० वी० एम० एस० जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो शरीफ लेन, कलकत्ता-16  
में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-466GI/79

1. श्री महम्मद असरफ

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद आलिमुद्दीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनुसूची

चार मंजिल भवन नं० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके  
साथ 6 के 3 सीएच० 5 फीट जमीन का पञ्चदश पैसा हिस्सा रजिस्ट्रार  
आफ़ टेक्सोरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डी० नं०  
2806 तारीख 22-5-1979।

आई० वी० एम० जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख 1 31-12-1979

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 527/टी० आर०-34/79-80—यतः, मुझे,  
आई० वी० एम० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो शरीफ लेन, कलकत्ता-16  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद अशरफ

(अन्तरक)

2. मुहम्मद असमान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिल मकान न० 24/2 शरीफ लेन, कलकत्ता उसके  
साथ 6 के 3 सी.एच० 5 फीट जमीन का पच्चीस पैसा हिस्सा रजिस्ट्रार  
आफ एस्पोरेन्स के सामने रजिस्ट्री किया गया है। डीड न०  
2805 तारीख 22-5-1979।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 31-दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 521/टी० आर०-25/सी-25/79-80-यतः,  
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1 है, तथा गंगाराम जो पालित लेन कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 9-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायिब में कमी करने या उससे बढ़ने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गणेश चन्द्र राय

(अन्तरक)

2. श्री प्रमल वर्धन, विमल वर्धन, काजल वर्धन, सजल  
वर्धन

(अन्तरिती)

3. श्री विमल चन्द्र सान्याल एवं अन्योन्य  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री भेन्द्र

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराना मकान नं० 1 गंगाराम पालित लेन, सीमाना 5के०  
12वीं एच० 16 फीट रजिस्ट्रार ऑफ ऐस्योरेन्स के सामने रजिस्ट्री  
किया गया है। डीड नं० 1-2564 तारीख 9-5-1979।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 31-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 655/एसी क्यू० आर०-3/79-80/कलकत्ता—

यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल के ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बिरेन राम, ट्रास्टी बिरेन राम ट्रास्ट, बेहाला (अन्तरक)

2. श्रीमती बासब भट्टाचार्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान का समूचा एक तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर अवस्थित जिसमें 3 कट्टा 11 छटांक 26 स्केयर फुट जमीन है।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 656/ए० सी० एम० आर०-3/79-80/कलकत्ता—

यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिरेन राय, ट्रास्टी, बिरेन राय ट्रास्ट, बेहाला  
(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रिका भट्टाचार्य  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का समूचा दो तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता पर अवस्थित, जिसमें 3 कट्टा 11 छटांक 26 स्केयर फुट जमीन है।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 657/ए० सी० क्यू० आर०-3/79-80/कलकत्ता—  
यतः, मुझे, आई० टी० ए० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
28-5-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिरेन राय, ट्रस्टी,  
बिरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(अन्तरक)

2. श्री दीपायन भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान का समूचा तीन तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता  
पर अवस्थित जिसमें 3 कट्टा 11 छटांक 26 स्केयर फुट जमीन  
है।

आई० टी० ए० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 654/ए० सी० क्यू० आर०-3/79-80/कलकत्ता—  
यतः, मुझे, आई० टी० एन० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00,00/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है, तथा जो के० पी० राय लेन में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उमड़े करने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धर्म्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या कि  
जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1. श्री प्रेमसुखदास मानिकजन्द

(अन्तरक)

2. श्री शान्तिमय बनर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अतिरिक्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहम्नाशरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 टूटा 11 छटांक 15 स्केयर फुट, जमीन जो 47, काली  
प्रसन्न राय लेन, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए०सि० 93/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० दाग सं० 1319 है, तथा जो गांव कोना, बाना  
लिलुजा हावरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 15-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपावे में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधि-  
नियम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगेश्वर मुखर्जी

(अन्तरक)

2. श्रीमती जबा दे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव केना, पी० एस० लिलुजा जिला हावरा में 11 का० 7 छ०  
4 स्केयर फीट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलील सं०  
2677 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० एस० दास गुप्ता  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री प्रसन्न कुमार मुखर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री निमावानी कुमार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सायालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 7 जनवरी 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० ए० सी०/94/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है, तथा जो जि० एन० मित्र रोड, वर्धमान में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वर्धमान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अध्याय निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाहिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मांतः—

12-46691/79

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9, जि० एन० मित्र रोड, वर्धमान में .044 हेक्टे० जमीन उस पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3245 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी०-95/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः, मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 123 है, तथा जो बेनारस रोड, पी० एस० गोलाबाड़ी हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री अरुना अल्टा एवं अपूर्व अल्टा

(अन्तरक)

2. श्री गुरुदास घोषाल, शिशिर घोषाल, एवं मृनाल कान्ति घोषाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्ययन 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

123 बेनारस रोड, पी० एस० गोलाबारी हावड़ा में 6 कट्ठा 12 छटोक जमीन का सब कुछ जैसा 1979 का, दलिल सं० 740 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज- कलकत्ता-16

तारीख : 7-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री शशधर शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री बासुदेव लायेक

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० ए० सी० 96/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—

यतः मुझे, एस० के० वास गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 3956 है, तथा जो हीरापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आसन सोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धान की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धस्तक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पढ़ा परिभाषित हैं; वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

मौजा—नरसिबन्ध, थाना—हीरापुर, जिला—बर्धमान स्थित 3.83 कट्ठा जमीन तथा उस पर स्थित मकान का अविभाजित 1/3 हिस्सा जैसे कि 1979 का दलिल सं० 2571 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० वास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 10-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

1. श्रीमती होसेन बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 15 जनवरी 1980

2. श्री गुलाम नबी और सामसुनेसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-2/कलकत्ता/1979-80—  
यतः, मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 16/बी० है, तथा जो इब्राहिम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

जमीन परिमाण—5 काठा 3 छटांक 3.5 स्केयर फुट  
इब्राहिम रोड, कलकत्ता ।

के० सिन्हा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख : 15-1-1980  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 657/ए० सी० ब्यू० आर०-III/79-80 कलकत्ता  
—यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, तथा जो लोक प्लेस, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 28-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीरेन राय ट्रस्टी  
बीरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(अन्तरक)

2. श्री देवायन भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समूचा भूकान का तीन तल्ला जो 49 लोक प्लेस, कलकत्ता  
पर अवस्थित और जिसका माप 3 कट्ठा 11 छटांक 26 स्केयर  
फुट है।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III; कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 656/ए० सी० क्यू० आर०-III/79-80/कलकत्ता  
—यतः मुझे, आई० टी० एन० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 29-5-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिह्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीरेन राय, ट्रस्टी,  
बीरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रिका भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

समूचा मकान का दो तल्ला जो 49 लेक प्लेस, कलकत्ता  
पर अवस्थित और जिसका माप 3 कदठा 11 छटाक 26 स्केयर  
फुट है।

आई० टी० एन० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 655/ए० सी० क्यू० आर०-III/79-80/कलकत्ता—यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० 49 है, तथा जो लेक प्लेस कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(6) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीरेन राय, ट्रस्टी,  
बीरेन राय ट्रस्ट, बेहाला

(अन्तरक)

2. श्री बासब भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करना है।

उक्त सन्धालि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भण्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा भूकान का एक तल्ला जो 49, लेक प्लेस, कलकत्ता पर अवस्थित और जिसका माप 3 कट्ठा 11 छटांक 26 स्केयर फुट है।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 जनवरी 1980

निर्देश सं० 654/ए० सी० क्यू० आर०-III/79-80/कलकत्ता—यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है, तथा जो काली प्रसन्न राय लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स प्रेमसुखदास मानिकचन्द 165/1/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता

(अन्तरक)

2. श्री शान्तिमय बनर्जी 8/1, ग्रोम लेन, कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 11 छटांक 15 स्केयर फुट जमीन जो 47 काली प्रसन्न राय लेन, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 5-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 660/ए० सी० ब्यू० आर०-III/79-80/कलकत्ता  
यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8 बी है, तथा जो प्रिन्स गोलाभ महः रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 30-5-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दृष्टिकोण से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

13-466G1/79

1. श्रीमती दिपाजी बसु

(अन्तरक)

2. श्री प्रभास कुमार मुखर्जी

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समूचा दो तल्ला साथ कमन पेसाज जो सं० 8 ए, प्रिन्स  
गोलाभ महः रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54 रफी अहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 21-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री तारक नाथ डे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती अमिता मुखार्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कलकत्ता-16, दिनांक 21 जनवरी 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 659/ए० सी० न्यू आर०-II/79-80/कलकत्ता  
यतः, मुझे, आई० टी० एन० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 8 बी०, है, तथा जो प्रिन्स गोলাম महः रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 30-5-1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

मकान साथ 1 कट्ठा 9 छटांक जमीन जो सं० 8 बी,  
प्रिन्स गोলাম महः रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

आई० टी० एन० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 21-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 658/ए० सी० यू० आर०-III/79-80/कलकत्ता यतः, मुझे, आई० टी० एन० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 8 ए है, तथा जो प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुकुल कुमार सरकार

(अन्तरक)

2. श्री प्रभास कुमार मुखर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा एक तल्ला साथ कमन पेसाज जो 8-ए, प्रिन्स गोलाम महः रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है।

आई० टी० एन० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 21-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 845 अमम, 23/19-7/79-80—

यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सब 78 हिस्सा 2 कि अतीरीकन 405 चौरस  
बार जमीन है, तथा जो मोणे उमरा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नग पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गके अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उधारा(1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री जाल अरेचणा कालाभाई अगावीबाड, सूरत  
(अन्तरक)

2. श्री चामका भाई चामनभाई पटेल ए० सरेसवाला  
बिल्डिंग इच्छानाथ महादेव के पास सूरत डूमस रोड,  
सूरत  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान सं० नं० 78 वाली जो उमरा मेरे और  
जो माप में 599 चौरस बार है, ये मिलकर, रजिस्ट्री कर्ता  
अधिकारी सूरत द्वारा तारीख 1-5-1979 के दिन रजिस्ट्री नं०  
3211 में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एम० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-1-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए०पी० आर० नं० 846 एफ्यू 23/7-4/79-80  
—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है,) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 273, 273/3, टीका नं० 56 सं० नं०  
2926 है, तथा जो साठ कुवा गेट, नाग तलाब, नवसारी में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 7-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाहर उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी  
करने या उभरे करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. शांती लाल मोरारजी नायक नवसारी  
(अन्तरक)

2. (1) श्री अशोक कुमार रसीकलाल सरैया,  
(2) श्रीमती बीना बेन अशोक कुमार सरैया आशानगर,  
नवसारी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान, जिसका सं० नं० 273/273/3 और  
टीका नं० 56, सी० एस० नं० 2926 है। और घर नं० 843  
है। जो बोर्ड नं० 6 साठ कुवा के पास, नाग तलाब नवसारी  
में है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी द्वारा तारीख  
7-5-1979 को नोंद नं० 705 द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 31-12-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 847 एक्वी०-23/7-4/79-80—

यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 81 और स० नं० 3976 वार्ड नं० 1 है, तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-घ अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीबाकोकेरभाई केवलभाई पटेल, अंबिका नगर हाउसिंग पार्क के आर्गेनाइजर सगरामपुरा, सूरत।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री गनपात मनीशंकर मेहता,  
(2) श्रीमती आशाशालता गनपात मेहता, नवसारी जिला बुलसर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोतृताक्षरों के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर मलकियत जो अंबिका नगर सोसाइटी नवसारी में है और जिसका नं० सि० स० नं० 81 और स० नं० 3976 है और जिसका क्षेत्रफल 875.9 स्क्वेयर फीट है ये मलकियत रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा तारीख 22-5-1979 को रजिस्टर्ड नं० 769 के अन्तर नवसारी में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मण्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 5-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2369(909)/16-6/

79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 123 प्लॉट नं० 267 (इमारत) है, तथा जो रणछोड़नगर सोसायटी के पास, सुरेन्द्र नगर रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जे० जे० एण्ड कम्पनी :—

भागीदार (1) जयन्तीलाल मोहनलाल अनडक्ट,  
(2) जमनादास, मोहनलाल अनडक्ट,  
(3) मनसुखलाल जयन्तीलाल अनडक्ट,  
(4) बेचरलाल, जयन्तीलाल अनडक्ट,  
(5) विनोदराय जमनादास अनडक्ट  
सब—6 लाटी प्लॉट, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ताराबेन महेन्द्रकुमार बसंत  
'सोहिणी' रामकृष्णनगर राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत जो 396-6-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है जिसका सर्वे नं० 123, प्लॉट नं० 267, पेकी, जो रणछोड़नगर सोसायटी के पास, सुरेन्द्रनगर रोड, राजकोट में स्थित है तथा बिक्री वस्तावेज नं० 2682/11-5-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने उसमें प्रापर्टी का जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2323(910)/11-1/  
79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 358 (ईमारत) है, तथा जो  
गांधीग्राम, जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 11-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1 श्री नलीन कुमार मंगल लाल राजा, 114-ई, आर० के०  
बाही, बी० पी० रोड, बम्बई-4।

(अन्तरक)

2. श्री नटवलाल कुबेरदास ठक्कर, वेस्ट इंगलिश स्कूल के  
सामने वकील के बंगलों के पीछे, जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1508 वर्ग फीट जमीन पर खड़ी ईमारत जिसका प्लॉट  
नं० 358 है जो गांधीग्राम जूनागढ़ में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जूनागढ़ द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 693/11-5-79  
से रजिस्टर्ड हुआ है याने जैसे उसमें प्रापटी का पूर्ण वर्णन  
दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए सीक्यू०-23-3-2358 (911)/16-6/79-80—यत्, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 326, प्लॉट नं० 3 है, तथा जो अटीका रबर फैक्टरी के पास राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

14-466G1/79

1. श्री सुखदेव भारथी रणछोड़ तथा अन्य गुंदावाडी मेहन रोड, गोस्वामी भुवन राजकोट

(अन्तरक)

2. श्री रामशंकर सुखे, स्वाश्रय सोसायटी, भवडी प्लाट, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1395-0-0 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 326 प्लॉट नं० 3 है जो अटीका रबर फैक्टरी के पास राजकोट में स्थित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 2521/7-5-1979 से रजिस्टर्ड हुआ है, याने उक्त बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-2452(912)/10-1/79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० सर्वे नं० 39, प्लॉट नं० 31 है, तथा जो नेहरू रोड, पटेल कालोनी, जामनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री शांतीलाल फूलचन्द बसा,  
श्री जयन्तीलाल फूलचन्द के कुल मुखत्यार प्रेईन मारकेट,  
जामनगर  
(अन्तरक)

1. (1) श्री मंगलदास सुन्दरजी,  
(2) श्रीमती ललीता मंगलदास, बन्डी फली, जाम  
खम्भालिया  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 578-11 वर्ग मीटर है जिसका सर्वे नं० 39, प्लॉट नं० 31 है जो नेहरू रोड, पटेल कालोनी, जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 9290 तारीख 19-5-1979 से रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है ।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-2378 (913)/16-3/  
79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 199 है, तथा जो बड़ा बजरंग  
रोड, उपलेटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(ज) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधिनियम कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या पथ्य प्राप्ति की  
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के प्र-  
चरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के तहत निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—

1. श्री शत्रुघनदास जालचन्द केशवाजी उपलेटा  
(अन्तरक)
2. (1) श्री गामेती गफार हासी अली सामा  
(2) श्री गामेती युनुस हासी अली सामा बड़ा बजरंग  
रोड, उपलेटा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

300 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ी ईमारत  
जिसका प्लॉट नं० 199 जो बड़ा बजरंग रोड उपलेटा में  
स्थित है तारीख मई 1979 में रजिस्ट्रेशन नं० 565 से  
रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2378 (914)/16-3/79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 199 है, तथा जो बड़ा बजरंग रोड, उपलेटा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती से (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शत्रुघ्नदास लालचन्द केशवानी, उपलेटा।

(अन्तरक)

2. श्री हाजीयाणी नूरबाई हाजी अली सामा, बड़ा बजरंग रोड, उपलेटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

225-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ी ईमारत जिसका प्लॉट नं० 199 है, जो बड़ा बजरंग रोड उपलेटा में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 566, मई 1979 का, से रजिस्टर्ड बित्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1979

मोहर :



प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-2394 (918)/1-1/  
79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सश्रम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 209/1, 209/2, और 209 हिस्सा  
'ए'० टी० पी० एस०-14, एफ० पी० 269/ए, सब प्लॉट नं०  
4 और 5 है, तथा जो याने (खुली जमीन, बेकार स्थिति की  
स्टकचर के साथ) शाही बाग, अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
10-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—

1. श्री भरतकुमार चीवुभाई बेस्कर मधुवन डफनाला शाहीबाग,  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. शाहीबाग रामेश्वर को० ओ० रा० सो० लिमिटेड,  
चैयरमैन : श्री नटवरलाल मोहनलाल चोकसी के मारफत  
12, वृन्दावन कालोनी शाहीबाग अहमदाबाद-14

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथादस्तावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट 1120.75 वर्ग मीटर वाला  
जिसके साथ कुछ स्टकचर्स जैसे कम्पाउन्डवाल, पुराना खुला  
कुंआ तथा भंगार स्थिति में पुराना टेनीस कोर्ट है जिसका सर्वे  
नं० 209, 209/1 तथा 209/2 फायनल प्लॉट नं० 269  
ए तथा सब प्लॉट नं० 4 तथा 5 है जो शाहीबाग अहमदाबाद  
में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 4239/10-5-1979  
से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड किया  
गया है याने उसमें जैसा प्रोपर्टी का पूर्ण वर्णन किया गया  
है।

एस० एन० मण्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 31-12-1979

मोहर :

**रूप आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1980

एफ० नं० पी० आर० नं० 848 एकड़ 23/19-8/79-80—अतः मुझे एस० एन० मान्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंद नं० 299-ए है। तथा जो बराणपुरी मांगोल, सबजी मन्डी के करीब बोर्ड नं० 5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, तथार्थात्:—

1. (1) जनेन्द्र रंगीलदास बरानपुरी भागोल, माली-वाली पोल, सूरत 2. सूर्यबाला कान्तीलाल पटेल पारीजन बिल्डिंग, मरीनड्राईव, बम्बई 3. अशोककुमार बाबरदास सैयदपुरा-सूरत

4. अमृतलाल माईचंददारस, पटेल, स्टेट बैंक, कालोनी, अम्बा लाइन, सूरत (अन्तरक)

2. श्रीमति ताराबेन गमनलाल बरानपुरी भागोल, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यूचों

जमीन और मकान जिसका नोंद नं० 299-ए है और जो बराणपुरी मांगोल, बोर्ड नं० 5 सूरत में है, ये मिलनेका रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत द्वारा ता० 3-5-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मान्डल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक 2-1-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1980

एफ नं० पी० आर० 849 एकड़ 23/19—8/79-80—

अतः मुझे ए० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बोर्ड नं० 11 नोट नं० 299 (जिसका पञ्चिमी भाग) है। तथा जो भाग नालांद मरेन रोड सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) मोहनलाल हरगोवनदास टोपीवाला भाग नलाद, सूरत।

(2) शान्तीलाल प्रभुदास टोपीवाला सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री बोम्बे रिपेयरिंग सरकीसील के भागीदार

1. अमरसीह कनट्टरसिंह

2. धरमसिंह करतार सिंह

3. नगीनदास जेठालाल मरेता

4. सरेला कर्तारसिंह आ-6 दासवाला बिल्डिंग सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका पश्चिमी हिस्सा, जिसका क्षेत्रफल 140 चौरस बार है जिसका बोर्ड नं० 11 नोट नं० 299 है। और जो भाग नालांद मोरन रोड सूरत में है। ये मिलकर रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ता० 15-5-79 को रजिस्टर्ड नं० 1736 कि अंदर रजिस्टर्ड कि गई तय।

ए० न० मान्डल

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 2-1-1980

मोहर:

प्रत्येक पार्श्व-टी०एन०एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 850 एक्वी 23/74/-79-80—यतः मुझे एस० एन० मांडल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 58 और 69 (नये) है तथा जो कालीयावाडी, विजलपुर नवसारी तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विनोद चन्द्र रमीकलाल श्यास, पंकज निवास, सेठ फलीआ, भरुच (अन्तरक)

2. श्री रजनीकान्त कालीलाल देसाई अनाबील स्ट्रीट, विजलपुर, ता० नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो कालीआवाडी विजलपुर ता० नवसारी में है और जिसका घर नं० 58 (पुराना) 69 (नया) और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा नवसारी में ता० 7-5-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल

गणम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 861/एकवी 23/19-8/79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मांडल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सीटी सं० नं० 426, जो गांव खतोदरा है है तथा जो खतोदरा ता० चौरयासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

15—466G179

(1) 1. श्री चन्द्रकान्त चुश्रीलाल बखारीया 2. चन्द्रिका बेन चन्द्रकान्त बखारीया फारम मोहल्ला, रस्तमपुरा, सूरत (अन्तरक)

(2) 1. नटवरलाल रंगीलदास गीलीटवाला 2. कंचनलाल रंगीलदास गीलीटवाला 3. अशोककुमार रंगीलदास गीलीटवाला 2/4141, अनाबिल शेरी, सगरामपुरा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सीटी सं० नं० 426 है और जो गांव खतोदरा ता० चौरयासी, जि० सूरत में है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा ता० 18-5-1979 को क्रमांक 1980 द्वारा रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-1-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी, 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 929 एम्बो-23-I-1324/11-1/79-80-— यतः मुझे, एस० एन० मांडल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 24-1, 27, 28/2 तथा सर्वे नं० 32 है तथा जो गांव चोबारी जिला जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आहिर भाडा अरजम, गांव चोबारी जिला जूनागढ़ (अन्तरक)

2. श्री जगदीश पेथलजी बुकेर फालिया, जूनागढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खेती की जमीन जिसका सर्वे नं० 24-1, 27, 28-2, तथा सर्वे नं० 32, जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ 26 गुंठा, 5 एकड़ 37 गुंठा, 4 एकड़ तथा 8 एकड़ 4 गुंठा याने कुल 27 एकड़ 28 गुंठा क्रमानुसार है जो गांव चोबारी जिला जूनागढ़ में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 666/7-5-79 सब-रजिस्ट्रार जूनागढ़ द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० एन० मांडल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 25-1-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निवेश सं० पी-72/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मो० दोलतबाग, डिप्टी-गंज, मुरावाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1-979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पंस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पंस्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृपाराम (अन्तरक)
2. श्रीमति प्रभा अग्रवाल (अन्तरिती)
3. बिन्नेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही प्रबल होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान बाके मोहल्ला दोलतबाग, डिप्टीगंज, मुरावाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37 जी संख्या 1955/79 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार, मुरावाबाद के कार्यालय में दिनांक 13-7-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-11-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निदेश सं० आर-135/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 23,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान है तथा जो मो० दौलतबाग मुरादा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता कृ अधिकारी के कार्यालय  
मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 13-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- |                 |            |
|-----------------|------------|
| 1. श्री कृपाराम | (अन्तरक)   |
| 2. श्री राममोहन | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वार्ता का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान पुष्ता वाके मोहल्ला दौलतबाग, मुरादाबाद  
व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व  
फार्म 37 जी संख्या 1954 में वर्णित है जो कि सब-रजि-  
स्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 13-7-1979 को पंजी-  
कृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-11-1979  
मोहर :



आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० बी-86/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1962 (1962 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 35/बी-13 है तथा जो सिविल लाइन्स बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार है मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय वे वाबप उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुखसारदास गुरुदेव सिंह व श्रीमति प्रकाश कौर, श्रीमति चेत कौर, श्रीधनवीर सिंह, श्रीमति चरंजीत गर्ग, श्रीमति जगदीश कपूर (अन्तरक)

2. श्री. श्रीमति विमल वास्तव, श्री संजीव श्रीवास्तव, श्री अजय श्रीवास्तव, श्री संजय श्रीवास्तव, विजेता (अन्तरिती)

3. शिक्ता (वह व्यक्ति जिसके अभिभोगमें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिमा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो थी अवधिबदा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्कों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का प्लॉट न० 35/बी-13 स्थित सिविल लाइन्स, रत्नपुरबाग, बरेली क्षेत्रफल 612.5 वर्गगज व संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलजीड तथा फार्म 37-जी संख्या 2521/79 में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 6-6-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश संख्या बी-87/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या खसरा नं० 225 है तथा जो मो० मुडवा-  
डीह, परगना देहात अमानत, वासाणसी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-5-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में शस्त्रविज्ञ रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी  
करने या उससे अचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बान या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या  
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था; छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
अं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमति जसोदा देवी (अन्तरक)
2. श्री भगवती प्रसाद, राजा राम, श्याम लाल अमरनाथ  
(अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित, हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी नम्बर 225 का उत्तरीपूर्व हिस्सा रकबा एक  
बीघा पांच बिसवा (98 डिसेमल) बांके मौजा मुडवाडीह  
परगना देहात अमानत जिला वाराणसी व सम्पत्ति का वह  
सब विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3951  
में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार, वाराणसी के कार्यालय में  
दिनांक 24-5-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एम०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० डी-38/अर्जन—यन: मुझे अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या है तथा जो मो० बाजार कटरा  
नरपत गंज, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के दिनांक अधीन 15-5-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आय आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री कुम्बर अजय सिंह (अन्तरक)
2. श्री धर्म प्रकाश (अन्तरिती)
3. श्री धर्म प्रकाश (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोध्याक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान मय इमारत दुकानें, टिन शेड और जमीन कुल  
क्षेत्रफल 119.94 वाके मो० बाजार कटरा नरपतगंज  
जि० मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड  
व फार्म 37-जी संख्या 948/79 में वर्णित है जो कि सब-  
रजिस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-5-1979  
को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-1979  
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम०-108/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान व भूमि है तथा ग्राम देहरी, परगना मुस्तहकम मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख): ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रेम कुमार रस्तीनी (अन्तरक)
2. श्री मो० फारूक (अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जोकी अवधि बख्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान दो किते कमरे सय आराजी चौदह सो तरेसठ पाइन्ट तीस 1483 30 वर्गमीटर वाके ग्राम देहरी परगना मुस्तहकम जिला मुरादाबाद व संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म संख्या 37-जी 2533/79 में वर्णित है जो कि सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 2-5-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-12-1979

मोहर:

प्रकरण घाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एन-30/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधान मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या राईस मिल बिल्डिंग व भूमि के प्लॉट विन्वकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के दोनो-ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व या कमा करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (i) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-466G1/79

1. श्री नैधनदास रावलदास, फेरूमल (अन्तरक)
2. श्री नरेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार (प्रन्तरिती)
3. उमरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

राईस मिस की बिल्डिंग गोदाम गदवी (बंगला) कमरे, चबूतरा, बाउन्ड्री वाल व भूमि के प्लॉट नं० 323, 320 तथा 318 इत्यादि स्थित मोहरा विन्वकी कोहना विन्वकी जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश व वह सब सम्पत्ति जिसका वर्णन फार्म 37-जी संख्या 575 तथा सेलडीड में किया गया है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार फतेहपुर यू० पी० के कार्यालय में दिनांक 30-5-1979 को बही नं० 1 जिल्द 497 के पृष्ठ पर 147/151 पर क्रम नं० 575 पर किया जा चुका है ।

अमर सिंह बिसेन  
मध्यम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18-12-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निवेदन सं० एम-110/अर्जुन—यतः, मुझे अमर सिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1-ए है तथा जो अहाता हॉटल  
वालडोर्फ हॉटल मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधी 9-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किराया धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री राम प्रकाश, विशन्ू श्रीतार, सूरज श्रीतार, श्रीम  
श्रीतार, अनिल कुमार, राकेश कुमार, राजीव कुमार, अशोक कुमार  
गोयल (अन्तरक)

2. श्री मसूद अहमद (अन्तरिती)

3. निकेत (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पंजर के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वालडोर्फ हॉटल मल्लीताल जिला नैनीताल के अहाता में  
स्थित भूमि का प्लॉट नं० 1-ए जिसका क्षेत्रफल 537 50  
वर्गफुट (49.953 वर्ग मीटर) है आदि तथा सम्पत्ति  
का वह सब विवरण जो मेलडोड तथा फार्म 37-जी संख्या  
259/79 में वर्णित है जो कि सब रजिस्टार नैनीताल के  
कार्यालय में दिनांक 9-5-1979 को पंजीकृत हो चुके  
हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज लखनऊ

तारीख : 15-12-1979  
मोहर :

प्रकर आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 दिसम्बर 1979

निदेश सं० एम-109/अर्जन--अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो वालडोर्फ होटल मस्लीताल नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-5-79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय भया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाधनविन रूप से उचित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कभी या उनमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहुिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. सर्व श्री राम प्रताप, विशनू औतार, सूरज औतार, अमर औतार अनिल, कुमार राकेश कुमार, राजीव कुमार, अशोक कुमार गोयल

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद शाहिद

(अन्तरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसखी

वालडोर्फ होटल मस्लीताल जिला नैनीताल के अहाते (कम्पस) में स्थित प्लॉट नं० 3 क्षेत्रफल 2981.10 वर्गफुट व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फॉर्म 37-जी संख्या 286/79 में वर्णित है जो कि सब-रजिस्टार, नैनीताल के कार्यालय में दिनांक 9-5-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ,

तारीख : 15-12-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० एस-184/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 42 व भूमि सर्वे नं० 131 रानीखेत कैंट व वार्ड अलमोड़ा है तथा जो रानीखेत में स्थित है (और इससे पाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रानीखेत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री प्रेम लाल, चिरन्जीलाल, ज्वाला प्रसाद लक्ष्मीनारायणन, शिवनारायण, नन्द लाल (अन्तरक)
2. सर्वश्री सुरेंद्रलाल शाह, सुनील कुमार शाह, अशोक कुमार शाह, मनोज कुमार (नाबालिग) (अन्तरिती)
3. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना 1 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भवन नं० 42 कैंटवार्ड रानीखेत जिला अलमोड़ा मय तमाम इमारत स्केटिंग हॉल, बिलियर्ड रूम, रेस्टोरेंट, किचन, कार्यालय व अन्य कमरे आदि व प्लॉट सर्वे नं० 131 रानीखेत कैंट क्षेत्रफल 00.589 एकड़ व वह तमाम संपत्ति जिसका वर्णन सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 528/79/1 में वर्णित है और जिसे कि सब-रजिस्टार, रानीखेत के कार्यालय में दिनांक 5-6-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं :

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18-12-1979

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्त प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/630—यतः मुझे  
एम० आर० अग्रवाल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
6 प्रथम सखम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट बी-20 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 मई, 1979

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक (प्रत्येकों) और प्रस्तुति (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे प्रत्येक के लिए नया पया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुति विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तारण से हुई किसी भाव बाधा, उक्त प्रशिक्षण के अन्तर्गत कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में लाने करने या उमरे बढ़ने में सुविधा के लिए छोड़ना;

(ख) एवो किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तिर्धो नो, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में मुषिषा के निणः

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित ग्यवित्तियों, धर्षावु :-

1. श्री डी० सी० नरूला, पुत्र श्री हीरा लाल,  
प्लॉट नं० 4 साईट 8, फिरोजपुर कैन्ट, पंजाब।

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप सिंह एवं जगजीत सिंह पुत्रान श्री मलिकसिंह  
प्लाट नं० 429, राजापार्क गली नं० 3, आदर्शनगर,  
जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यता के प्रजन के लः कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संपत्ति के श्रृंखला के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(८) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा.अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्राँका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्दस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**संपादकीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ३११ प्रधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए गया है।

## અનુસૂચી

प्लॉट नं० बी-20, राजापार्क, आदर्शन प्गगर जयपुर का दक्षिणी भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1181 दिनांक 26 मई, 1979 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्रम और विस्तत रूप से विवरणित है ।

एम० आर० अग्रवाल

**सक्षम प्राधिकारी**

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ਸਰਜਨ ਰੇਂਜ, ਜਥਪੁਰ

तारीख 15-1-80  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/625—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,  
पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं०— है तथा जो जयपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1979  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत हो गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि प्राप्यपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उचित दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी घाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरण के  
साधित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित:—

1. श्री माधवन बनर्जी पुत्र स्व० श्री कल्याण कुमार जी  
गौरा बाबू का अहाता, स्टेशन रोड, जयपुर (अन्तरक)
2. श्री चन्द्र प्रकाश देवड़ा पुत्र श्री मांगलाल देवड़ा,  
गौरा बाबू का बाग, स्टेशन रोड, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो गौरा बाबू का बाग, स्टेशन रोड  
जयपुर पर स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक  
1221 दिनांक 26-5-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में  
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 2-1-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश संख्या राज०/महा० आ० अर्जुन/626—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 36 है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयवाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की वास्तविकता अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुवर्ण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थों में, अर्थात् :—

1. श्री प्रह्लाद कुमार जिन्दल पुत्र श्री श्रीकिशन जिन्दल अग्रवाल निवासी शोपिंग सेंटर, कोटा (अन्तरक)

2. श्रीमती तारा चाई पणि श्री असगर अली वाहगा, निवासी राधा विमान मोहल्ला बोहरा, टीपटा, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पन्ध्र महीने में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में दृष्टिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 36, शोपिंग सेंटर कोटा पर स्थित मकान संपत्ति का भाग जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 1019 दिनांक 31-7-1979 पर पंजीबद्ध विषय पात्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख 2-1-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश सं० : राज/सहा० आ० अर्जन/627—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 36 है तथा जो कोटा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-7-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य आ तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रहलाद कुमार जिन्दल पुत्र श्री शीकिशन जिन्दल  
अग्रवाल निवासी शोपिंग सेंटर कोटा (प्रन्तरक)

2. श्री अरुण श्री पुत्र श्री फजल हुसैन बोहरा  
निवासी राधा बिलास मोहल्ला टीपटा, कोटा (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आक्षेपों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में तिब्बत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहस्ताक्षरी के तम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूचो

प्लॉट नं० 36, शोपिंग सेंटर कोटा पर स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक कोटा द्वारा पंजीबद्ध विवरण पत्र संख्या 1018 दिनांक 31-7-79 में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 2-1-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महालोक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 जनवरी 1980

निर्देश संख्या राज/सहा० आ० अर्जन/628—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 36 है तथा जो कोटा में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
31-7-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाध अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-466GI/79

1. श्री प्रहलाद कुमार जिन्दल पुत्र श्री श्रीकिशन जिन्दल  
अग्रवाल निवासी शोपिंग सेंटर, कोटा

(अन्तरक)

2. श्री तफजुल हुसैन, पुत्र श्री असगर अली, राधा विलासन  
मोहल्ला बोहरा टीपटा, कोटा

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 36 शोपिंग सेंटर कोटा पर स्थित मकान  
सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा क्रमांक 1020  
दिनांक 31-7-1979 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर)

तारीख : 2-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/631—यतः मुझे, एम० आर० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० के-23 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8 मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आनन्द किशोर माथुर, प्रेम किशोर माथुर राजकिशोर माथुर एवं महेन्द्र किशोर माथुर पुत्रान स्व० श्री किशोरी लाल माथुर प्लॉट नं० के-23 मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द्र माथुर पुत्र श्री चन्द्र किशोर राय, शिव सदन, एम० एल० ए० कालोनी, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसके नम्बर के-23 ए है, मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1117 दिनांक 8 मई, 1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।


एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 16-1-1980

मोहर: 

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 जनवरी 80

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/632—यतः मुझे,  
एम० आर० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० के-23 बी है तथा जो जयपुर में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 2 जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के तहत  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आनन्द किशोर माथुर, प्रेम किशोर माथुर,  
राजकिशोर माथुर एवं महेंद्र किशोर माथुर पुत्रान स्व० श्री  
किशोरी लाल माथुर प्लाट नं० के-23 मालवीय मार्ग, सी-  
स्कीम, जयपुर (अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्दर माथुर पुत्र श्री नन्द किशोर राय  
कर्ता एवं सर्वश्री दीपक माथुर, अशोक माथुर एवं सुदन माथुर  
सदस्य एच० यू० एफ० शिव सदन, एम० एल० ए कालोनी,  
जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ग्राफ लेण्ड नं० के-23 बी, मालवीय मार्ग,  
सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीबद्ध  
विक्रय पत्र संख्या 1300 दिनांक 2 जून, 79 में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 16-1-1980

मोहर:

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जुन/629—अतः मुझे

एम० आर० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-20 है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 मई, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का व उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी जन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्नातः—

1. श्री बी० सी० तख्ता, पुत्र श्री हीरालाल,  
प्लॉट नं० 4, साईट 8, फिरोजपुर कैंट (पंजाब)

(अन्तरक)

2. डा० सुन्दर लाल भोवर पुत्र श्री मनोहर लाल भोवर  
राजापार्क, आदर्शनगर, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-20, राजापार्क, आदर्शनगर, जयपुर का उत्तरी, भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रमांक 1180, दिनांक 26-5-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० आर० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख 15-1-80

मोहर :



प्रारूप आई०टी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 जनवरी 1980

निदेश सं० बीजीआर/1/79-80—अत० मुसे गो० सिंह  
गोपाला,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग तथा भूमि जोकि 23/7,  
देहली मथुरा है तथा जो बल्लबगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण,  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकूल के लिए घटतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर० (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे घटतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अभिन्न नहीं किया गया है—

(क) घटतरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए। आदि

(ख) ऐसा कि या आय या किसी इन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीम प्रकाश विनोदिया पुत्र श्री गुलजारी लाल  
मकान नं० डी-402, डीफेंस कालोनी नई देहली (अन्तरक)

2. मै० जी० एस० इन्डस्ट्रीज, जी० एल०-1 अक्सल  
भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया हुआ है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्ट्री बिल्डिंग सहित भूमि जोकि 23/7 मार्शल-  
स्टोन, देहली मथुरा रोड बल्लबगढ़ तथा जिसका अधिक विव-  
रण, रजिस्ट्री नं० 707 तिथि 8-5-1979 में जोकि रजिस्ट्री-  
कर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में दर्ज है, दिया गया है।

गो० सिंह गोपाला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक

निदेश सं० के० एन० एल०/9 तथा 10/79-80—अतः मुझे गो० सिंह, गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग नं० XVIII -823 है, तथा जो जी० टी० रोड, करनाल, में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिकल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. (1) श्री हरवन्स लाल पुत्र श्री राहु राम . . . . .  
(2) श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र श्री हरवन्स लाल  
दोनों निवासी अशोका कालोनी, करनाल ।  
(अन्तरक)
2. श्री मूल चन्द एण्ड सन्ज,  
मार्फत : म० नेशनल ट्रेकटरज तथा इम्प्लीमेंट्स,  
जी० टी० रोड, करनाल ।  
(अन्तरिती)
3. म० ग्लोब ट्रेकरज,  
जी० टी० रोड, करनाल ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राखी तरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति एक बिल्डिंग नं० XVIII-823 जोकि जी० टी० रोड, करनाल में स्थित है तथा जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1482 तथा 1483 तिथि 4-6-79 पर दर्ज है ।

गो० सिंह गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 3-11-1979  
मोहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक

निदेश सं० के० टी० एल० /1/79-80—अतः मुझे गो० सिंह,  
गोपाल, निरीक्षी सहायक अधिकारी आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला दुकान नं० 69 (एम० सी० के०  
नं० 1362/XVII) है तथा जो मंडी जवाहर गंज, कैथल में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मई, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुशील कुमार जैन पुत्र श्री लज्जा राम जैन  
कैथल ।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री बिमल कुमार पुत्र श्री सत्याप्रकाश  
मार्फत : मै० सत्याप्रकाश संजीव कुमार  
मंडी जवाहर गंज, कैथल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोद्धारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० एम० सी० के० /XVII/1362 (दुकान नं० 69)  
जोकि मंडी जवाहर गंज, कैथल में स्थित है तथा जैसा कि और  
अधिक रजिस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 313  
तिथि 12-5-1979 पर दर्ज है।

गो० सिंह गोपाला,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख :

मोहर :

प्रारूप आई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी 1980

निदेश सं० डी० बी० डब्ल्यू०/5/79-80—अतः मुझे गो० सिंह, गोपाल, सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बुकान प्लॉट सं० एस० सी० एफ० 68, नई मण्डी, है तथा जो कालावाली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डबवाली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किता जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा; के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती शान्ती देवी स्त्री श्री अमर नाथ  
(2) श्रीमती निर्मला देवी पति श्री नोहर चन्द  
गां० कालावाली, मुकाम कालावाली,  
तहसील डबवाली ।

(अन्तरक)

2 सर्वश्री गुरमुख सिंह, किरपाल सिंह, ईशर सिंह सुपुत्र  
श्री रत्न सिंह गां० कालावाली,  
तहसील डबवाली (सिरसा) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति बुकान प्लॉट नं० एस० सी० एफ० 68 एस० सी०-II स्थित नई मण्डी, कालावाली और जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रार कर्ता डबवाली के कार्यालय में रजिस्ट्री सं० 370, दिनांक 22-5-1979 पर दर्ज है ।

गो० सिंह० गोपाला,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 23-1-80  
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निदेश सं० एफ० टी० बी०/5/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 49, कनाल, है तथा जो ग्राम चनकोठी, तहसील फतेहबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्येक आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1g—466GI/78

1. श्री बन्ता सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह  
निवासी ग्राम चनकोठी, तहसील फतेहबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सतनाम दास पुत्र श्री दीवान चन्द

(2) श्रीमती सुभाई बाई पत्नी श्री दीवान चन्द  
ग्राम बानावाली सोतर, तहसील फतेहबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 49 कनाल जोकि ग्राम चनकोठी, तहसील फतेहबाद में स्थित है तथा जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता, फतेहबाद के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 816 तिथि 24-5-1970 में दर्ज है।

गो० सिंह गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 23-1-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोटहक

रोहक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निदेश सं० डी० बी० डब्ल्यू०/1/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 8 कनाल, 1 मरला है तथा जो गांव गिंडेरान, तहसील डबवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डबवाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगल किशोर पुत्र श्री बास देव  
निवासी मकान नं० 130, शिवाजी पार्क,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. (1) सर्व श्री जयकरन दास, मोहन लाल पुत्रान  
श्री मूम्बा राम,

(2) श्री साहिब राम पुत्र श्री हरदियाल  
गांव मैम्बर खेड़ा, तहसील डबवाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 88 कनाल 1 मरला जोकि गांव गिंडेरान तहसील डबवाली में स्थित है तथा जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता डबवाली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 339 तिथि 17-8-1979 में दर्ज है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोटहक

तारीख : 23 जनवरी, 1980

मोहर :

## प्रथम भाई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/24/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9, सरदार बल्लभ भाई पटेल मार्केट है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छद्मसे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री धानी दास पुत्र श्री गोर्धन दास निवासी ए-92, माडल टाउन, करनाल

(2) श्री राज बक्श पुत्र श्री लाल चन्द

निवासी बी-223, माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

2. सर्वे श्री हंस राज, मुख राज, पुजान श्री राम चन्द निवासी 78, दयाल सिंह कालोनी, करनाल शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 1, जोकि सरदार बल्लभभाई पटेल मार्केट, करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2876, तिथि 9-8-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 24 दिसम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 23 जनवरी, 1980

निदेश सं० एस० पी० टी०/4/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 14/15, मलिक कालोनी है तथा जो 5 सोनीपत में स्थित है (और इ से उपाबद्ध अनुसूची में और से पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1979 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शुदर्शन कुमारी स्त्री श्री सोहन लाल,  
37-आर०, माडल टाऊन, सोनीपत।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द अरोड़ा, सुपुत्र श्री वेद प्रकाश अरोड़ा  
14/15, मलिक कालोनी, सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 14/15, मलिक कालोनी सोनीपत और जैसा कि अधिक विवरण उप रजिस्ट्रार, सोनीपत द्वारा सेल डीड रजिस्ट्री में क्रमांक संख्या 1088 दिनांक 31-5-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 23-1-1980  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/6/79-80—अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 48 है, तथा जो नई मंडी, करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का वे कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भी भाग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री परम राम तथा जयप्रकाश पुत्रान श्री हरीराम रेलवे रोड, करनाल ।

(अन्तरक)

2. श्री राम कंवार पुत्र श्री प्यारे लाल पुत्र श्री ताले राम निवासी नई मंडी, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबधि, जो भी प्रबधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 48, जोकि नई मंडी करनाल में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 962 तिथि 21-6-1979 में दिया गया है ।

गो० सिंह गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-2-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी 1980

निवेदन सं० के० टी० एल०/2/79-80—अतः मुझे गो० सिंह गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 1504 है, तथा जो जवाहर गंज, मन्डी कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री प्रेम चन्द सुपुत्र श्री श्रीमप्रकाश  
श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री श्रीमप्रकाश  
निवासी कैथल

(अन्तरक)

2. श्री पदम कुमार सुपुत्र श्री प्यारे लाल  
श्री सुशील कुमार सुपुत्र श्री पदम कुमार  
निवासी कैथल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 1504 जो कि जवाहर मन्डी कैथल में स्थित है । तथा जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्री कर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 469 दिनांक 26-5-79 में दिया गया है ।

गो० सिंह गोपाला  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2 फरवरी, 1980

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी 1980

निदेश सं० जे० डी० आर०/4/79-80—अतः मुझे, गो० मिहू गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० रिहायसी मकान नं० 26 सी, है तथा जो माडल टाउन, यमुना नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों—

1. श्रीमती लीला राय विधवा श्री मलिक महाराज आनन्द निजामी 30-सी, माडल टाउन, यमुना नगर।

(अन्तरक)

2. श्री नरेण चन्द्र गर्ग सुपुत्र श्री कान्ती चन्द्र गर्ग 26-सी, माडल टाउन, यमुना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अवशोद्धरण :—इसमें वर्णित पक्षों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 26 सी, जोकि माडल टाउन यमुना नगर में स्थित है तथा जिनका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1530, दिनांक 25-6-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1980

निवेश सं० के० एन० एल०/3/79-80—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जुन  
रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो करनाल में स्थित है (और  
इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन सई, 1979

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पर पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, न्यूनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री आसानन्द तथा नानक चन्द  
पुत्रान श्री जोधा राम  
निवासी करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री राम दास पुत्र श्री बेला राम  
निवासी करनाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोद्विस्तारी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति दुकान जोकि करनाल में स्थित है तथा जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री  
क्रमांक 765, दिनांक 18-5-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-2-1980

मोहर।

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० बी० जी० आर०/13/79-80—अतः, मुझे गो०,  
सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सतम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी  
सं० 3-जी/200, एन० आई० टी० है तथा जो फरीदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
19/466GI/79

1. (1) श्रीमती चन्द्र मुखी सुपुत्री श्री (स्वर्गीय)  
अन्तर चन्द  
(2) श्री भरत भूषण सुपु. श्री (स्वर्गीय) अन्तर चन्द  
निवासी फरीदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द हंस सुपुत्र श्री बेलाराम  
निवासी मकान नं० 3 जी/200, एन० आई० टी०  
फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी तयों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति रिहायसी मकान नं० 3 जी/200 एन० आई० टी०  
फरीदाबाद में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1312, दिनांक  
26-5-79 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 4-2-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० बी०जी०आर०/14/79-80—अतः मुझे, गो० सि०

गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 84 है, तथा जो सेक्टर सात ए, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए पर्याप्त मात्रा में प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में लगी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरजीत सिंह सुपुत्र श्री मोहन सिंह  
10, डाक्टर मुन्दरी मोहन एवेन्यू, कनकता  
(अन्तरक)

2. श्री गरीब सिंह तथा हरी सिंह सुपुत्रान श्री विशन सिंह  
मकान नं० 84, सेक्टर 7ए, फरीदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अग्रधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अग्रधि, जो भी अग्रधि बाद में प्रमाण्य होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरों के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें यथार्थ सभ्य और सभ्यता, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति रिहायसी मकान नं० 84 जोकि सेक्टर 7ए, फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1388, दिनांक 29-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-2-1980  
मोहर:

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० एन० एन० एन०/1/79-80—प्रतः मुझे, गो० सि०  
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति त्रिवेणी उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 3000 वर्ग गज भूमि है तथा जो पुरानी मंडी,  
नारनौल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नारनौल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर्युक्त दृश्यमान  
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल  
निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
रूपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम चन्द्र, नारायण प्रसाद, हीरालाल सुपुत्रजान  
श्री चुनी लाल जांगडा ब्राह्मण, निवासी नारनौल।

(अन्तरक)

2. श्री हरफूल सुपुत्र श्री शिवराम,  
पुरानी मन्डी, नारनौल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना द्वारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जोकि 3000 वर्ग गज है तथा पुरानी मंडी नारनौल  
में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
नारनौल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 228 दिनांक 9-5-79  
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 4-2-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० पी० एन० पी/1/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसकी ताप 62 बीघा, 4 बिस्वे है तथा जो पट्टी राजपूताना, पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा को बाधित उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य अस्तित्वों को उक्त भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोक्षताय शर्तों की द्वाारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बिमला चौधरी, विधवा श्री लक्ष्मण दास निवासी मकान नं० 188, माडल टाउन, पानीपत।  
(अन्तरक)

2. श्री हृदय राम सुपुत्र श्री लक्ष्मण दास निवासी मकान नं० 421/8, पानीपत।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि जोकि 62 बीघे 4 बिस्वे है व पट्टी राजपूताना पानीपत में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 637, दिनांक 24-5-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 4-2-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—+—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी, 1980

अतः मुझे गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर  
आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि 70 कनाल 12 मरले है तथा जो  
गांव बादशाहपुर ठेठर (गुड़गांव) में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कन के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, इसे  
दृश्यमान प्रतिकल का मन्दांक प्राप्तगत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या जा किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हरबन्स सिंह तथा जगदीश सिंह सपुत्रान, श्री  
उमदा सिंह सुपुत्र श्री बखतावर सिंह निवासी गांव ठेठर  
तह० वजिला गुड़गांव ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शिवलाल व बदन सिंह सपुत्रान श्री मूसे  
सुपुत्र श्री वजीर

(2) श्री बेगराज सुपुत्र छाजन

(3) श्री दूली सुपुत्र श्री पहलाद

निवासी गांव बादशाहपुर ठेठर, तह० वजिला गुड़गांव  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी  
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जोकि 70 कनाल 12 मरले है व गांव शिवाना  
ठेठर (गुड़गांव) में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 550,  
दिनांक 16-5-79 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 4-2-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नई दिल्ली आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० जो० आर० जी०/11/79-80—प्रतः मुझे गो० सि० गोपाल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 24 एल है तथा जो न्यू कालोनी गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का रूप में दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तर्लिखित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; छीर/या

(ख) ऐसी किसी धाय या हिणो धन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

धनः धन. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मा...

1. श्री कन्हैया लाल पोसवाल सुपुत्र श्री माम चन्द निवासी 47 एम० एल० ए० प्लेट, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. (1) श्री विशन सिंह सुपुत्र श्री अनौखा सिंह  
(2) श्री सतविन्द्र सिंह सुपुत्र श्री विशन सिंह निवासी कोठी नं० 24, एल० न्यू कालोनी, गुडगांव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 24 एल जो कि न्यू कालोनी गुडगांव में स्थित है और जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 739, दिनांक 26-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रीख 4-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निर्देश सं० एस० आर० एस०/5/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो माल गोदाम रोड, सिरसा, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाहर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्रमो करने या उतने उतने में सुविधा के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्थ. वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा एकट नहीं किया गया था, या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिना;

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कशमीरी लाल सुपुत्र श्री भजुराम सुपुत्र श्री रामचन्द्र निवासी सिरसा। (अन्तरक)

2. (1) श्री मोहन लाल एवं मूल चन्द सुपुत्र श्री प्रेमचन्द
- (2) श्री हंस राज, मुख् राज, सोहन लाल सुपुत्र श्री मेहंगा राम
- (3) श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री देश राज सुपुत्र श्री महंगा राम
- (4) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री जयचन्द पुत्र श्री मेहंगा राम निवासी गांव सहारानी, तह० सिरसा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के पश्चात् में कांटे जो आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब.० में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वास्तव्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहम्नाशरी के पाप लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान जोकि माल गोदाम रोड, सिरसा में स्थित है और जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 801, दिनांक 19-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 4-2-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 फरवरी 1980

निदेश सं० एस० आर० एस०/7/79-80—अतः मुझे, गो०  
सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है,  
और जिसकी सं० जमीन जिसका नाम 104 कनाल 6 मरले  
है तथा जो कि गांव कुत्ताबड़ तह सिरसा में स्थित है और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रत्यक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए न तो राया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रकरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आश की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के धन्वरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या कति धन या अन्य वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरी किशन लाल, भोज राज, देश राज एवंशोक्त  
सुपुत्रान श्री हाकम चन्द  
निवासी गांव रस्ताखड़ा, तह० सिरसा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री देवचन्द, देवी राम सुपुत्र श्री ख्याली राम  
(2) श्री निहाल चन्द सुपुत्र श्री देव चन्द  
निवासी गांव मेहना खेड़ा, तह० व जिला  
सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो प्रारंभ बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसकी पैमाइस 104 कनाल 6 मरले है और  
गांव कुत्ताबड़ तह० सिरसा में स्थित है और जिसका और अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक  
1092, दिनांक 29-5-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 4-2-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1980

निदेश सं० 61/जून/79—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7, कोडी चेट्टी, स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०-I मद्रास नार्थ, (डा० नं० 2668/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त धाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
20-466GI/79

1. श्री अरमेनियन चर्च

(अन्तरक)

2. (1) हिमरान एम० अब्दुल हुसैन,

(2) सैफुद्दिन हुसैन अली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त उपाबद्ध सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 2668/79 जे० एस० आर०-I मद्रास नार्थ भूमि और निर्माण डोर नं० 7, कोडी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 11-2-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/1-80/988—प्रतः  
मुझे, जी० सी० अग्रवाल  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० एस-II है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 8-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को राजत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

1. श्री मनजीत सिंह, निवासी 36 डबल स्टोरी,  
नया राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री हरबंस लाल मेहरा  
निवासी 20/80, शक्ति नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रावण।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तब बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बख्साय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
बख्साय में दिया गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला मकान जो प्लॉट क्षेत्रफल 600 वर्ग गज  
पर बना है जिसका नं० 11 ब्लॉक एस० जो रिहायशी कलोनी  
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : प्लॉट नं० एस-13  
पश्चिम : प्लॉट नं० एस-9  
उत्तर : सड़क  
दक्षिण : सविस लेन

जी० सी० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रजन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख 18-1-80

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/1-80/989/—प्रतः  
मुझे जी० सी० भगवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एम-50 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 9-6-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भोमप्रकाश गिरधर पुत्र श्री कुन्दन लाल गिरधर  
निवासी ए-9, एन० डी० एस० ई०-I, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. बिप्रेडियर रमेश चन्द्र घई, पुत्र श्री रूपलाल घई  
निवासी डी०-371, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड रिहायशी प्लॉट नं० 50, ब्लॉक नं० एम,  
क्षेत्रफल 250 वर्ग गज जो रिहायशी कालोनी, ग्रेटर कैलाश-II,  
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : सविस लेन  
दक्षिण : प्लॉट नं० एम-52  
पूर्व : सविस लेन  
पश्चिम : सड़क

जी० सी० भगवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 जनवरी 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/1-80/990—अतः  
मुझे जी० सी० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 10 है, तथा जो गोल्फ लिंकस, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—

1. मै० लक्ष्मी एण्ड कं०, एक शाखा  
मै० मोनटरी इन्टरप्राइसिज प्रा० लि०,  
16, मरीना, आरकेड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मै० रैंक फार्मैचिकल्स प्रा० लि०  
ई-43, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभाति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखाया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो प्लॉट क्षेत्रफल 1250 वर्ग गज  
पर बना है, 10 गोल्फ लिंकस, नई दिल्ली में स्थित है ।

जी० सी० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख 19-1-1980

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1980

सं० ए० सी० ब्यू०-23-2428(928)/1-1/79-80—

अतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 475, पैकी सब प्लॉट नं० 2-ए,  
2 बी, 3ए, 3 बी, 4ए, तथा 4-बी, है तथा जो  
(टी० पी० एस० 28), बाइज, अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निश्चित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लालभाई चुनीलाल पटेल,  
एलीसब्रीज,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री बलजीत को० आ० हा० सोसायटी लिमिटेड,  
10, माणिक एवेन्यू, को० आ० सो० लिमिटेड के मार्फत  
नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में संपन्न होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोद्धान्तरो के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शीर्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 475 पैकी सब प्लॉट नं० 2ए,  
2बी, 3ए, 3बी, 4ए, तथा 4बी-3327 वर्ग गज है, जो बाइज  
अहमदाबाद में स्थित है जो बिक्री दस्तावेज नं० 9716/21-10-78  
से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदाबाद (37 जी का फॉर्म  
सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद से मई 1979 के प्रथम फोर्टेनाइट में  
प्राप्त हुआ) द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है थाने प्रापटी का पूर्ण वर्णन  
उसमें दिया गया है ।

एस० एन० मांडल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 21-1-19780

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

भारतीय वन सेवा परीक्षा 1980

सं० एफ० 13/1/79-प० I(ख)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 फरवरी 1980

भारत के राजपत्र दिनांक 23 फरवरी, 1980 गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ग्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम, में 10 अगस्त, 1980 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उनके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जायेगा। (देखिये, अनुबन्ध पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 100 है, (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिये 15 रिक्तियां और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये 8 रिक्तियां सम्मिलित हैं)। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. परीक्षा, में प्रवेश चाहने वाले, उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। निर्धारित आवेदन पत्र तथा परीक्षा से सम्बन्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिये। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं। जो दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जायेगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1980 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1980 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से

इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

4. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 21 अप्रैल, 1980 (21 अप्रैल, 1980 से पहले की तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 5 मई, 1980) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिये। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 21 अप्रैल, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 12.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग--परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो पाये और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजी जायें।

जिन आवेदन पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो, (किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं

दिया गया हो तो उसे रु० 30/— (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामलों में रु० 8.00) की राशि वापस कर दी जायेगी।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रखा जा सकेगा।

8. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारों की वापसी के लिये उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा।

आर० एम० अहलुवालिया,  
उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

#### अनुबन्ध

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवार को आवेदन पत्र भरने से पहले अपनी पात्रता समझ लेने के लिये नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिये निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पराग्राफ 1 में दिये गये केन्द्रों में किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिये। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बन्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन प्रपत्र तथा पावती-कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो जो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैनिक ढर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवर्षन (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिये।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रति (देखिये नोटिस का पैरा 5 और 6 और नीचे पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिये। इनमें से एक प्रति आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिये और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिये।
- (v) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (vi) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 4)।
- (vii) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 5)।
- (viii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ है।

नोट—उम्मीदवारों को आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त

मद (ii), (iii), (vi और vii) उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर, 1980 महीने में घोषित किये जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण पत्रों की व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिये। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण

पक्षों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी और उनका आगे विचार किये जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे और पैरा 6 में दिये गये हैं और मद (vi) और (vii) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिये गये हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाये तथा उस पर "सचिव" संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिये।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिये कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किये गये हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :-

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिये और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिये तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिये।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण पत्र का माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष मानने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आये मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों का मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिये गये प्रमाण पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिये।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र हो, उसे उस प्रमाण पत्र की केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये।

नोट 2:—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिये कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जायेगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्र:—उम्मीदवार को एक प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिये ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण पत्र न भजा जाय तो उम्मीदवार को उसे न भजने का कारण अवश्य बताना चाहिये और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिये। आयोग इस साक्ष्य की गुणवत्ता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिय बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समथन में डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने के सम्बद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिये गये हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य

भेजनी चाहिये कि उसने नियम 5 में निर्दिष्ट विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:—उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हों जिसे उत्तीर्ण पर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिये शैक्षिक दृष्टि से पात्र हो जाते हैं किन्तु इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(iv) फोटोग्राफ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहियें। इनमें से एक प्रति आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिये। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिये।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3(ii), 3(iii), और 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण पत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जायेगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र के साथ न भेजे गये हों उन्हें आवेदन पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिये और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाना चाहिये अन्यथा आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके मातापिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिये गये फार्म में प्रमाण पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिये। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण पत्र उम जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिये जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*—

—सुपुत्र/सुपुत्री\* /श्री—

जो गांव/कस्बा\*/जिला मंडल\*—

राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र—

के/की/निवासी है—

जानि/जन जाति के/की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जानि/अनुचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां), आदेश, 1950।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश, 1951।\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश, 1951।\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (अशोधन), आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र पुनर्गठन अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1956।\*

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959\* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962।\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962।\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।\*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।\*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां, आदेश, 1968।\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*—

और/या\* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\*—  
में जिला/मण्डल\*—में राज्य/

संघ\* राज्य क्षेत्र \_\_\_\_\_में  
रहते/रहती\* है ।

हस्ताक्षर\_\_\_\_\_

\*\*पदनाम\_\_\_\_\_

(कार्यालय की मोहर)

स्थान\_\_\_\_\_

तारीख\_\_\_\_\_

राज्य\*

संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आमतौर से रहते/रहती है” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेंटेशन आफ पीपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/ऐडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब+ डिवाजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

†(प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) (क) नियम 4 (ख) (ii) अथवा 4(ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) के विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रव्रजन कर भागत आया है।

(1) दण्डाकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह उस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बन्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, सम्बन्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ii) नियम 6(ख) (iv) अथवा 6(ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण/पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत/श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 4(ख) (vi) अथवा 4(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह बर्मा में आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 4(ख) (viii) अथवा (ख) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिये गये निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट\_\_\_\_\_

के रैंक नं०\_\_\_\_\_श्री\_\_\_\_\_

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त\* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर\_\_\_\_\_

पदनाम\_\_\_\_\_

तारीख\_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 4(ख)(x) या 4(ख)(xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—  
के रैंक नं०—श्री—

सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

(vi) नियम 4(ङ)(xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) नियम 4(ख)(xiii) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रव्रजन कर आये हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिये गये प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर आया है।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (iii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस किसी व्यक्ति के लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही दिया जायेगा।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किये गये/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तब स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया हो।

10. यदि परीक्षा से सम्बन्ध आवेदन-पत्रों के पहुँच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिये।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार न ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकायें प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहाँ बिक्री के लिये मिलती हैं और उन्हें उनके यहाँ से सीधे मेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लॉक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) बिक्री केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकायें विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन पत्र से सम्बन्ध पत्र-व्यवहार—आवेदन-पत्र संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग,

घौसपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये—

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष ।
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो ।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में ।
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता ।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा संभव उन पर ध्यान नहीं दिया जाये ।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें । पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिये । यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता ।



**SUPREME COURT OF INDIA**  
New Delhi, the 1st February 1980

No. F.6/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri R. P. Dua Stenographer Grade 'C' of Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health), Government of India, as an Officiating Private Secretary to the Hon'ble Judge, Supreme Court of India, with effect from the afternoon of February 1, 1980 until further orders.

**MAHESH PRASAD**  
Dy. Registrar (Admn. J.)

**CENTRAL VIGILANCE COMMISSION**

New Delhi, the 30th January 1980

No. N9 RCT 21.—In supersession of Central Vigilance Commission Notification No. 2/33/77-Admn., dated 15th October 1977, the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. Paul, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in an officiating capacity for the under mentioned periods :

26-9-77 to 24-12-77.  
26-12-77 to 25-3-78.  
27-3-78 to 24-6-78.  
26-6-78 to 23-9-78.  
25-9-78 to 23-12-78.  
26-12-78 to 25-3-79.  
27-3-79 to 24-6-79.  
26-6-79 to 23-9-79.  
25-9-79 to 23-12-79.  
26-12-79 to 24-3-80.

**K. L. MALHOTRA**  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commissioner

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS**  
DEPT'L. OF PERSONNEL & A.R.

**CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 30th January 1980

No. A-31015 1/75-AD-I.—In exercise of the powers conferred by rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal), Rules 1965, Director, C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following officials as Sr. Sc. Assistants, C.F.S.L. in the C.B.I. in a substantive capacity with effect from 7th October 1978 :—

Name, designation and Date of Birth

S/Shri

1. G. D. Gupta, Jr. Scientific Officer 2-6-42.
2. K. K. Arora, Sr. Scientific Officer 11-2-41.
3. N. K. Prasad, Sr. Sc. Assistant 29-2-40.
4. K. S. Chhabra, Sr. Sc. Officer 10-5-43.
5. S. C. Mittal, Sr. Sc. Officer 28-11-45.
6. S. K. Mukhopadhyaya, Sr. Sc. Assistant 4-7-43.
7. H. R. Aggarwal, Sr. Sc. Assistant, 24-5-47.
8. D. S. Choukotra, Sr. Sc. Assistant 2-7-45.
9. R. S. Kotangle, Sr. Sc. Assistant 5-9-46.
10. B. D. Brahmachari, Sr. Sc. Assistant 12-6-48.
11. Rup Singh, Sr. Sc. Assistant 12-4-41.

The 4th February 1980

No. A-35018/15/79-Ad-I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Mani Lal Roy Chowdhury, Sub-Inspector of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st January 1980 until further orders.

**Q. L. GROVER**  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA**

New Delhi-110011, the 30th January 1980

No. 11/73/79-Ad.I-3416.—The President is pleased to appoint Shri Daniel Kent, an officer belonging to the Indian Frontier Administrative Service and at present working as Special Secretary to the Government of Nagaland, Education Department, as Director of Census Operations, Nagaland, in *ex-officio* capacity, with effect from the afternoon of 4 January 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Kent will be at Kohima.

**P. PADMANABHA**  
Registrar General, India

**DIRECTORATE OF PRINTING**

New Delhi, the 30th January 1980

No. J(7)/All.—Shri K. C. John, Assistant Manager (Technical) in the Government of India Press, Rashtrapati Bhavan, New Delhi, Directorate of Printing, on attaining the age of superannuation retired from Government service on the afternoon of 31st December 1979.

**B. N. MUKHERJEE**  
Jt. Director (Admn.)

**MINISTRY OF FINANCE**

**(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)**

**SECURITY PAPER MILL**

**HOSHANGABAD (MP)**

Hoshangabad, the 30th January 1980

No. 7(46)/10882.—Shri A. P. Nemade is appointed in the post of Artist Engraver from the Forenoon of 26-12-79 in the Pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. He will be on probation for the period of 2 years from the date of appointment.

**S. R. PATHAK,**  
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT**

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,  
WESTERN RAILWAY**

Bombay, the February 1980

No. SA/HQ/Admn/PC/6896.—Shri M. V. Patwardhan, Permanent Audit Officer, retired from service on 31-1-1980 on attaining the age of superannuation.

**S. P. BHOBE,**  
Audit Officer (Admn.)

**MINISTRY OF DEFENCE**

**ORDNANCE FACTORY BOARD**

**INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

Calcutta, the 19th January 1980

No. 65/G/80.—On attaining the age of superannuation the undermentioned officers retired from service with effect from dates shown against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Date of retirement
1	2	3
1.	Shri P. M. Athavale, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager)	31-8-79 (A.N.)
2.	Shri V. G. Vidwans, Offg. Dy. Manager, (Subst. & Permt. Asstt. Manager)	30-9-79 (A.N.)

1	2	3
3.	Shri R. M. Bhise, Offg. Dy. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30-9-79
4.	Shri L. Jones, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. A.S.H.)	31-8-79 (A.N.)
5.	Shri K. S. Viswanathan, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	30-9-79 (A.N.)
6.	Shri V. R. Oturkar, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31-10-79 (A.N.)
7.	Shri V. Krishnamurthy, Offg. Dy-Manager (Subst. & Permt. Foreman)	31-10-79 (A.N.)
8.	Shri K. N. Srivastava, Offg. A. M. (Subst. & Permt. Staff Asstt.)	31-10-79 (A.N.)

The 24th January 1980

No. 1/80/G.—The President is pleased to appoint Dr. B. R. Chaudhuri, Offg. P.M.O. (on ad-hoc basis) on regular basis in the grade w.e.f. 14th Sep. 1979, until further order.

V. K. MEHTA

Asstt. Director General, Ordnance Factories.

#### MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 29th January, 1980

#### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn(G)7586.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Sahota, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 5-11-1979 to 21st December, 1979.

2. The President is also pleased to appoint Shri J. S. Sahota, as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 28th January 1980

No. A-19018(136)/74-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Chatterjee, Assistant Director (Gr. II) Branch Small Industries Service Institute, Agartala as Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the 24th September, 1979 (F.N.), until further orders.

The 30th January 1980

No. A-19018(444)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Sirigiri Reddy E. Reddy, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Small Industries Service Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

The 1st February 1980

No. A-19018(449)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Muniswamy Jayaraman, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation/Statistics) in the Small Industries Service Institute, Madras, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

The 5th February 1980

No. 12(7)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Singaram, Deputy Director (Leather/Footwear) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Director (Gr. II) (Leather/Footwear) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 7th January, 1980, until further orders.

No. A-19018(459)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri B. C. Mallik, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation and Statistics) in the Small Industries Service Institute, Cuttack as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis in the Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 16-10-1979, until further orders.

M. P. GUPTA  
Dy. Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 1st February 1980

#### ORDER

No. 18(1)/80-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby authorise all Officers not below the rank of an Assistant Director or of an Assistant Enforcement Officer either in the Office of the Textile Commissioner at headquarters or in the regional offices to exercise on my behalf my powers under sub-clause (3) of Clause 3 of the said Order.

M. C. SUBARNA  
Textile Commissioner.

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

#### DTE. GENERAL OF SUPPLY & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 28th January 1980

No. A6/247(400)/62-II.—The President has been pleased to appoint Shri D. Ramanujam, Asstt. Inspecting Officer (Met) at Bhilai under the Jamshedpur Inspectorate to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met Branch) on ad-hoc basis in the same office w.e.f. 3-12-79 (FN) and until further orders.

Shri Ramanujam relinquished charge of the post of AIO (Met) and assumed charge of the post of ADI (Met) at Bhilai under the Jamshedpur Inspectorate on 3-12-79 (FN).

K. KISHORE  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals.

#### SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 2nd February 1980

No. F1-5594/724-SOS.—Shri K. Ramaswamy is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550-25-750-

EB-30-900 with effect from the forenoon of 17th January 1980.

K. L. KHOSLA, Major-General  
Surveyor General of India.

**DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO  
(CIVIL CONSTRUCTION WING)**

New Delhi-110001, the 24th January 1980

No. A-35018/2/78-CW-I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Gurbux Singh, an Assistant Engineer of CPWD as Assistant Surveyor of Works(C) CCW AIR New Delhi on deputation in the pay scale Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 1-1-1980 for a period of one year in the first instance.

The Pay and Allowances of Shri Gurbux Singh will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E.III/60, dated 4-5-1961 as amended from time to time.

No. A-35018/2/78-CW-I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri R. P. Mathur, an Assistant Engineer of Central Public Works Department as Assistant Engineer (Civil), Civil Construction Wing, All India Radio, Calcutta on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 10-12-1979 for a period of one year in the first instance.

The Pay and Allowances of Shri R. P. Mathur will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E.III/60, dated 4-5-1961 as amended from time to time

S. RAMASWAMY  
Engineer Officer to Addl. CE(C)  
for Director General.

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY**

New Delhi, the 29th January 1980

No. A.31014/1/79-Fst.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints the following officers in substantive capacity in the post of Senior Artist in this Directorate with effect from 21st January, 1980 :—

1. Shri Umesh Verma.
2. Shri A. K. Mukherjee.
3. Shri S. V. Ghorpade.
4. Shri Ram Kishore Yadav.
5. Shri Samar Dutta Gupta
6. Shri Subrata Das.
7. Shri H. N. Bhattacharjee.
8. Shri N. B. Paunikar.

The 2nd February 1980

No. A 12025/1/79-Fst.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Hardeen Singh as Senior Artist in a temporary capacity with effect from 28th January, 1980, until further orders.

I. R. LIKHI  
Dy. Director (Admn).  
for Director of Advertising & Visual Publicity

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES  
(STORE SECTION)**

New Delhi, the 17th December 1979

No. A.19012/12/79-SI.—On attaining the age of superannuation Shri N. T. Shastri, Assistant Depot Manager Government Medical Store Depot, Bombay retired from service

on the afternoon of the 29th November, 1979 (30th being a closed holiday).

The 29th January 1980

No. A.32014/4/79-SI.—In continuation of the orders contained in this Directorate notification No. A.32014/4/79 SI dated 21-7-79 the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. D. Lahiri, Office Supdt. Government Medical Store Depot, Calcutta, in the post of Assistant Depot Manager in the same Depot on an *ad hoc* basis for a further period of six months with effect from the afternoon of 19-12-79, or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

SHIV DAYAL  
Dy. Director Administration (St.)

New Delhi, the 14th January 1980

No. A.19019/39/77 CGHS-I.—Consequent upon his transfer from CGHS Meerut to CGHS Kanpur, Dr. R. K. Mishra relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under the CGHS Meerut with effect from the afternoon of 22-6-1979 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under CGHS Kanpur with effect from the forenoon of 23-6-1979.

The 28th January 1980

No. A.12023/1/79-CGHS-I.—Consequent upon his appointment under the CGHS Delhi Shri P. K. Ghei, Section Officer in the Ministry of Health and Family Welfare, assumed charge of the post of Administrative Officer, under CGHS Delhi with effect from the forenoon of 27th December, 1979.

N. N. GHOSH.  
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 18th January 1980

No. A.22013/1/79-Admn I(Pt).—On attaining the age of superannuation Shri A. D. Sharma, a permanent Assistant in the Directorate General of Health Services and officiating as Section Officer retired from service on the afternoon of 31st December, 1979.

S. L. KUTHIALA  
Dy. Director Admn. (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)**

**DIRECTORATE OF EXTENSION**

New Delhi, the 17th January 1980

No. 5-65/79-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointment of Shri N. Sivarama Krishnan in the post of Assistant Exhibition Officer (Grade I) is further continued with effect from 1st March, 1979 to 29th February 1980

B. N. CHADHA,  
Director of Admn.

**NATIONAL SUGAR INSTITUTE  
(DEPARTMENT OF FOOD)**

Kanpur, the 30th January 1980

No. Fstt.19(6) —Shri S. K. Gupta, Senior Technical Assistant at National Sugar Institute is appointed to officiate as Junior Technical Officer (Sugar Technology) on *Ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 25-1-1980, till further orders.

N. A. RAMAIAH,  
Director

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)  
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 29th January 1980

No. NAPP/Adm/1(166)/80-S/1096.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri K. C. Taneja a permanent Assistant Foreman in Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of January 4, 1980 until further orders.

S. C. JAIN  
Asstt. Personnel Officer  
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400 001, the 4th January 1980

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./137.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy

appoints Shri P. S. Rao, a temporary Assistant Accounts Officer in the Department of Atomic Energy to officiate as Accounts Officer II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Kota Regional Accounts Unit of the Directorate of Purchase and Stores with effect from the forenoon of November 30, 1979 until further orders vice Shri C. K. Raghavan, Accounts Officer-II transferred to the Principal Accounts office of the Department of Atomic Energy, Bombay.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

P.O. Anushakti, the 30th January 1980

No. RAPP/04627/1(468)/Adm/S/652.—Consequent upon his transfer to Narora Atomic Power Project, P.O. Narora, Distt. Bulandshahr (UP), Shri K. C. Taneja, a permanent Asstt. Foreman of Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Project relinquished charge of his post in the afternoon of 31st December, 1979.

GOPAL SINGH,  
Administrative Officer(F)

DEPARTMENT OF SPACE  
ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 15th January 1980

No. 020/3 (061)/P/80.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned Officers of the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space to the posts and w e f the forenoon of the dates as indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore in an officiating capacity and until further orders :

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted	Post & grade to which promoted	Date
S/Shri				
1.	A Shivalingaiah	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
2.	S V K Sharma	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
3.	R C Mahajan	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
4.	M S Nagaraj	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979
5.	P C Marimuthu	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-10-1979

S. SUBRAMANYAM  
Administrative Officer II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st January 1980

No. A-32014/2/79-EA.—Shri H. B. Roy, Asstt. Aerodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum reverted to the post of Aerodrome Assistant with effect from the 1st January, 1980.

V. V. JOHRI, Asstt. Director of Admn.

New Delhi, the 28th January 1980

No. A-32013/10/79-EI.—In continuation of this office Notification No. A-32013/10/79-EI dated 19-9-79 the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department, New Delhi, for a further period of 14 days with effect from 20-10-79 vice Shri P. R. Loroiya and for a period of 45 days from 3-11-1979 to 17-12-1979 vice Shri S. C. Bhatia.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-2, the 28th January 1980

No. 1/80.—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-880-

40-1000-E.B.-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	O. Kripa Rao	Customs Preventive, Chidambaram, Cuddalore Division.	12-10-1979
2.	C. Balakrishnan	Divisional Office, Ramanathapuram.	30-10-1979
3.	E. P. Rowland	Headquarters Office, Madurai.	15-12-1979
4.	K. Krishnamurari	City M. O. R., I.D.O., Madurai.	22-12-1979
5.	S. Gurusamy	Venkatachalapuram M.O.R. at Sattur, Sivakasi Division.	28-12-1979
6.	V. K. Sekaran	Customs Circle, Rameswaram.	28-12-1979
7.	S. Guruviah	Virudhunagar M.O.R. Sivakasi Division.	31-12-1979
8.	M. S. Velu	Arumuganeri M.O.R. Tirunelveli Division.	31-12-1979
9.	A. Viswanathan	Hqrs. Office, Madurai.	2-1-1980
10.	R. Ganesan	Customs Preventive, Tuticorin.	7-1-1980
11.	N. Alwar	Sattur M.O.R.I., Sivakasi Division.	9-1-1980
12.	T. Muthiah	Hqrs. Office, Madurai.	9-1-1980
13.	A. N. Dhanasingh	Rajapalavam M.O.R., Sivakasi Division.	12-1-1980
14.	M. Poosamy	Customs Circle, Rameswaram.	19-1-1980

No. 2/80.—Kum. D. Lilly, Office Superintendent, Deputy Collector's Office, Coimbatore, Madras Collectorate is appointed to officiate until further orders as Administrative Officer of Central Excise (Group 'B') in the scale of pay of

Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. She assumed charge as Administrative Officer on 26-11-1979 at Central Excise Divisional Office, Tirunelveli.

R. JAYARAMAN,  
Collector

Madras-600034, the 30th January 1980

No. IV/16/384/78-Ex. Adj II.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (I) of Rule 232-A of the Central Excise (seventh amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in section 33 of the Act are as follows :—

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri Janardhnan and Shri Velusamy	D No 115—West Vinayakar Koil Street, Coimbatore-28 (uthayampalayam)	Rules 65, 174 and 231 of Central Excise Rules, 1944 read with Section 259 and 260 of IPC 1860 <sup>1</sup>	Convicted and sentenced to pay a fine of Rs 200/- each under Section 9 (1) (bbb) (ii) of Central Excise Act in default to suffer RI for two months for the offence under the Central Excise Act and Rs. 400/- in default to suffer RI for two months and ITRC (Imprisonment till Rising of the Court) each under each of the IPC offence
2.	Smt. Pappammal and Shri S P Natarajan (licencee's power agent)	L.5 No 38/77, Gobipalayam Post Gobi Taluk	Rules 144, 151-C and 223 (1) of Central Excise Rules, 1944 and Section 9 (1) (b) and 9 (1) (bb) of Central Excises and Salt Act, 1944	Both the accused were convicted and sentenced to pay fine of Rs. 250/- each or to undergo R. I. for 2 months.
3.	Shri C Venkatachalam	L.5 No 19/68, Dasampalayam, Puliampatty, Perier District	Rules 151 (C) of Central Excise Rules, 1944 and Section 9 (1) (b) and 9 (1) (bb) of Central Excises and Salt Act, 1944	Sentenced to undergo six months R.I.
4. 1	Shri Sathiyamoorthy	Sivam & Company Beedi factory	Rule 9 (2), 52A (5) 226 and 40	All the four accused were sentenced to pay a fine of Rs. 100/- on each count (i.e Rs. 200/- each)
2	Shri T Paramasivam (Partner of Sivam & Co)	13-Subramaniaswamy koil street,	of Central Excise Rules, 1944	
3	Shri Sivam & Co	Vellore	Section 9 (1) (b) and 9 (1) (bb) of the Central Excises and	
4	Shri A Thangavelu (L. 2 No 125/74)	L 2 No 125/74, D No 25, Arumuga-Mudaliar Street, Salavanpett, Vellore	Salt Act, 1944.	

## II Departmental Adjudication

—NIL—

B. R. REDDY,  
Collector of Central Excise

Patna, the 2nd February 1980

No. II (7) 2-E T /79/695.—In pursuance of this office Establishment Order Nos 358/78 dated 28-12-78, 48/79 dated 31-1-79, 76/79 dated 17-2-79, 300/79 dated 1-9-79 and 381/79 dated 24-12-79 following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as Superintendent, Group 'B' Central Excise and Customs in the scale of Rs 650-30-740-35-810-E.B -35-880-40-1000-E. B -40-1200/- plus other usual allowances as admissible under rules have assumed charge as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each :—

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Kanhaiya Singh	Superintendent, Central Excise (P), Patna	26-2-79 (F N)

1	2	3	4
2. Ram Ratan Sinha		Superintendent, Central Excise, Kalyanpur Range	2-4-79 (F.N.)
3. Dharam Nath Pd		Superintendent, Customs, Jayanagar	6-3-79 (F.N.)
4. Baldeo Prasad, No 2		Superintendent, Central Excise, Lalgunj Range	27-2-79 (F.N.)
5. K. P. Choudhary		Superintendent (L/R), Central Excise Jamshedpur	23-3-79 (F.N.)
6. Tarakant Jha		Superintendent, Central Excise, Karanpura (S R P)	4-6-79 (F.N.)
7. Dinesh Jha		Superintendent, Customs, Nirmali	8-3-79 (F.N.)
8. George Victor J. Ekka		Superintendent, Central Excise, Samastipur	9-3-79 (F.N.)
9. Victor Caestine Topne		Superintendent, Central Excise, Hajipur Range	19-3-79 (F.N.)
10. Chandra Nath Bh g t		Superintendent, Central Excise, Tajpur Range	30-3-79 (F.N.)
11. Dwarika Pd No 1		Superintendent, Customs, Forbesganj	25-9-79 (F.N.)
12. C H Basukey		Superintendent, Customs, Araria	26-9-79 (F.N.)
13. Rameshwar Pd		Superintendent, Central Excise, Jamshedpur	17-10-79 (F.N.)
14. Mahadeo Lal		Superintendent, Central Excise, Gaya	17-9-79 (F.N.)
15. Gambhir Das		Superintendent, Customs, Birpur	31-12-79 (F.N.)

S. A. GOVINDARAJ,  
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay 400038, the 30th January 1980

No. 25-ADMN(2)/79.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. Kannan as Assistant Director General of Shipping in the Directorate General of Shipping, Bombay in a temporary capacity with effect from 20th December, 1979 (F.N.) until further orders.

B. K. PAWAR  
Dy. Director General of Shipping

Bombay, the 1st February 1980

No. 56-SV(1)/79.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the Director General of Shipping hereby appoints Shri P. Radhakrishnan, Superintendent, T. S. "Rajendra", as Regional Officer (Sails), Jam-

nagar in a temporary capacity with effect from the 13th December, 1979.

S. M. OCHANAY  
Dy. Director General of Shipping

Bombay-38, the 4th February 1980

No. 11-TR(4)/73.—Shri K. Rajamani, Supervisor of Workshop Training in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 22-1-1979 (AN).

The 4th February 1980

No. 11-TR(2)/78.—Shri Ziauddin, Lecturer-in-Applied Sciences, in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta, relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from 30th April, 1979 (AN).

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 28th January 1980

No. 23/2/77-E.C. II.—The following Officers of the Central Public Works Department, on attaining the age of superannuation (58 years), have retired from Government service with effect from the date noted against each :

Sl. No.	Name of Officers and designations	Date of retirement	Present designation and last station of posting
1	2	3	4
1.	Shri C. D. Dharmani, Superintending Engineer (Civil)	30-11-1979 (A.N.)	Superintending Engineer, Delhi Central Circle No. V, C.P. W. D., New Delhi
2.	Shri N. N. Chopra, Executive Engineer (Civil)	30-11-1979 (A.N.)	Din Dayal Upadhyaya Hospital Project (Delhi Admn.), New Delhi
	Shri Kulwant Singh, Executive Engineer (Civil)	31-12-1979 (A.N.)	Joint Director (Designs), N.B.O., New Delhi.

1	2	3	4
4.	Shri Radhey Lal, Executive Engineer (Val.)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer (Val.) In- come Tax Department, Nag- pur.
5.	Shri V. K. Kishnani, Executive Engineer (Civil)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer, Mainte- nance & Norms Division, C. P. W. D., New Delhi.
6.	Shri A. K. Mazumdar, Executive Engineer (Val )	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer (Val.), Income Tax Department, Cal- cutta.
7.	Shri U. C. Sood, Executive Engineer (Civil)	31-12-1979 (A.N.)	Executive Engineer (Civil), R. M. L. Hospital Division, C. P. W. D., New Delhi.

2. *Compulsory retirement*—Shri R. R. Singh, Executive Engineer (Civil), P.W.D. Circle No. 11 (Delhi Administration), New Delhi, has been compulsorily retired from Government Service with effect from 30-11-1979 A.N., vide Ministry of Works and Housing, New Delhi, Order No C-13011/5/76/AV. III, dated 22-11-1979.

3. *Voluntary Retirement under E.R. 56 (K)*—Shri J. P. Jain, Executive Engineer (Civil, working as Surveyor of Works in the Office of the S.S.W. (Food), C.P.W.D., New Delhi, has retired voluntarily under FR 56 (K) from Government service with effect from 31-12-1979 (A.N.)

S. S. P. RAU,  
Deputy Director of Administration  
For Director General (WORKS)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Columbia Graphophone Company of India Private  
Limited*

Calcutta, the 29th January 1980

No. 14345/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Columbia Graphophone Company of India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCAR  
Asstt. Registrar of Companies  
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
A. K. V. Chit Fund & Finance Private Limited*

Pondicherry-1, the 1st February 1980

No. 85/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company "A. K. V. Chit Fund & Finance Private Limited" unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA  
Registrar of Companies, Pondicherry.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Favourite Packaging Private Limited*

Ahmedabad, the 2nd February 1980

No. 2195/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Favourite Packaging Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies, Gujarat.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
(CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 28th January 1980

ORDER

*Establishment—Central Services—Group 'B'—Gazetted—  
Income-tax Officers—Promotion Transfer and Posting of—*

No. 72.—The following Inspectors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from their taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been made in excess of the vacancies available. Their services, on promotion are placed at the disposal of the Commissioners of Income-tax indicated against each :—

*Sl. No., Name of the Official & Services placed at  
the disposal of C.I.T.*

S/Shri

1. R. P. Saxena, Meerut—Meerut
2. S. N. Kapoor, Agra—Agra

The above officials will take over charge on or after 1st Feb. 1980 in the vacancies on account of retirement of Shri T. B. Bajaj, I.T.O. and voluntary retirement of Shri Dharam Prakash, I.T.O. on the 31st January, 1980 afternoon.

B. GUPTA  
Commissioner of Income-tax,  
(Cadre Control Authority)  
Kanpur.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
DELHI-II

New Delhi, the 29th January 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/II/78-79/42020.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Income for classes of income or of such case<sup>s</sup>

of classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.Os. of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule :

### SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Range-II-A, New Delhi.	Company Circles-V, IX and XVII, New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Range-II-C-cum-Estate Duty, New Delhi.	1. Company Circles-VI, VIII and XI, New Delhi. 2. (i) Estate Duty-cum-Income-tax Circle, New Delhi. (ii) Addl. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, New Delhi.

This notification shall take effect from 1-2-1980.

K. R. RAGHAVAN  
Commissioner of Income-Tax  
Delhi-II, New Delhi.

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX BOMBAY CITY

Bombay-400 020, the 5th December 1979

No. 1122.—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, Group-B with effect from 1st December 1979 :—

S/Shri

1. G. B. Daswani
2. N. A. Kazi
3. J. R. Kanekar
4. P. K. Kalyan (S.C.)
5. Mrs. M. V. Bordawekar
6. C. G. Nair

Sd./-  
(KANWAL KRISHAN)  
Commissioner of Income-tax,  
Bombay City-VII, Bombay.

Sd./-  
(N. THIAGARAJAN)  
Commissioner of Income-tax,  
Bombay City-IV, Bombay

Sd./-  
(G. A. JAMES)  
Commissioner of Income-tax,  
Bombay City-X, Bombay

Sd./-  
(D. N. CHOUDHRI)  
Commissioner of Income-tax,  
Bombay City IX, Bombay



**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th February 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/2-80/993.—Whereas I, G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Basement No. 3, (Basement Floor) situated at Commercial Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. DLF Builders,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) M/s. Venson Shoes, Andhra Bank,  
Building, Ajmal Khan Road, Karol Bagh,  
New Delhi-110005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Basement No. 3, Basement Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-110048, area 1649.11 sq. ft.

G. C. AGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-2-80  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 2nd February 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/2-80/992.—Whereas I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. G-II/58, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lachhman Dass,  
G-II/58, Lajpat Nagar, New Delhi-24,  
(Transferor)
- (2) Shri Bhag Singh,  
4/33, Jangpura Extension, New Delhi-14.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. G-II/58 built on plot of land measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi-24.

G. C. AGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 2-2-1980  
Seal :

FORM ITNS

(1) C. C. Savithri, "Navika", Mannom  
P.O., N. Parur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri T. P. Ahamed, Development Officer,  
LIC of India, Alwaye.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 3rd December 1979

No. REF L.C. 365/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA  
MENON,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Alwaye on 30-5-1979for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

20 cents of land with buildings in Sy. No. 521/11/2 of  
Alwaye village.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 3-12-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 6th December 1979

No. REF. L.C. 368/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 18-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. G. Gomahy,  
West House, Ashramam, Quilon.

(Transferor)

(2) Shri Sivarajan,  
S/o Akkayyan Chettiar, Merchant,  
Chamkkada, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

21½ cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1951.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Mammatty, S/o Makkotha,  
Muttumkattil House, Punkunnam, Trichur-2.  
(Transferor)
- (2) Shri N. Surendranathan,  
XXIII/297, Trichur-2.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 6th December 1979

No. REF. L.C. 375/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Richur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Richur on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
—366GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10½ cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 2766/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajkumar Rao,  
Nelpuraparambu,  
Alleppey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shalimar Chemical Works (P.) Ltd.,  
(by Managing Director Sri Prakruthinath Bhattar-  
charji, 92/E, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 6th December 1979

No. REF. L.C. 376/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA  
MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alleppey

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Alleppey on 10-5-1979

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

25½ cents of land with buildings as per schedule attached  
to Doc. No. 1570/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-12-1979

Seal :

**FORM ITN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C.377/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ernakulam on 28-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Ayyankutty, Karathattu Parambil, Ernakulam kulam.
  2. Kamma, Karathattu Parambil, Ernakulam.
  3. Malathy, Puthiyaparambil, Ernakulam.
  4. Radhakrishnan, Karathattu Parambil, Ernakulam kulam.
  5. Sudha, Karathattu Parambil, Ernakulam.
- (Transferors)

- (2) 1. Shri C. J. Joseph,
  2. Shri George.
  3. Shri Thomas.
- XIV/249, ESI Hospital Road, Ernakulam.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

4,750 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1982/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 382/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ankamaly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankamaly on 18-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Thankamma and 3 others.  
Grace Hill, Ankamaly.

(Transferor)

- (2) Shri K. O. Oaseph and 4 others.  
M/s. Amla iles, Ankamaly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 2260/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 383/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sasthamangalam on 3-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri M. K. Muraleedharan Thampy,  
Lake View, Muttakkattu, Vengalur. (Transferor)
- (2) Smt. P. Bhargavi Devi,  
School View, Sasthamangalam, Trivandrum. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with buildings as per Doc. No. 1596/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016**

Cochin-682 016, the 11th December 1979

Ref. No. L.C. 384/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ratramma,  
Gopivilasam,  
Kumarakam, Kottayam.

(Transferor)

- (2) Shri Abdul Khader,  
C/o. N. A. K. Hajee,  
Kalipha Bldg., SRM Road, Cochin-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

24,649 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1601/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-12-1979

(Seal) :

FORM ITNS

(1) Shri S. Neelakanta Iyer,  
AC, 35/323, Chenthatta, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Smt. S. Rajammal,  
TC. 34/647, Pazhavangadi, Trivandrum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 31th December 1979

Ref. No. L.C. 385/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA  
MENON.being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Chalai on 9-5-1979for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property, within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

9 cents of land with buildings as per schedule attached to  
Doc. No. 1505/79.K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 31-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Kalyanarama Iyer,  
AC, 35/323, Chenthitta, Trivandrum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. S. Rajammal,  
TC. 34/647, Pazhavangadi, Trivandrum.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 31th December 1979

Ref. No. L.C. 386/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA  
MENON,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
No. as per schedule situated at Trivandrum  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chalai on 9-5-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons with in a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

9 cents of land with buildings as per schedule attached to  
Doc. No. 1506/79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 31-12-1979

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Ahamedkutty, s/o Abdulla,  
Anakad House, Muttom.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Associated Business Combines,  
Muttom, Alwaye (by Mrs. Grace Paul).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 3rd January 1980

Ref. No. L.C. 387/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA  
MENON,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Alwaye

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Alwaye on 11-5-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
24-466G1/79Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No.  
2367/11-5-79.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 3-1-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 5th January 1980

Ref. No. L.C. 392/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Irinjalakuda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Irinjalakuda on 18-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Sri Nandan K. Pisharody,  
Madathil Pisharath, Irinjalakuda, (Transferor)
- (2) Sri K. Narayanankutty,  
"Nalanda", XI/50,  
Pattambi Road, Irinjalakuda, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 828/79.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 5-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016 the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 388/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 23-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajamma Amma,  
Santhi Nivas,  
Thamarakulam, Quilon. (Transferor)
- (2) Sri S. S. T. R. M. Thankathirupathy Nadar,  
C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddiar,  
Merchants, Quilon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2029.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS \_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 389/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Quilon on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajamma Amma,  
Santhi Nivas,  
Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

- (2) Shri P. Sankaranarayanan,  
C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddiar,  
Merchants, Quilon.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2030.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-1-1980

Seal :



FORM ITNS—

(1) Rajamma Amma,  
Santhi Nivas,  
Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri S. S. T. R. M. Thankathirupathy Nadar,  
C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddjar,  
Merchants, Quilon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 390/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA  
MENON,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value ex-  
ceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Quilon on 23-5-1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer,
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
- 
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269-D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
- 
- the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
- 
- immovable property, within 45 days from the
- 
- date of the publication of this notice in the Official
- 
- Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No.  
2032.K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-1-1980

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 8th January 1980

Ref. No. L.C. 391/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Rajamma Amma,  
Santhi Nivas,  
Thamarakulam, Quilon.

(Transferor)

(2) Mrs. Soudamini,  
C/o. M/s. R. Ponnuranga Reddini,  
Merchants, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2072.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Santha Sreeram & Others,  
Vairoli Veedu, Trichur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. E. G. Rajagopal and another,  
"Rasmi", Convent Road, Trichur-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Cochin-682 016, the 9th January 1980

Ref. No. L.C. 394/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 2638 of SRO, Trichur.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 9th January 1980

Ref. No. L.C. 395/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Trichur on 23-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Yesodamma (by Sri Gopalakrishna Menon) and others,  
Vairoli Veedu, Trichur,  
(Transferor)

(2) Shri T. G. Rajagopal and another,  
"Rasmi", Convent Road Trichur-I.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building as per schedule attached to Doc. No. 3109.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri N. Sivasankara Pillai,  
Sheela Bhavan, Kizhakkekara Muri, Chirayinkil.  
(Transferor)

(2) Smt. Lakshmikutty (for late Shri P. Kunjusan-  
karan),  
Mannakori Veedu, Attipiamuri, Chirayinkil.  
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS",  
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 9th January 1980

Ref. N. L.C. 393/79-80.—Whereas, I. K. NARAYANA  
MENON,

being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per scheduled situated at Kanyakulangara  
(and more fully described in the schedule  
annexed hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Kanyakulangara on 26-5-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property as per Doc. No. 943/26-5-1979 of SRO, Kanyaku-  
langara.

K. NARAYANA MENON  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons namely :—  
25—466G1/79

Date : 9-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 16th November 1979

No. IAC/ACQ/104/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 5-9-83/1, City Survey No. 19189, Sheet No. 163, Aurangabad situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aurangabad on 9th May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Shri B. L.,  
12/276 Housing Board Colony,  
Wakoda Bridge,  
Santacruz, East Bombay-55.

(Transferor)

1. Shri R. D. Mathkari,  
Executive Engineer,  
Circle Office, Yeotmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 5-9-83/1, City Survey No. 19189, Sheet No. 163, Umaji Colony, Pudampura, Aurangabad.

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Dated : 16th November, 1979  
Seal :

FORM ITNS—

1. Smt. Vijayagauri Ambalal Bakhtaria, Khetangalli, Akola.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Shri Maganlal Bhimjibhai Patel.  
2. Shri Atul Maganlal Patel, Old Bhaji Bazar, Akola.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 15th November 1979

No. 1AC/ACQ/103/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 54 House No. 83 (Old), Ward No. 6, Sheet No. 39-A, situated at Akola  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola on 20-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 54, House No. 83 (Old) Ward No. 6, Sheet No. 39-A, Kirana Bazar, Tajanpeth, Akola.  
Dated : 15th November, 1979

S. K. BILLAIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 15th November 1979  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Smt. Sushilabai W/o Sugandhrao Patil,  
Padampura, Aurangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)1. Shri Zulfequar Hussain S/o Abdul Hussain,  
Auganabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 17th November 1979

No. IAC/ACQ/105/79-80.—Whereas, I, S. K. BILLAIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 34, Municipal No. 5-10-3, Part of City Survey No 19316, situated at Aurangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Aurangabad on 22nd May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 34, of Survey No. 9, Municipal No. 5-10-3, Part of City Survey No. 19316, Sheet No. 164, Rajnagar, Padampura, Aurangabad.

S. K. BILLAIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 17th November, 1979

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 26th November 1979

No. IAC/ACQ/106/1979-80.—Whereas I, S. K. BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 157-A and 157-B, in Circle No. 9/14 Ward No. 28, Itwari, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on May, 1979 ..

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Annaji Pandurang Anantwar,  
Laxmikant, Dhananjai, &  
Mukunda S/o of Annaji Anantwar.
2. Pandurang Jairam Anantwar,  
All resident of Circle No. 9/14, Nagpur.  
(Transferors)
1. Dalpatlal Mobanlal Mehta, Circle No. 8/13, Nagpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 157-A and 157-B, Circle No. 9/14 and in Ward No. 28, Itwari, Nagpur.

S. K. BILLAIYA.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Nagpur.Date : 26-11-1979  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1979

No. Ref. No. ASR/79-80/279.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in Shastri Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Bhagat Ram s/o Shri Bhajan Lal r/o 93-Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Jugal Kishores S/o Shri Jai Kishan Dass, r/o 46 Kennedy Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No.2 above and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 252.4 sq. mtrs. situated in Tung Bala Urban (Shastri Nagar) Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 430/1 dated 15-5-79 of the registering Authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1979

Ref. No. ASR/79-80/280.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at Shastri Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Samitra Devi w/o Sh. Bhagat Ram r/o 93, Green Avenue Amritsar, through Sh. Om Parkash General Attorney,

(Transferor)

(2) Sh. Jugal Kishore S/o Sh. Jai Kishan Dass 10 46 Keneddy Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 255.4 sq mtrs situated in Tung Bala urban (Shastri Nagar) Amritsar as mentioned in sale deed No. 428/1 dated 15-5-79 of registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-12-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 29th December 1979

Ref. No. ASR/79-80/281.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One plot of land in Shastri Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Madhu Arora w/o Sh. Banwari Lal r/o 340 Shastri Market, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Jugal Kishore s/o Shri Jai Kishan Dass r/o 46, Kennedy Avenue Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 190.2 sq. mtrs situated in Tung Pala Urban (Shastri Nagar, Amritsar) as mentioned in the sale deed No. 429/I dated 15-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/282.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi No. 44 Keneddy Avenue Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR., Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—466GI/79

(1) Sh. Dina Nath Kapur s/o Sh. Ghasita Mal r/o 44 Keneddy Avenue Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Devi, w/o Sh. Raj Kumar, Shmt. Shobha Madan w/o Sh. Ashok Kumar, Brij Mohan, Sham Sunder, Prem Kumars s/o Sh. Kishore Chand, Bazar Tahli Sahib, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One kothi No. 44 situated in Keneddy Avenue (areas 370 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 509/I dated 23-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/283.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land at Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijay Kumar Jain s/o Shri Shio Bhagwan r/o House No. 1521/2 Ram Gali Katra Ahluwal Mukhtar Aam Sanab Sh. Mohindra Kumar Jain Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shmt. Kamal Arora w/o Sh. Bakshi Ram r/o House No. 550 Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 406 sq. mtrs situated at Dasaundha Singh Road Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 553/I dated 25-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/284.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 55/1/Gali Jailwali Hall Gate, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR. Amritsar in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Walati Ram Sh. Darbari Lal ss/o Masat Ram & Shri Om Parkash Shri Harbans Lal, Shri Ganpat Rai, Shri Tarlok Chand ss/o Shri Chanan Lal r/o Village Vanekc Teh. Ajnala Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Om Parkash s/o Shri Milkhi Ram r/o Katra Baggian, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and all the tenant(s) in the property. (Person(s) in occupation of the Property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house (area 408 sq. mtrs) situated in Gali Jailwali House No. 55/1 as mentioned in the sale deed No. 465/I dated 18-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/285.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Som Nath s/o Shri Ram Dhan Mal r/o Kothi No. 95 Dayanand Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (2) Smt. Dhanj Dai w/o Sh. Sita Ram r/o Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property).

- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 218.85 sq. mtrs situated at Dasaundha Singh Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 616/I dated 31-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Amritsar.

Date : 11-1-1980

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/286.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building at Ktr. Khajana Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hira Lal Kapur s/o Shri Veeru Mal Kapur r/o Nai Sarak Katra Khajana Amritsar through Sh. Roshan Lal s/o Shri Harnam Dass r/o Tunda Talab, Amritsar (Mukhtar Aam)

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Devi wd/o Sh. Kasturi Lal r/o 23 Shivala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building No. 68/9 situated at Katra Khajana (1/3 share) as mentioned in the sale deed No. 604/I dated 31-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/287.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building situated at Katra Khajana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hira Lal s/o Sh. Veeru Mal, r/o Nai Sarak, Katra Khajana, Amritsar, through Sh. Roshan Lal s/o Sh. Harnam Dass, r/o Tunda Talab, Amritsar (Mukhtar Aam) (Transferor)

(2) Sh. Sudershan Lal, Surinder Pal ss/o Paras Ram, Rajinder Pal, Kakumat Rai ss/o Sudershan Lal r/o Khaperkheri Tehsil, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

One building No. 68/9, situated in Katra Khajana (1/3 share) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 584/I dated 28-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/288.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing One buiding situated at Katra Khajana, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar on May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hira Lal Kapur s/o Sh. Veru Mal, r/o Nai Sarak, Katra Khajana, Amritsar, through Sh. Roshan Lal s/o Sh. Harnam Dass, r/o Tunda Talab, Amritsar (Mukhtar Aam) (Transferor)
- (2) Smt. Miya Devi d/o Sh. Dhani Ram, r/o Purani Lakkar Mandi, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building No. 68/9 situated in Katra Khazana Amritsar as mentioned in the sale deed No. 586/29-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/289.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land in Vill. Naushera Dhala, Teh. ASR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Guljar Singh, Gajan Singh,  
ss/o Mehar Singh,  
r/o Chahl, Teh. Tarn Taran. (Transferor)
- (2) Sh. Mukhtar Singh s/o Santokh Singh,  
r/o Tharu,  
Tehsil Tarn Taran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 kanals 2 marlas, situated in village Naushera Dhalla, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 201/9-5-79 of the registering authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/290.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Vill. Jhabal Manon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhabhal Manon in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—366GI/79

- (1) S. Hira Singh s/o Labh Singh,  
r/o Jhabhal Manon, and  
Sh. Surjit Singh, Gurmeet Singh, etc.  
ss/o Umrao Singh,  
r/o Vill. Chabhal Manon.

(Transferor)

- (2) Sh. Manpreet Singh s/o Salwinder Singh,  
r/o Vill. Chabhal Manon.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 kanals 1 marlas, situated in Village Chabhal Manon as mentioned in the sale deed No. 202/dated 9-5-79 of the registering authority, Chabhal Manon.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-1-1980

Seal :

FORM ITNS \_\_\_\_\_  
 NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE,  
 AMRITSAR**

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/291.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN, IRS being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One godown, situated at Tarn Taran (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Sh. Kishan Chand Ram Chand ss/o  
I. Bishan Dass,  
r/o Tarn Taran. (Transferor)
- (2) Sh. Harish Kumar s/o Sh. Bihari Lal  
r/o Joshi Colony, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One godown No. 289/636 & 269/569, situated at Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 1278 of 25-5-79 of the registering authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Amritsar

Date 15-1-1980  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/292.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Jaunike, Teh. Tarn Taran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Tarn Taran in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gurcharan Singh s/o Jagir Singh,  
r/o Vill. Jaunike,  
Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

- (2) Sh. Darshan Singh etc. etc.  
ss/o Surjan Singh,  
r/o Vill. Jaunike,  
Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other person(s) interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricul. land measuring 39 kanals 8 marlas, situated in village Jaunike, Teh. Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 1379 dated 28-5-79 of the registering authority, Tarn Taran.

M. L. MAHAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/293.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ...., situated at One building, situated at Katra Sher Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ved Parkash s/o Sh. Hans Raj,  
r/o Katra, Sher Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Pritam Kaur w/o Sh. Hardev Singh,  
r/o 346 new Jawahar Nagar,  
Jullundur City. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building 1/3 share No. 2089 to 2091 & No. 1501 to 1505/12-11 old and No. 2112, 2113/12, situated at Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 856/1 dated 16-6-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/294.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building No. 2089 to 2091 & No. 1501 & 1505/X11-11 old and No. 2112, 2113/12, situated at Ktr. Sher Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amritsar in May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 209D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhag Mal s/o Shri Hans Raj r/o Ktr. Sher Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) S. Bhupinder Singh s/o S. Hardev Singh r/o 346 New Jawahar Nagar, Jullundur city.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building 1/3 share No. 2089 to 2091 & No. 1501 & 1505/12-11 old and No. 2112, 2113/12 situated in Ktr. Sher Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 529 dated 24-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/295.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shop No. 39/I, situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Amritsar in May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S. Joginder Singh & Surinder Singh ss/o Inder Singh, r/o Inder Niwas, Mall Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Punjab Chemical & Biological Agency; Hall Bazar, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
Shanti Sarup Sareen, Advocate.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop No. 39/I-MCA Hall Bazar, Amritsar (Area 72 sq. mtrs). as mentioned in the sale deed No. 320/I dated 4-5-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/296.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in Basant Avenue, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ravi Mohan s/o Shri Mulakh Raj Nayyar, R/o Maqbul Road, through the court of Shri M. L. Singla Sr. Sub Judge, Amritsar. (Transferor)
- (2) (1) Shri Diwan Singh,  
(2) S. Bhupinder Singh ss/o Shri Jiwan Singh, R/o Cooper Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1760 sq. yds. situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 401 dated 14-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-1-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/297.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in shop No. 2568/3 in Ktr. Ahluwalia, situated at Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri S. Faqir Chand s/o Shri Rameshwar Dass, R/o Moga Mukhtar sam,
- (2) Shri Mangat Rai s/o Shri Rameshwar Dass, R/o Moga. (Transferor)
- (2) Shrimati Lalita P. Goenka w/o Shri Parshotam Lal R/o Mall Road, opposite Nirmala Swai Ashram, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3 share in shop No. 2568/3 situated in Ktr. Ahluwalia Bazar Bikanerian Amritsar as mentioned in the sale deed No. 486/I dated 21-5-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/298.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in shop No. 2568, situated in Ktr. Ahluwalia, Bazar Bekaerian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28—466GI/79

- (1) (1) Shri Banwari Lal s/o Shri Kidar Nath, R/o Moga through, Shri Barhma Nand s/o Shri Banarasi Dass, R/o Ktr. Ahluwalia, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shrimati Lalita P. Goenka d/o Shri Parshotam Lal A/o Ahluwalia now Mall Road, opposit Nirmala Swami Ashram, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share in shop No. 2568, situated in Katra Ahluwalia, Bazar Bekaerian, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 498/I dated 22-5-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref No. ASR/70-80/299.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in shop No. 2568, situated at Katra Ahluwalia, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at ASR Amritsar on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Barhma Nand s/o Shri Banarsi Dass, R/o Ktr. Ahluwalia, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Lalita P. Goenka w/o Shri Parshotam Lal, R/o Mall Road, opposite Nirmal Swami Ashram, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share in shop No. 2568, situated in Ktr. Ahluwalia Bazar Bikanerian Amritsar as mentioned in the sale deed No. 499/I dated 22-5-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/300.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Kot Bhagat Singh situated at Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Gurdip Singh s/o Gurbachan Singh,  
R/o Kot Bhagat Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Arganjan Singh s/o Puran Singh,  
House No. 2457 Gali No. 3, Kot Bhagat Singh  
Sultanwind Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property/house No. 2457 situated at Kot Bhagat Singh Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 468/I dated 18-5-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/301.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Kot Bhagat Singh situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar, on June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishan Kaur w/o S. Gurbachan Singh, R/o Kot Bhagat Singh Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Arganjan Singh s/o S. Puri Singh, r/o House No. 2457, Gali No. 3, Bhagat Pura Sultanwind Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property/house No. 2457, situated in Kot Bhagat Singh, Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 972/I dated 27-6-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-1-1980

Sd/-



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/302.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Radha Swami Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Romesh Kumar s/o Shri Keshav Dev Ganeriwala,  
R/o Building Road, Bander Road, Shanta Kruj  
Bombay through Smt. Lalita Goenka w/o Shri  
Parshom Krishan Goenka,  
R/o Radhaswami Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Rakesh Kapur w/o Shri Jagdish Chand Kapur,  
R/o Dhab Rhatikan, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot measuring 250 sq. yds. situated at Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 318/1 dated 25-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competitive Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/303.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot at Radha Swami Road, Amritsar situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lalita Devi Goenka w/o  
Shri Parshotam Krishan,  
R/o Mall Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Romesh Kapur w/o Jagdish Chand Kapur,  
R/o Dhab Khatikan, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 250 sq. mtrs. situated at Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 319/I dated 3-5-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1980  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,**

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. PTA/179/79-80.—Whereas I, M. L. MAHAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Radha Swami Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Umesh Kumar s/o Shri Keshav Dev Ganeriwala,  
R/o Sri Building Road, Bander Road, Shanta Kruj, Bombay through Smt. Lalita Goenka w/o Shri Parshotam Krishna Goenka,  
R/o Radhaswami Road, Amritsar.
- (2) (1) Smt. Sunita w/o Shri Rakesh Kumar and  
(2) Smt. Promila w/o Shri Romesh Kapur,  
R/o Dhab Khatrikan Amritsar c/o Mehta School.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot measuring 208 1/3 sq. mtrs. situated at Radha Swami Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 369/I dated 9-5-1979 of the registering authority Amritsar.

**M. L. MAHAJAN, IRS**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/305—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Radha Swami Road, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, in May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lalita Goenka Devi Goenka, w/o Shri Parshotam Krishan Goenka, R/o Mall Road, Amritsar, (Transferor)
- (2) Smt. Swaran Kapur w/o Shri Jagdish Chand, R/o Dhab Khatikan c/o Mehta School, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 208 1/3 sq. mtrs. situated at Radha Swami Road (Mall Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 368/I dated 4-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 9-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. ASR/79-80/306.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Race Course Road, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—466G1/79

- (1) Smt. Maan Kaur Bawa wd/o S. Nanak Singh,  
R/o Dasaundha Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) (1) S. Dia Singh,  
(2) Shri Parabjit Singh ss/o Shri Ghania Singh,  
R/o Village Thath Garh Teh. Taran Taran,  
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]  
(4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One kothi No. 2 situated on Race Course Road (area 837.35 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 449/I dated 12-5-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
3, Chanderpuri Tylor Road,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kishan Chand Ram Chand ss/o L. Bishan Dass, r/o Taran Taran.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nand Rani wd/o L. Onkar Nath r/o Katra Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(4) An other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 11th January 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. TT/79-80/307.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one Godown, situated at Taran Taran Sirhali Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Taran Taran on May 1979

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

One godown No. 289/636 &amp; 269/569 situated at Taran Taran, Sirhali Road, as mentioned in the sale deed No. 1280 of 25-5-79 of the registering authority Taran Taran.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1980  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Isher Kaur wd/o Vir Singh r/o Bundala  
Teh. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Suba Singh s/o Gujjar Singh r/o Jandiala Guru  
Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property].(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be  
interested in the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.Ref. No. ASR/79-80/308.—Whereas I, M. L. MAHAJAN  
IRS.,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearingNo. Agricultural land situated in Village Rakh Jhete  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR  
Baba Bakala on May 1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Agricultural land 229 kanals (1/4 share 57 kanals 5  
marlas) situated in Village Rakh Jhete, Teh. Amritsar as  
mentioned in the sale deed No. 265 dated 3-5-79 of the regis-  
tering authority, Baba Bakala.M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 11th January 1980

Ref. No. TT/79-80/309.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Godown No. 289/636 &amp; 269&amp;569 at Goindwal Road, situated at Taran Taran sirhali Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR., Taran Taran in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kishan Chand Ram Chand ss/o Bishan Dass Taran Taran.  
(Transferor)
- (2) Shmt. Raj Rani w/o Lala Bihari Lal, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One godown No.289/636 & 269/569 situated at Goindwal Road, Taran Taran, as mentioned in the sale deed No. 1279 of 25-5-79 of the registering authority, Taran Taran.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 11-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th January 1980

Ref. No. Baba Bakala/79-80/310.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land 78 kanals 8 marlas Village Rakh Jhete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Sub Tehsil Baba Bakala

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh Gurbax Singh ss/o Dhanna Singh r/o Bombay through Sh. Dhana Singh r/o Amritsar city.

(Transferor)

(2) Shri Balkar Singh so Darshan Singh r/o Village Thathi, Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 78 kanals 8 marlas situated in Village Rakh Jhete, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 318/dated 15-5-79 of the registering authority Sub-Tehsil Baba Bakala.

M. L. MAHAJAN IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 17-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Tarachand Agarwal.

(Transferor)

(2) Sri Surendra Agarwal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. No. Ac-90/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. XVI situated at Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Siliguri on 3-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .085 acre with building situated at holding No. 162, Ward No. XVI, Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, Dt. Darjeeling, more particularly as per deed No. 2858 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 19-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Tarachand Agarwal.

(Transferor)

(2) Sri Rabindra Agarwal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 19th November 1979

Ref. No. Ac-89/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. XVI situated at Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 5-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.85 acre with building situated at holding No. 162, Ward No. XVI, Shyama Prosad Mukherjee Road, Siliguri, Dt. Darjeeling, more particularly as per deed No. 2947 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 19-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Deba Brata Sadhukhan, Sri Swapan Sadhukhan and Sri Naba Kumar Sadhukhan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sunil Kumar Das and Srimati J. Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 26th November 1979

Ref. No. Ac-92/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Thana—Barasat, Mouza—Banamahpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Barasat on 30-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 03½-dec. with building situated at 37/B, K.N.C. Road, Thana Barasat, Mouza Barnamahpur, Dt. 24-Prgs., Kh. 298, 299, New 498, plot 469 more particularly as per deed No. 3541 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Sri Balai Chand Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Ajit Kumar Ghatak,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 29th November 1979

Ref. No. Ac-46/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 153, situated at Mouza—East Kulia, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, Alipore on 31-5-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
30-466G1/79

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2-cottahs, 3-chittaks and 11-sq. ft. under Mouza East Kulia, Touji No. 2833, Holding No. 61 under Calcutta Corporation, 153, Beliaghata Main Road, Calcutta-10.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 29-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Mohendra Kumar Sethi.

(Transferor)

(2) Sri Pukhraj Sethi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I

Calcutta, the 30th November 1979

Ref. No. Sl. 519/TR-22/C-22/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55, situated at Nalini Sett Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of six storeyed building being premises No. 55 Nalini Sett Road, Calcutta together with land measuring 4 cottahs 43 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2561 dated 9th May 1979.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta  
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 30-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kanika Sinha Roy.

(Transferor)

(2) Smt. Pranati Banerjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II

Calcutta, the 18th December 1979

Ref. No. Ac-50/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I,  
S. K. DASGUPTA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. P-39, situated at Rastraguru Avenue, Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 14-5-1979,for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty, and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
(b) date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6-cottahs 304-sq. ft. situated at P-39, Ras-  
traguru Avenue, Calcutta-28 being municipal Holding No. 3  
within the south Dum Dum Municipality.S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 18-12-1979.

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Govinda Chandra Dutta.

(Transferor)

(2) Tapan Kumar Sikdar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE IV

Calcutta, the 19th December 1979

Ref. No. Sl. 520/TR-27/C-27/Cal-1/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28 situated at Creek Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2K-2Ch-24 Sft. situated at 28, Creek Lane, Calcutta before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-2735, dated 18-5-1979.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-12-1979.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mohamed Ashrof.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulum Rasul.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl. 522/TR-29/79-80.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 22-5-79,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Tan paise share of four storied building being premises  
No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring  
6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances,  
Calcutta vide Deed No. 2810 dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 31-12-1979.  
Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl.523/TR-30/79-80.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohamed Ashrof.

(Transferor)

(2) Mst. Humaira Khatoon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Twenty paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 2809, dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 31-12-1979.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Mohamed Ashrof.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Quaiyum.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. SI. 524/TR-31/79-80. —Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ten paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 2808, dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 31-12-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mohamed Ashraf

(Transferor)

(2) Ali Hasan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. SL 525/TR-32/79-80.—Whereas, I.  
I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24/2, situated at Shariff Lane, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ten paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2807 dated 22-5-1979.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.Date : 31-12-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mohamed Ashrof

(Transferor)

(2) Mohamed Alimuddin

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA**

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. SL 526/TR-33/79-80.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979

**for an apparent consideration which is**

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
31—466GI/79

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Twenty five paise share of four storied building being premises No. 24/2, Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2806 dt. 22-5-79.

**I. V. S. JUNEJA**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 31-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mohamed Ashrof

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohamed Osman

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st December 1979

Ref. No. Sl.527/TR-34/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24/2 situated at Shariff Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Twenty five paise share of four storied building being premises No. 24/2 Shariff Lane, Calcutta along with land measuring 6K 3Ch 5Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 2805 dt. 22-5-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 31-12-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Ganesh Chandra Roy

(Transferor)

(2) Amal Bardhan  
Bimal Bardhan  
Kajal Bardhan  
Sajal Bardhan

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA**

Calcutta, the 31st December 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. SL521/TR-25/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1, situated at Gangaram Palit Lane, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Old dilapidated building being premises No. 1 Gangaram Palit Lane, Calcutta on an area of 5K 12Ch 16 sft, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-2564 dated 9-5-1979.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 31-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Biren Roy, Trustee  
Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Basab Bhattacharjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 655/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA,being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire ground floor of the building situated at  
premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area  
of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 5-1-1980  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Sri Biren Roy, Trustee  
Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrika Bhattacharjee

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 656/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that entire 1st floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq.ft.

I. V. S. JUNEJA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16.

Date : 5-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Biren Roy, Trustee  
Biren Roy Trust, Bchala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dwaipayan Bhattacharjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. 657/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I.  
I. V. S. JUNEJA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire 2nd floor of the building situated at premises  
No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs  
11 chittacks 26 sq.ft.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

Date : 5-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Premsukhdass Manickchand,  
195/1/1, Mahatma Gandhi Road,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Santimoy Banerjee  
8/1, Grove Lane,  
Calcutta-26.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—Ref. No. 654/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 47, situated at Kali Prosanna Roy Lane, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 8-5-79for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette;EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land admeasuring 4  
Cottahs 11 chittacks 15 sq. ft. situated at 47, Kali Prosanna  
Roy Lane, Calcutta.I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 5-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Jogeswar Mukherjee.

(Transferor)

(2) Smt. Joba Dey.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1980

Ref. No. Ac-93/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 1319 situated at Mouza Kona, P.S. Liluah, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11-khs., 7-chs. and 4 sq. ft. situated at Kona, P.S. Liluah, Dt. Howrah, Dag No. 1319, Kh. No. 725/1, JL No. 7, more particularly as per Deed No. 2677 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 7-1-1980

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Ashir Kumar Mukherjee.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Nivanani Kumar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1980

Ref. No. Ac-94/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at G. N. Mitra Road, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 2-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .044 Dec. situated at 9, G. N. Mitra Road, Mouza Sadhanpur, Burdwan, more particularly stated as per Deed No. 3245 of 1979.

S. K. DASGUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-IV

54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

32—466GL/79

Date : 7-1-1980

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## FORM ITNS

(1) Smt. Aruna Alta and Sri Apurba Alta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Gurdas Ghosal, Sisir Kumar Ghosal and Mrinal Kanti Ghosal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1980

Ref. No. Ac-95/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

123, situated at Benaras Road, P.S. Golabari, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 11-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6-khs. and 12-chs. situated at 123, Benaras Road, P.S. Golabari, Howrah, more particularly stated as per Deed No. 740 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date : 7-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Sasadhar Chakraborty.

(Transferor)

(2) Sri Basudeb Layek.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 10th January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Ac-96/Acq.R-IV/Cal/79-80—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3956 situated at P.S. Hirapore, Distt. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land measuring 3.83-cottahs with building situated at Mouza Narsingh Bandh, P. S. Hirapore, Dt. Burdwan, more particularly stated as per Deed No. 2571 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1980

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Hussain Bibi

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Golam Nabi &amp; Shamsunnessa.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 15th January 1980

Ref. No. Ac-53/R-II/Cal/79-80—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/B, situated at Ibrahim Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5K—2Ch—3.5Sft. along with one storied brick build house situated at 16/B, Ibrahim Road, Cal-23.

**K. SINHA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta-16

Date : 15-1-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Sri Biren Roy, Trustee  
Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

(2) Dwaipayan Bhattacharjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 657/Acq. R-II/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49, situated at Lake Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire 2nd floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Biren Roy, Trustee,  
Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrika Bhattacharjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 656/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

All that entire 1st floor of the building situated at premises No. 49 Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 5-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Biren Roy, Trustee,  
Biren Roy Trust, Behala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Basab Bhattacharjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 6554/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, situated at Lake Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire ground floor of the building situated at premises No. 49, Lake Place, Calcutta containing an area of 3 cottahs 11 chittacks 26 sq. ft.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 5-1-1980.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 5th January 1980

Ref. No. 654/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 47, situated at Kali Prosanna Roy Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Premeukhdass Manickchand,  
195/1/1, Mahatma Gandhi Road,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Santimoy Banerjee,  
8/1, Grove Lane,  
Calcutta-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of vacant land admeasuring 4 cottahs 11 chittacks 15 sq. ft. situated at 47, Kali Prosanna Roy Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 5-1-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sm. Dipali Basu.

(Transferor)

(2) Sri Pravash Kumar Mukherjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st January 1980

Ref. No. 660/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8B, situated at Prince Golam Md. Road, Calcutta (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

33—466GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire first floor and common passage at premises No. 8/A, Prince Golam Md. Road, Calcutta-26.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV, Calcutta

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-26

Date : 21-1-1980

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Sri Tarak Nath Dey.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anita Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st January 1980

Ref. No. 659/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8B, situated at Prince Golam Md. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Alipore on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building with land containing an area of one cottah nine chittacks situated at 8B, Prince Golam Md. Road, Calcutta 26.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 21-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Mukul Kumar Sarkar.

(Transferor)

(1) Sri Pravash Kumar Mukherjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 21st January 1980

Ref. No. 658/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I I.V.S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Prince Golam Md. Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 30-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

All that entire ground floor with common passage at premises No. 8A, Prince Golam Md. Road, Calcutta-26.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 21-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jai Arachsha Kalabhai;  
Aganivad, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Chhimkabhai Chimanbhai Patel;  
Dr. Sarasvala Building,  
Near Ichhanath Mahadev,  
Surat-Dumas Road,  
Surat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

Ref. No. P.R. No. 845 Acq. 23/19-7/79-80,—Whereas, I,  
S. N. MANDALbeing the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.S. No. 78, Hisa 2 paiki 405 sq. yds. lands situated at Moje  
Umra(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Surat on 1-5-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as gives in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 78, situated at Umra, admeasuring  
594 sq. yds., July registered on 1-5-1979 vide No. 3211.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 27-12-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 31st December 1979

Ref No. P.R. No. 846 Acq. 23/7-4/79-80.—Whereas, I  
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rev. Sur. No. 273, 273/3, Tika No. 56, S. No. 2926 situated at Santh Kuva Gate, Nag Talav, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Shantilal Morarji Naik,  
Navsari.

(Transferor)

- (2) 1. Ashokkumar Rasiklal Saraiya;  
2. Vinaben Ashokkumar Saraiya;  
Ashanagar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at R.S. No. 273, 273/3 Tika No. 56, C. S. No. 2926 House No. 843, Ward No. 6, Near Sandhkuva, Nagtalao, Navsari registered on 7-5-1979 at Navsari vide No. 705.

S. N. MANDAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 31st December, 1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st January 1980

Ref. No. P.R. No. 847 Acq. 23/7-4/79-80.—Whereas, I  
S. N. MANDAL  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. City Survey No. 81 and S. No. 3976 situated at Ward No.  
1, Navsari

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Navsari on 22-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now/therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Thakorbbhai Kevalbbhai Patel;  
Organiser and Karta of Ambikanagar Housing Park;  
Sagrampura, Shivadas Zaverini Sheri,  
Surat.

(Transferor)

(2) 1. Gaupatram Manishankar Mehta;  
2. Ashalata Ganpatram Mehta;  
Navsari, Bulsar District,

(Transferee)

Objections, if any, to the question of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property being building with an area of 875.9  
sq. ft. at Navsari City Dargah Road, Jamasp Road, Ambika-  
nagar Housing Park bearing City Sur. No. 81 and S. No. 3976  
and fully described as per sale deed No. 769 registered in the  
office of Sub-Registrar, Navsari on 22-5-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st January, 1980.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 00

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2369(909)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 123, Plot No. 267 (Building) situated at Near Ranchhodnagar Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) J. & Co.—thru' partners :  
(1) Jayantilal Mohanlal Anadkat  
(2) Jannadas Mohanlal Anadkat  
(3) Mansukhlal Jayantilal Anadkat  
(4) Besharlal Jayantilal Anadkat  
(5) Vinodraj Jannadas Anadkat,  
All at 6, Lafi Plot, Rajkot.

(Transferor)(s)

- (2) Smt. Taraben Mahendrakumar Vasant, "Sohini", 1, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building standing on land 396-6-0 sq. yd. bearing S. No. 123, Plot No. 267, Paiki, situated near Ranchhodnagar Society, Surendranagar Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed No. 2682/11-5-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 27-12-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2323(910)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 358, (Building) situated at Gandhigram, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Junagadh on 11-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nalinkumar Maganlal Raja,  
114E, R. K. Vadi,  
V. P. Road,  
Bombay-4.

(Transferor)

(2) Shri Natverlal Kuberdas Thakkar,  
Opp. : Best English School,  
Behind Vakil's Bungalow,  
Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building standing on land 1508 sq. ft. bearing Plot No. 358, situated at Gandhigram, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh, vide sale-deed No. 693/11-5-1979 i.e. property as fully described therein

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 27-12-1979  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2358(911)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 326—Plot No. 3, situated at Near Atika Rubber Factory, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
34—466GI/79

(1) Shri Sukhdevbharathi Ranchhod & Others,  
Gundawadi Main Road,  
Goswamy Bhuwan,  
Rajkot.

(Transferor) (s)

(2) Shri Ramshanker Surve,  
Swashraya Society, Mavdi Plot,  
Rajkot.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 1395-0-0 sq. yd. bearing S. No. 326—Plot No. 3, situated near Atika Rubber Factory, Rajkot vide sale-deed No. 2521/7-5-1979 duly registered by Registering Officer, Rajkot i.e. property as fully described in the sale-deed as mentioned.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 27-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2452(912)/10-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 39, Plot No. 31, situated at Nehru Road, Patel Colony, Jamnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 19-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shantilal Fulchand Vasa,  
Power of attorney holder of Shri Jayantilal Fulchand,  
Grain Market, Jamnagar.  
(Transferor)

(2) 1. Shri Mangaldas Sundarji,  
2. Smt. Lalita Mangaldas,  
Vandi-Fali, Jam-Khambhaliya.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 578.11 sq. mtrs. bearing S. No. 39, Plot No. 31, situated at Nehru Road, Patel Colony, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 9290, dated 19-5-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 27-12-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shatrudhandas Lalchand Keshwani,  
Upleta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Gameti Gafar Haji Ali Sama,  
2. Shri Gameti Yunus Haji Ali Sama  
Bada Bajrang Road, Upleta.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-I-2378(913)16-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The building standing on land admeasuring 300 sq. yds. bearing Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 565 of May, 1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 27-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shatrudhandas Lalchand Keshwani,  
Upleta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Hajiyani Noorbei Haji Ali Sama,  
Bada Bajrang Road,  
Upleta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-1-2378(914)/16-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land 225-sq. Yds. bearing Plot No. 199, situated at Bada Bajrang Road, Upleta and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 566 of May, 1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 27-12-1979

Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

No. Acq. 23-1-2394(918)/1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 209/1, 209/2, & 209, Hissa 'A', T.P.S. 14, F.P. 269/A, sub-Plot No. 4 & 5 i.e. (land open with some dilapidated structures) situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bharatkumar Chinubhai Banker,  
Madhuvan, Daffnala, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shahibaug Rameshwar Co. Op. H. Soc. Ltd.  
through : Chairman : Shri Natverlal Mohanlal  
Chokshi, 12, Vrandavan Colony, Shahibaug, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot adm. 1120.75 sq. mtrs. with some structure like compound wall, old open well & old tennis Court in a dilapidated condition, bearing S. Nos. 209, 209/1 & 209/2—F.P. No. 269-A—sub-plot No. 4 & 5 situated at Shahibaug, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 4239/10-5-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 31-12-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1980

Ref. No. P.R. No. 848 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 299-A situated at Baranpuri Bhagal, Near Vegetable Market, Ward No. 5, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Jitendra Rangildas;  
Baranpuri Bhagal, Bhajiwali Pole, Surat.
2. Surya Baba Kantilal Patel;  
Parijat Bldg., Marine Drive, Bombay.
3. Ashokkumar Babardas;  
Sayedpura, Kachiya Sheri, Surat.
4. Amritlal Bhaichanddas Patel;  
State Bank Colony, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

- (2) Smt. Taraben Gamanlal;  
Baranpuri Bhagal, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 299-A situated at Baranpuri Bhagal, Near Vegetable Market, Ward No. 5, Surat and fully described as per sale-deed No. 1861 registered in the office of the Sub-Registrar, Surat on 3-5-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 2-1-1980.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th December 1979

Ref. No. P.R. No. 859 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 11, Nondh No. 299 (Southern Portion thereof) situated at Bhaga Talav, Main Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mohanlal Hargovandas Topiwala;  
Bhaga Talav, Surat.
2. Shri Shantilal Parbhudas Topiwala;  
Majkur.

(Transferors)

- (2) Partners of the Bombay Repowering Services;
  1. Amarsingh Karthar Singh;
  2. Charansingh Kartharsingh;
  3. Nagindas Jethalal Mehta;
  4. Sarala Kartharsingh;  
A-6, Daruwala Bldg., Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern portion of the building with an area of 140 sq. yds. situated in Ward No. 11, Nondh No. 299, on the Bhaga Talav Main Road, Surat city and fully described as per sale-deed No. 1736 registered in the office of Sub-Registrar, Surat on 15-5-1979.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2nd January, 1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinodchandra Rasiklal Vyas;  
Pankaj Nivas, Seth Faliya;  
Bharuch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajnikant Kantulal Desai;  
Anavil Street, Vijalpur,  
Navsari Taluka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1980

Ref. No. P.R. No. 850 Acq.23/7-4/79-80.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

House No. 58 and 69 (New),  
situated at Kaliyawadi, Vijalpur, Navsari Taluka  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Navsari on 7-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the days of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land and building at Kaliyawadi, Vijalpur Navsari Taluka,  
bearing house No. 58 (old) 69 (new) and fully described as  
per sale-deed No. 703 registered in the office of Sub-Registrar,  
Navsari on 7-5-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. MANDAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 2-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Chandrakant Chunilal Vakharia;  
2. Shri Chandrikaben Chandrakant Vakharia;  
Faram Mahollo, Rustampura, Surat.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Natverlal Rangildas Gilitwala;  
2. Shri Kanchanlal Rangildas Gilitwala;  
3. Shri Ashokkumar Rangildas Gilitwala;  
2/4141, Anavil Sheri, Sagrampura, Surat.

## GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 5th January 1980

Ref. No. P.R. No. 851 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
City S.No. 426 village Khatodara situated at Khatodara,  
Taluka Choryasi, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Surat on 18-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

35—466GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing City S. No. 426, situated at vil-  
lage Khatodara, Taluka Choryasi, Dist. Surat duly registered  
with registering authority at Surat on 18-5-1979 vide No.  
1980.

S. N. MANDAL  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-1-1980

Seal :

**FORM ITN—**

(1) Aher Bhada Arjan;  
Village Chobari, Dist. Junagadh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Jagdish Pethalji;  
Buker Falia, Junagadh.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 25th January 1980

Ref. No. P. R. No. 929 Acq. 23-I-2324/11-1/79-80/2399.—  
Whereas, I. S. N. MANDAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
S. No. 24-1, 27, 28/2 & S.No. 32 situated at Village Chobari,  
Dist. Junagadh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Junagadh on May, 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land bearing S. Nos. 24-1, 27, 28-2, & S.No.  
32—admeasuring A-3-26 Guntha 5-37 Area 4-00 and Acre  
8-04 G. total acre 21-29 G. respectively situated at village  
Chobari, Dist. Junagadh duly registered by Sub-Regr. Juna-  
gadh vide sale-deed No. 666/7-5-1979 i.e. property as fully  
described therein.

**S. N. MANDAL**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 25-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Kripa Ram.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prabha Agarwal.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. P-72/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. house situated at Mohalla Daulat Bagh, Deputy Ganj, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 13-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house situated at Moh. Daulatbagh, Deputy Ganj, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1953 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 13-7-1979.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. R-135/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,600/- and bearing No. House, situated at Moh. Daulatbagh, Deputy Ganj, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 13-7-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kripa Ram. (Transferor)
- (2) Shri Ram Mohan. (Transferee)
- (3) Seller.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One house situated at Moh. Daulatbagh, Deputy Ganj, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1954 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 13-7-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979  
Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. B-86/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 35/B-13 situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 6-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Dhanvir Singh,  
(2) Smt. Chet Kaur,  
(3) Smt. Charanjeet Garg,  
(4) Smt. Jagdish Kapur,  
(5) Shri Mukhtarkhas Gurdeo Singh,  
(6) Smt. Prakash Kaur.  
(Transferor)
- (2) (1) Shri Bimal Srivastava,  
(2) Sanjeev Srivastava,  
(3) Master Sanjay Srivastava, and  
(4) Master Prajay Srivastava.  
(Transferee)
- (3) Sellers.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land Block No. 35/B-13, situated at Civil Lines, Rampur Bagh, Bareilly admeasuring 612.5 sq. yds. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 2521/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly on 6-6-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. B-87/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, plot having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 225 situated at Mauza Maduwadeeh, Parg. Dehat Amanat, Dist. Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 24-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jasoda Devi.  
(Transferor)
- (2) (1) Shri Bagwati Pd.,  
(2) Shri Raja Ram,  
(3) Shri Shyam Lal, and  
(4) Shri Amar Nath.  
(Transferee)
- (3) Seller.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land Khasra No. 225 measuring .98 Decimal or 3967 sqm. situate at Mauza Maduwadeeh, Pargana Dehat Amanat Dist. Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 3951 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 24-5-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-12-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kunwar Ajai Singh.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Prakash.

(Transferee)

(3) Shri Dharam Prakash.

(Person in occupation of the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. D-36/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nil, Building land etc. situated at Moh. Bazar Katra Narpatganj, Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 15-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building including shops, tinshed etc. etc. and land measuring 119.94 sqm. situate at Bazar Katra Narpatganj, Dist. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 948/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 15-5-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-12-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prem Kumar Rastogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Farooq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-108/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building and land measuring 1463.30 sqm. situated at Village Dehri Pargana Mustahkam Dist. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 2-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building alongwith land measuring 1463.30 sqm. situate at Village Dehri, Pargana Mustahkam, Dist. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 2533/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Moradabad on 2-5-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-12-1979  
Seal :

## FORMS ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. N-30/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rice Mill Building and land etc., situated at Moh. Bindki Rohna, Bindki, Distt. Fatehpur (U.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehpur (U.P.) on 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
36—466GT/79

- (1) (1) Shri Nebhan Das,
- (2) Shri Rawal Das, and
- (3) Shri Pheru Mal.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Narendra Kumar, and
- (2) Shri Surendra Kumar.

(Transferee)

- (3) Sellers.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rice Mill Building, Godowns, Bungalow (Gaddi), rooms, chabutra, boundary wall etc. and land of plots No. 323, 320, and 318 etc. etc. situate at Mohalla Bindki Kohna, Bindki, Dist. Fatehpur, U.P. and all that description of the property which is mentioned in the 37G Form No. 575 and sale-deed which have duly been registered at Bahi No. 1, Jild 497, Page 147/151 Sl. No. 575 in the office of the Sub Registrar, Fatehpur U.P. on 30-5-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-12-1979  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-110/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1-A, in the campus of Waldorf Hotel situated at Malli Tal. Nainital area measuring 537.50 sq. ft (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 9-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ram Prakash,  
(2) Shri Suraj Autar,  
(3) Shri Vishnu Autar,  
(4) Shri Om Autar,  
(5) Shri Anil Kumar,  
(6) Shri Rakesh Kumar,  
(7) Shri Rajeev Kumar, and  
(8) Shri Ashok Kumar Goel.  
(Transferor)
- (2) Shri Masood Ahmad.  
(Transferee)
- (3) Sellers.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Description of Plot No. 1-A situate in campus of Waldorf Hotel, Mallital, Dist. Nainital shown by red-shaded in site-plan attached and bounded as below measuring 537.50 sq. ft. (49.953 sqm.)

East—Plot No. 3 of Hotel Waldorf to be sold to Mohd. Shahid.

West—Municipal Road to Post Office.

North—Plot No. 2 sold to Rais Ahmad.

South—Plot No. 1 of Hotel Waldorf to be sold to Masood Ahmad.

and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 259/59 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Nainital on 9-5-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-12-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th December 1979

Ref. No. M-109/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, area 2081 sft. situated in the campus of Hotel Waldorf, Mallital, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 9-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ram Prakash,  
(2) Vishnu Autar,  
(3) Shri Suraj Autar,  
(4) Shri Om Autar,  
(5) Shri Anil Kumar,  
(6) Shri Rajeev Kumar, and  
(7) Shri Rajeev Kumar, and  
(8) Shri Ashok Kumar Goel.

(Transferor)

- (2) Shri Mohammad Shahid.

(Transferee)

- (3) Vendors.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 3 situate in the campus of Hotel Waldorf, Mallital, Nainital, measuring 2081.10 sft. and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 258/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar Nainital on 9-5-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-12-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
57, RAMTIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1979

Ref. No. S-184/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing building No. 4 and land plot survey No. 131, 00.589 Acres situated at Ranikhet, Cantt. Board, Sadar Bazar, Dist. Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranikhet on 5-6-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Prem Lal,  
(2) Shri Chiranjil Lal,  
(3) Shri Jwala Prasad,  
(4) Shri Laxmi Narain,  
(5) Shri Shiv Narain, and  
(6) Shri Nand Lal.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Surendra Lal Sah,  
(2) Shri Suneel Kumar,  
(3) Shri Ashok Sah, and  
(4) Shri Manoj Kumar (Minor).

(Transferee)

- (3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House building No. 42, Cantt. Ranikhet, including skating hall, bulrard room, restaurant, kitchen, office room and other rooms, fittings and fixtures and plot of land of Survey No. 131, Ranikhet Cantonment measuring 00.589 acre etc. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 528, 79/1 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Ranikhet on 5-6-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-12-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 1st January 1980

Ref. No. BGR/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building with land situated at 23/7 Mile Stone on Mathura Road, situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Prakash Dinodia s/o Shri Gulzari Lal, House No. D-402, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. G. S. Industries, GL-I, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building with land situated at 23/7 Mile Stone on Delhi Mathura Road, Ballabgarh and as described more in the sale deed registered at No. 707 dated 8-5-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/625.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

No. — situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madhava Banerji s/o late Shri Kalyan Kumarji, Gaura Baboo ka Ahata, Station Road, Jaipur.  
(Transferor)
- (2) Shri Chander Prakash Dewada s/o. Shri Mangilal Dewada, Gora ka Bag, Station Road, Jaipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property known as Gora Baboo ka Bagh station Rd., Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1221 dated 26-5-79.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 2-1-80.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, J. M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 36 situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotah on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Praladh Kumar Jindal s/o Shri Sukishan Jindal Agarwal resident of Shopping Center, Kotah. (Transferor)

(2) Smt. Tara Bai w/o Shri Asgar Ali Bohra, resident of Bohra Tipta, Radha Vilas, Kotah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. 36 Shopping Center Kotah and more fully described in the sale deed registered by S.R. Kotah vide registration No. 1019 dated 31-7-79.

M. R. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 2-1-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Praladh Kumar Jindal s/o Shri Srikishan Jindal  
Agarwal resident of Shopping Center, Kotah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Asgar Ali s/o Shri Fajal Hussain Bohra R/o  
Radha Vilas Mohala Tipta Bohra, Kotah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 36 situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kotah on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. 36 Shopping Center Kotah and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kotah vide registration No. 1018 dated 31-7-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 2-1-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Praladh Kumar Jindal s/o Shri Srikishan Jindal Agarwal R/o Shopping Center, Kotah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tafjul Hussain s/o Shri Asgar Ali Radha Vilas, Mohala Bohra Tipta, Kotah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd January 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 36 situated at Kotah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kotah on 31-7-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property situated at plot No. 36 Shopping Center Kotah and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kotah vide registration No. 1020 dated 31-7-79.

M. R. AGGARWAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date : 2-1-80.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—466GI/79

FORM ITNS— — —

(1) Shri Anand Kishore Mathur, Prem Kishore Mathur, Rajkishore Mathur and Mahender Kishore Mathur sons of late Shri Kishorilal Mathur plot No. K/23 Malviya Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

No. K-23A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Prakash Chander Mathur s/o. Shri Nand Kishore Rai Shive Sadan M.L.A. Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. K-23A Malviya Marg, C-Scheme Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1117 dated 8-5-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-1-80

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.).—Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-23B situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 2-6-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anand Kishore Mathur, Prem Kishore Mathur, Raj Kishore Mathur & Mahender Kishore Mathur sons of late Shri Kishorilal Mathur plot No. K/23 Malviya Marg C-Scheme, Jaipur. (Transferor)

- (2) Shri Prakash Chander Mathur s/o. Shri Nand Kishore Rai Katra and Svs. Deepak Mathur, Ashoke Mathur and Sudan Mathur members of HUF Shiv Sadan M.L.A. Colony, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. K-23B Malviya Marg C-Scheme Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1300 dated 2-6-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-1-80

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/629.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. B-20 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. C. Narula s/o. Shri Hiralal Plot No. 4 site 8 Firojpur Cantt (PUNJAB).

(Transferor)

(2) Shri Dr. Sunderlal Grover s/o. Shri Manoharlal Grover Rajapark Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Northern portion of plot No. B-20 Raja Park Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 1180 dated 26-5-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-1-80  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1980

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/630.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. B-20 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 26-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri D. C. Narula s/o Shri Hiralal, Plot No. 4 site 8 Firojpur Cantt (PUNJAB).

(Transferor)

- (2) Shri Dilip Singh and Jagjit Singh sons of Shri Malik Singh plot No. 429 Raja Park Gali No. 3 Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Southern portion of Plot No. B-20 Raja Park, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 1181 dated 26-5-79.

M. R. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-1-80  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1979

Ref. No. KNL/9 & 10/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspection Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building No. XVIII-823 situated at G.T. Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karnal in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Sh. Harbanss Lal S/O Sh. Rahu Ram  
2. Sh. Rajinder Kumar S/O Sh. Harbans Lal both R/O of Ashoka Colony, Karnal. (Transferor)
- (2) M/S. Mool Chand & Sons c/o M/S. National Tractors & Implements, G.T. Road, Karnal. (Transferee)
- (3) M/S. Globe Tractors, G.T. Road, Karnal. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being building No. XVIII-823 situated on G. T. Road, Karnal and as more described in sale-deeds registered at No. 1482 & 1483 dated 4-6-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 3-11-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st January 1980

Ref. No. KTL/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double Storeyed shop No. 69 (MCK No. 1362/XVII) situated at Mandi Jawahar Ganj, Kaithal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kaithal in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sushil Kumar Jain s/o Sh. Laja Ram Jain, s/o Kaithal.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar s/o Shri Bimal Kumar s/o Satya Parkash C/o Satya Parkash, Sanjeev Kumar, Mandi Jawahar Ganj, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. MCK/XVII/1362 (Shop No. 69) situated in Mandi Jawahar Ganj, Kaithal and as more described in the Sale-deed registered with the Sub-Registrar, Kaithal at No. 313 dated 18-5-1979.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date :  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. DBW/5/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop Lot No. SCF-68 at Nai Mandi situated at Kalanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Amar Nath, Smt. Nirmla Devi w/o Sh. Nohar Chand R/o Kalanwali P.O. Kalanwali, Teh. Dabwali.

(Transferor)

(2) S/Sh. Gurmakh Singh, Kirpal Singh, Ishar Singh Ss/o Sh. Rafan Singh R/o Kalanwali Teh. Dabwali Distt. Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Shop Lot No. SCF-68 SCII situated at Nai Mandi, Kalanwali and as more mentioned in the Sale deed registered at Sr. No. 370 dated 22-5-1979 with the Sub Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Batna Singh S/o Shri Sohan Singh R/o  
Vill. Chankothi Teh. Fatehabad.  
(Transferor)

(2) Sh. Satnam Dass S/O. Diwan Chand Smt. Subhai  
Bai W/O. Sh. Diwan Chand Vill. Banawali Sotar,  
Teh. Fatehabad.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. FTB/5/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspection Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 49 Kanal situated at Chankothi Teh. Fatehabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fatehabad in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property land measuring 49 kanals situated in Village Chankothi Teh. Fatehabad and as more mentioned in the Sale-deed registered at Sr. No. 816 dated 24-5-1979 with the Sub-Registrar, Fatehabad.

**G. S. GOPALA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

38—466GI/79

Date : 23-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. DBW/1/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 88 kanals 1 marla situated at Village Ginderan, Teh. Dabwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jugal Kishore S/O. Sh. Wasdev R/O. H. No. 130, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jai Karan Dass, Mohan Lal S/o. Shri Bhoma Ram, Sahib Ram, S/o. Sh. Hardial Vill. Member Khera Teh. Dabwali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 88 Kanals 1 marla situated in village Ginderan Teh. Dabwali and as more mentioned in Sale-deed Registered at Sr. No. 339 dated 17-5-1979 with Sub-Registrar, Dabwali.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-1-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. KNL/24/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9, Sardar Vallabh Bhai Patel Market situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Dhani Dass S/o Gordhan Dass R/o A-92, Model Town, Karnal.  
2. Sh. Raj Bakash S/o, Sh. Lal Chand R/o B-223 Model Town, Karnal.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Hans Raj, Mulakh Raj Ss/o Shri Ram Chand R/o. 78 Dayal Singh Colony, Karnal City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 9 situated in Sardar Vallabh Bhai Patel Whole Sale Cloth Market, G.T. Road, Karnal City and as more mentioned in Sale-decd registered at Sr. No. 2875 dated 9-8-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-1-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sudershan Kumari W/o. Shri Sohan Lal,  
37-R. Model Town, Sonapat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Subhash Chand Arora S/O. Sh. Ved Parkash  
Arora, R/o 14/15, Malik Colony, Sonapat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 23rd January 1980

Ref. No. SPT/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-  
tion Range, Rohtak,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.House No. 14/15 Malik Colony, situated at Sonapat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sonapat in May, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property House No. 14/15 situated in Malik Colony,  
Sonapat and as more mentioned in the sale-deed registered  
at Sr. No. 1088 dated 31-5-1979, with the Sub-Registrar,  
Sonapat.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 23-1-80,  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. KNI/6/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 48 situated at Nai Mandi Karnal

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Paras Ram & Jai Parkash Sons of Shri Hari Ram, Railway Road, Karnal.  
(Transferor)

(2) Sh. Ram Kanwar S/o Sh. Payara Lal S/o. Sh. Fate Ram, New Mandi Karnal.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Shop No. 48 situated in Nai Mandi, Karnal and as more mentioned in sale-deed registered at No. 962 dated 21-6-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 2-2-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. KTL/2/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Shop bearing No. 1504 situated at in Jawaharganj Mandi, Kaithal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Prem Chand S/o Sh. Om Parkash, Smt. Savitri Devi W/o Sh. Om Parkash R/o Kaithal.  
(Transferor)
- (2) Sh. Padam Kumar S/o, Sh. Payare Lal Sh. Susil Kumar S/o Sh. Padam Kumar, R/o Kaithal,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property shop bearing No. 1504 situated in Mandi Jawaharganj Kaithal and as more mentioned in the sale-deed registered at Sr. No 469 dated 26-5-1979 with the Sub-Registrar, Kaithal.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 2-2-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Leela Rai Wd/o Sh. Malik Maharaj Anand,  
R/O. 30-C, M.T. Yamunanagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Naresh Chander Garg S/O. Sh. Kanti Chander  
Garg, 26-C, M.T. Yamunanagar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. JDR/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 26-C situated at Model Town, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jagadhari in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing residential House No. 26-C situated in Model Town, Yamunnagar and as more mentioned in the sale-deed registered at Sr. No. 1530 dated 25-6-1979 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1980.  
Seal :

FORM ITNS —————

(1) S/Sh. Asha Nand &amp; Nanak Chand S/o. Shri Jodha Ram R/O. Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ram Dass S/O. Shri Bela Ram, R/O. Karnal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1980

Ref. No. KNL/3/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property shop situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 765 dated 18-5-1979 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 2-2-1980.  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Chander Mukhi D/O Late Sh. Attar Chand.  
(2) Shri Bharat Bhushan S/O Sh. Attar Chand.  
R/O Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Subhash Chand Hans S/O Sh. Bela Ram  
R/O House No. 3-G/200, NIT, Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. BGR/13-79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, DLF Colony Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3-G/200, N.I.T., situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—  
39—466GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a residential House No. 3-G/200, situated in NIT, Faridabad and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 1312 dated 26-5-1979 with the Sub-Registrar, Ballabhgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Amarjit Singh S/O Shri Mohan Singh,  
10, Dr. Sundri Mohan Avenue, Calcutta.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. BGR/14/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 84 Sector 7A, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Sh. Garib Singh & Hari Singh sons of  
Shri Vishan Singh House No. 84, Sector 7-A,  
Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing residential house No. 84 situated in Sector 7-A, Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 1388 dated 29-5-1979 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Sh. Ram Chander, Narain Parshad, Hira Lal sons of Shri Chuni Lal, Jangra Brahman R/O Narnaul.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harphool S/O Shri Shiv Ram, Purani Mandi, Narnaul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. NNL/1/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 3000 sq. yards situated at Purani Mandi, Narnaul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narnaul in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3000 sq. yards situated at Purani Mandi, Narnaul and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 228 dated 9-5-1979 with the Sub-Registrar, Narnaul.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. PNP/1/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 62 Bighas 4 Bishwa situated at Patti Rajputan (Panipat) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bimla Choudhary Wd/o Sh. Lachhman Dass  
R/O House No. 188 Model Town, Panipat.  
(Transferor)
- (2) Shri Hirde Ram S/O Shri Lachhman Ram  
R/O House No. 421/8, Panipat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 62 Bighas 4 Bishwa situated at Patti Rajputan (Panipat) and as more mentioned in the Sale-deed registered at Sr. No. 637 dated 24-5-1979 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal :



## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. GRG/8/79-80.—Whereas I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 70 kanals 12 marlas situated at Vill. Badshapur Thethar (Gurgaon) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Harbans Singh & Jagdish Singh sons of Shri Umda Singh S/O Sh. Bakhtawar Singh R/O Thaidhar Teh & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) 1. S/Sh. Shiv Lal & Badan Singh sons of Sh. Musse S/O Sh. Wazir  
2. Sh. Beg Raj S/O Chhajan  
3. Sh. Duli S/O Sh. Pehladi  
R/O Vill. Bahdshapur Thethar Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 70 K. 12 marlas at Vill. Shiwana Thethar (Gurgaon) and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 550 dated 16-5-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. GRG/11/1979-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 24-L, New Colony, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanhaya Lal Poswal S/O  
Shri Mam Chand, R/O 47 M.L.A. Flat  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bishan Singh S/O Anokh Singh  
2. Shri Satvinder Singh S/O Sh. Vishan  
Singh R/O Kothi No. 24-L, New Colony,  
Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Kothi bearing No. 24-L, situated in New colony, Gurgaon and as more described in sale deed registered at Sl. No. 739 dated 26-5-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. SRS/5/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated Malgodam Road, situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kashmiri Lal S/O Shri Bhaju Ram  
S/O Shri Ram Chand R/O Sirsa.  
(Transferor)
- (2) (1) Sh. Mohan Lal & Mool Chand sons  
of Sh. Prem Chand.  
(2) S/Sh. Hans Raj, Mulakh Raj, Sohan Lal S/o  
Sh. Mehanga Ram.  
(3) Smt. Ganga Devi W/O Sh. Desraj S/O Mehanga  
Ram.  
(4) Smt. Lajwanti W/O Sh. Jai Chand S/O Mehanga  
Ram.  
R/O Vill. Saharani Teh. Sirsa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property shop situated on Malgodam Road, Sirsa and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 801 dated 19-5-1979 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th February 1980

Ref. No. SRS/7/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 104 k. 6 marlas situated at Vill. Kuta Badh Teh. Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

(1) S Sh Hari Kishan Lal, Bhoj Raj, Des Raj & Sheoka Ram sons of Sh. Hakam Chand  
R/O Vill. Ratta Kheja Teh. Sirsa.

(Transferor)

(2) 1. S/Sh. Dev Chand, Devi Ram S/O Khiali Ram.  
2. Sh. Nihal Chand S/O Sh. Dev Chand  
R/O of Vill. Menna Khera Teh & Distt. Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 104 K, 6 marlas situated at village Kuta-Badh Teh. Sirsa and as mentioned more in the Sale-deed registered at st. No. 1092 dated 29-5-1979 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-2-1980  
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Armenian Church  
represented by the trustees  
Armenian Association,  
Armenian Street, Madras-1.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Imran M. Abdul Hussain &  
Shri Saifuddin Hassan Ali,  
25, Armenian Street, Madras-600 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 11th February 1980

Ref. No. 61/JUNE/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Kondi Chetty Street, Madras-600 001, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madras North (Doc. No. 2668/79) on June 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Document No. 2668/79 JSRO I, Madras North.  
Land & Building at Door No. 7, Kondi Chetty Street,  
Madras-600 001.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM.  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
40—466GT/79

Date : 11-2-1980.

Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Shri Manjit Singh  
R/o 36, Double Storey, New Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harbans Lal Mehra, R/o  
20/80, Shakti Nagar Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 18th January 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/1-80/988.—Whereas, I,  
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-11 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One and a half storeyed building constructed on plot of land measuring 500 sq. yds. bearing No. 11, Block No. "S" situated in the residential colony known as Greater Kailash-I New Delhi bounded as under :—

East : Plot No. S-13.  
West : Plot No. S-9.  
North : Road.  
South : Service Lane.

G. C. AGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 18-1-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 18th January 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/1-80/989.—Whereas, I,  
G. C. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-50, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Parkash Girdhar, S/o  
Shri Kundan Lal Girdhar, R/o  
A-9, NDSE I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Brig. Ramesh Chander Ghai, S/o  
Shri Roop Lal Ghai, R/o  
D-371, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A freehold residential plot of land bearing No. 50, Block No. M, measuring 250 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :—

North : Service Lane  
South : Plot No. M-52  
East : Service Lane.  
West : Road.

G. C. AGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 18-1-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 19th January 1980

Ref. No. IAC/Acq/I/1-80/990.—Whereas, I, G. C. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Golf Links New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Laxmi & Co. a unit of  
M/s. Montary Enterprises Pvt. Ltd.,  
16, Marina Arcade, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Rank Pharmaceuticals Pvt. Ltd.,  
E-43, Greater Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A two and a half storeyed house built on plot of land measuring 1250 sq. yds. situated at No. 10, Golf Links, New Delhi.

G. C. AGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 19-1-1980.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st January 1980

Ref. No. Acq.23-I-2428(928)/1-1/79-80.—Whereas, I,  
S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 475 Paiki Sub-Plot No. 2-A, 2-B, 3-A, 3-B, 4-A &amp; 4-B situated at (T.P.S. 28) Wadej, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lalbhai Chunilal Patel,  
Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Baljit Co. Op. Hous. Soc. Ltd.  
C/o 10, Manek Avenue Co. Op. Hous. Soc. Ltd.,  
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 475—Paiki Sub-Plot No. 2-A, 2-B, 3-A, 3-B, 4-A and 4-B—adm. 3327 sq. yds. situated at Wadej, Ahmedabad duly registered by Registering officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 9716/21-10-1978 (37-G form received in the second fortnight of May, 1979 from Sub-Registrar, A'bad) i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Date : 21-1-1980

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1980

F.13/1/79-E.I(B)

New Delhi, the 23rd February 1980

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GOUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 10th August 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 23rd February 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11),

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100 (including 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders, Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1980. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 21st April, 1980 (5th May, 1980) in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 21st April 1980 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 21st April, 1980.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 800 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA,  
Deputy Secretary,  
Union Public Service Commission.

## ANNEXURE

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

3. A candidate must send the following documents with his application—

(i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 5 and 6 of Notice and para 6 below).

(ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.

- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (see para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THERE APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1980. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.**

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by

the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Some times the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.** A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

**NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

**NOTE.**—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

**N.B.**—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in sup-

port of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India;

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Schedule Tribe under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ and/or\* his/her\* family ordinarily, reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District/Division\* of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_  
\*\*Designation \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_ (with seal of Office)

State/Union Territory\*

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/(Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.  
†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concessions under Rule 4 (b)(ii) or 4(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4 (b)(iv) or 4(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4(b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Service claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(b)(x) or 4(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 4(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4 (b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii) and (iii) above, and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late

submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baga Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlet are also obtainable from the agents for the Government or India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—All COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICANT SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

